@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 11 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 1 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

जूनियर डॉक्टरों का आंदोलन वाम दलों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा

कोलकाता, 10 नवंबर। कोलकाता में जूनियर डॉक्टर दुष्कर्म और हत्या की शिकार महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं। इस वारदात को तीन महीने पूरे हो चुके हैं। अब सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक ने आरोप लगाया कि आरजी कर मुद्दे पर जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन को राज्य में वामपंथी दलों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। अशोकनगर से तृणमूल कांग्रेस के विधायक नारायण गोस्वामी ने शनिवार को उत्तर 24 परगना जिले में अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में कहा कि नौ अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक महिला डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के विरोध में 14 अगस्त तक उनकी पार्टी के समर्थकों सहित आम लोग गैर-राजनीतिक आंदोलन में शामिल थे। गोस्वामी ने आरोप लगाया कि हालांकि, मुश्किल हालात का फायदा उठाने के लिए माकपा जैसी वामपंथी पार्टियां धीरे-धीरे घटनास्थल पर आ गए और बाद में अपनी अग्रिम शाखाओं को शामिल करके आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, इसके बाद की घटनाएं- जूनियर डॉक्टरों का धरना, आमरण अनशन कार्यक्रम, द्रोहो कार्निवल (दुर्गा पूजा कार्निवल के खिलाफ विरोध रैली), शनिवार (नौ नवंबर) की रैली, ये सभी संकेत हैं कि आंदोलन को वामपंथी दलों और उनके अग्रणी संगठनों द्वारा नियंत्रित किया जा रहा है। दक्षिणपंथी भाजपा ने भी राज्य को अस्थिर करने की योजना में वामपंथियों के साथ हाथ मिला लिया है, जो सफल नहीं होगा। आंदोलनकारी जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के प्रमुख सदस्यों में से एक अनिकेत महतो ने पहले कहा था कि जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन को राज्य के आम लोगों का समर्थन प्राप्त है, जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की गंदगी को साफ करना चाहते हैं और अभया के लिए न्याय चाहते हैं। उन्होंने कहा, हमने पिछले तीन महीनों में किसी भी राजनीतिक दल को अपने आंदोलन के मंच पर नहीं बैठने दिया था। लोगों के आंदोलन के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के कोई भी नेता जो कुछ भी कहें, लोगों को फैसला करने दें। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दरिंदगी की घटना आठ अगस्त की है।

कांग्रेस समाज की सामूहिक ताकत को तोड़ना चाहती है: प्रधानमंत्री मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

रांची, 10 नवंबर। झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान तेज हो गया है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को झारखंड पहुंचे। यहां उनका एक मेगा रोड शो और चुनावी रैलियों का कार्यक्रम है। सबसे पहले पीएम मोदी ने बोकारो में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को तोड़कर उन्हें छोटी-छोटी जातियों में बांटना चाहती है। उन्होंने झारखंड की जनता को एकजुट रहने का संदेश देते हुए 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा भी बुलंद किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में भाजपा के पक्ष में प्रचंड आंधी चल रही है। छोटा नागपुर का ये पठार भी कह रहा है- रोटी-बेटी-माटी की पुकार, झारखंड में भाजपा-ह्ष्ठ सरकार। भाजपा-ह्ष्ठ का यहां एक ही मंत्र है। हमने झारखंड बनाया है, हम ही झारखंड संवारेंगे। ऐसे लोग कभी झारखंड का विकास नहीं करेंगे, जो झारखंड राज्य के निर्माण के विरोधी रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज से 10 साल पहले, 2004 से 2014 तक केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, मैडम सोनिया सरकार चलाती थीं और मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री के रूप में बिठाया था। उस समय केंद्र सरकार ने झारखंड को 10 साल में बड़ी मुश्किल से 80 हजार करोड़ रुपये दिए थे। 2014 के बाद दिल्ली में सरकार बदली, आपने अपने इस सेवक मोदी को सेवा करने का मौका दिया और बीते 10 साल में हमने झारखंड को 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा चाहती थी कि गरीब को पक्का घर मिले, शहरों-गांवों में अच्छे रास्ते बनें, बिजली-पानी मिले, इलाज की सुविधा हो, पढ़ाई की सुविधा हो, सिंचाई के लिए पानी मिले, बुढ़ापे में दवाई मिले, लेकिन ह्ष्ठ सरकार के पिछले 5 साल में आपके हक की ये सुविधाएं ह्ष्ठ और कांग्रेस के लोगों ने लूट लीं। पीएम मोदी ने कहा कि आप मुट्ठीभर बालू के लिए तरस रहे हैं, और इनके नेता बालू की तस्करी

करके करोड़ों कमा रहे हैं। इनके पास से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। अब आपने भाजपा-ह्ष्ठ सरकार बनाने का निर्णय कर लिया है। मैं आपसे वादा करता हूं कि सरकार बनने के बाद इन भ्रष्टाचारियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए हम अदालत में पूरी लड़ाई लड़ेंगे। आपके हक का पैसा आप पर ही खर्च होगा, आपके लिए खर्च होगा, आपके बच्चों के भविष्य के लिए खर्च होगा। उन्होंने कहा कि हम पीएम किसान सम्मान निधि का पैसा सीधे झारखंड के किसानों के बैंक खातों में भेजते हैं और पूरे के पूरे उन्हें मिलते हैं। ऐसे ही हाइवे, रेलवे और एयरपोर्ट के कितने ही काम होते हैं, जिसपर केंद्र सरकार सीधे खर्च करती है, किसी को बीच में से कट करने का मौका ही नहीं मिलता। झारखंड में भी हमारी सरकार ने लाखों करोड़ रुपये खर्च किए हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा-ह्ष्ठ सरकार नए उद्योगों को बढ़ावा दे रही है। हम झारखंड में बंद पड़े पुराने कारखाने भी खुलवा रहे हैं। सिंदरी का खाद कारखाना भी तो पहले की सरकारों की कुनीति की वजह से बंद हो गया था। हमने सिंदरी खाद कारखाने को शुरू करवाया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना आज बन जाएंगे देश 51वें प्रधान न्यायाधीश

नरेश मल्होत्रा

नई दिल्ली, 10 नवंबर। सर्वोच्च न्यायालय के कई ऐतिहासिक फैसलों का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति संजीव खन्ना सोमवार को भारत के 51वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में शपथ लेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पूर्वाह्न 10 बजे राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी। न्यायमूर्ति संजीब खन्ना, न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की जगह लेंगे, जो रविवार को सेवानिवृत्त हो गए। न्यायमूर्ति खन्ना का कार्यकाल 13 मई 2025 तक रहेगा। केंद्र ने 16 अक्टूबर को प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ की सिफारिश पर 24 अक्टूबर को न्यायमूर्ति खन्ना की नियुक्ति को आधिकारिक रूप से अधिसूचित किया था। शुक्रवार को न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ का प्रधान न्यायाधीश के रूप में अंतिम कार्य दिवस था। जनवरी 2019 से सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में कार्यरत न्यायमूर्ति संजीव खन्ना ईवीएम की विश्वसनीयता को बनाए रखने, चुनावी बॉण्ड योजना को खत्म करने, अनुच्छेद 370 को हटाने और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने जैसे कई महत्वपूर्ण फैसलों का हिस्सा रहे हैं। दिल्ली के एक प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखने वाले न्यायमूर्ति खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति देव राज खन्ना के बेटे और शीर्ष न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एच आर खन्ना के भतीजे हैं। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना को 18 जनवरी 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह लंबित मामलों को कम करने और न्याय मुहैया कराने में तेजी लाने पर जोर देते रहे हैं। न्यायमूर्ति एच आर खन्ना आपातकाल के दौरान एडीएम जबलपुर मामले में असहमतिपूर्ण फैसला लिखने के बाद 1976 में इस्तीफा देने के कारण चर्चा में रहे थे। आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के हनन को बरकरार रखने वाले संविधान पीठ के बहुमत के फैसले को न्यायपालिका पर एक काला धब्बा माना गया। न्यायमूर्ति एच आर खन्ना ने इस कदम को असंवैधानिक और कानून के शासन के खिलाफ बताया था। न्यायमूर्ति एच आर खन्ना 1973 के केशवानंद भारती मामले में संविधान का मूल ढांचा सिद्धांत को प्रतिपादित करने वाले ऐतिहासिक फैसले का हिस्सा थे। न्यायमूर्ति खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने 26 अप्रैल को ईवीएम में हेरफेर की आशंका को निराधार बताया था और पुरानी मतपत्र प्रणाली पर वापस लौटने की मांग को खारिज कर दिया। वह पांच न्यायाधीशों की उस पीठ का भी हिस्सा थे जिसने राजनीतिक दलों को वित्त पोषण के लिए बनाई गई चुनावी बॉण्ड योजना को असंवैधानिक घोषित किया था न्यायमूर्ति खन्ना उस

पांच न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा थे, जिसने तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को विशेष दर्जा प्रदान करने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के केंद्र के 2019 के फैसले को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने ही पहली बार आबकारी नीति घोटाला मामलों में लोकसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए तत्कालीन मुख्यमंत्री केजरीवाल को एक जून तक अंतरिम जमानत दी थी। खन्ना का जन्म 14 मई, 1960 को हुआ था। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस लॉ सेंटर से कानून की पढ़ाई की। न्यायमूर्ति खन्ना राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष हैं। उन्होंने 1983 में दिल्ली बार काउंसिल में एक वकील के रूप में नामांकन कराया और शुरुआत में यहां तीस हजारी परिसर में जिला अदालत में और बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय में वकालत की। आयकर विभाग के वरिष्ठ स्थायी वकील के रूप में उनका कार्यकाल लंबा रहा। 2004 में, उन्हें राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए स्थायी वकील (सिविल) के रूप में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति खन्ना दिल्ली उच्च न्यायालय में अतिरिक्त सरकारी अभियोजक और न्याय मित्र के रूप में कई आपराधिक मामलों में भी अदालत की सहायता की थी।

अभिनेता हेमंत पांडेय को मिला उत्तराखंड गौरव सम्मान

देहरादून, 10 नवंबर। राज्य स्थापना दिवस कार्यक्रम में इस वर्ष का उत्तराखण्ड गौरव सम्मान भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, लोक गायक प्रीतम भर्तवाण, समाज सुधारक एवं आध्यात्मिक गुरु माता मंगला, अभिनेता हेमंत पांडेय और वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महेश कु?याल को दिया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड गौरव सम्मान पुरस्कार 2024 प्रदान किए। उत्तराखंड गौरव सम्मान उत्तराखंड के दो सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक है। यह सम्मान किसी व्यक्ति को मानवीय प्रयास के किसी भी क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है। उत्तराखंड गौरव सम्मान की शुरुआत वर्ष 2021 के स्थापना दिवस से हुई थी। प्रदेश की पांच विभूतियों को यह पुरस्कार दिया जाता है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित समिति इन नामों का चयन करती है। उत्तराखंड गौरव अवॉर्ड के तहत विजेताओं को प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपये देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर हेमंत पांडेय ने इस अवॉर्ड का श्रेय अपने माता पिता को दिया। उन्होंने कहा, इजा और बाबू के दिए संस्कारों के कारण जो उपलब्धि हासिल हुई है वो उन्हीं को समर्पित है। हेमंत पांडेय उसी शाम को रूद्रपुर के बेहद प्रतिष्ठित स्कूल अमेनिटी पब्लिक स्कूल के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि थे। खबरों की मानें तो हेमंत पांडेय शीघ्र ही एक बड़े प्रोडक्शन हाउस की वेब सीरीज से वापसी करने वाले हैं। इसके अलावा वेलकम टू जंगल और हॉन्टेड टू जैसी फिल्में भी वह कर रहे हैं। अभिनेता हेमंत पांडे को चल गुरू हो जा शुरू, लव यू शंकर, क्रिश, बधाई हो बधाई, मिलेंगे मिलेंगे जैसी फिल्मों में उनके किरदार के लिए जाना जाता है।

वक्फ के नाम पर जमीन हड़पना बंद होना चाहिए: जगदंबिका पाल

कौमी संवाददाता

भुवनेश्वर, 10 नवंबर। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर बनी जेपीसी के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ओडिशा दौरे पर हैं। भुवनेश्वर में मीडिया से बात करते हुए जगदंबिका पाल ने कहा कि जेपीसी गठन के बाद से कर्नाटक में वक्फ बोर्ड द्वारा जमीन पर दावों के नोटिस में 38 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जेपीसी अध्यक्ष ने ये भी कहा कि कर्नाट के अल्पसंख्यक मंत्री अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर वक्फ के मामलों में कार्रवाई कर रहे हैं। वहीं जेपीसी के सदस्य बृज लाल ने कहा कि वक्फ के नाम पर जमीन हड़पना बंद होना चाहिए। वक्फ जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कहा कि संसद सत्र के दौरान भी ऐसा कभी नहीं होता कि हर सत्र की बहस के दौरान सभी सांसद मौजूद हों। जेपीसी के अध्ययन दौरे का मतलब ये नहीं है कि सभी सदस्य

मौजूद हैं या नहीं। इसका उद्देश्य प्रशासन, वक्फ बोर्ड, अल्पसंख्यक आयोग और जिस राज्य में वे जाते हैं, वहां के सभी हितधारकों को सुनने का मौका देना है। हितधारकों से मिलने के लिए जेपीसी के सभी सदस्यों का मौजूद रहना जरूरी नहीं है, वे दूसरे कामों में व्यस्त हैं। जेपीसी के गठन के बाद, कर्नाटक वक्फ बोर्ड द्वारा राज्य के किसानों को दिए जाने वाले नोटिस में 38ह्न की तेजी आई है। राज्य सरकार के अल्पसंख्यक मंत्री ने हर जिले में वक्फ न्यायाधिकरण स्थापित करना शुरू कर दिया है। मंत्री वक्फ कार्यवाही को आगे बढ़ाने के लिए अपने अधिकार क्षेत्र के बाहर जाकर काम कर रहे हैं। जेपीसी अध्यक्ष के साथ ओडिशा दौरे पर पहुंचे जेपीसी के सदस्य और उत्तर प्रदेश के पूर्व डीजीपी बृज लाल ने कहा कि जेपीसी की बैठकों के दौरान बाधा उत्पन्न करना सिर्फ उनका राजनीतिक एजेंडा है। यहां हम हितधारकों को सुनते हैं और रिपोर्ट के आधार पर काम करते हैं।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले की टिकट बिक्री आज से

नई दिल्ली, 10 नवंबर। 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले के लिए टिकट बिक्री सोमवार से शुरू हो रही है। लोग डीएमआरसी के आधिकारिक एप के साथ-साथ भारतमंडपम के एप से भी क्यूआर टिकट खरीद सकते हैं। इसके लिए बीते दिनों दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) और इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन (आईटीपीओ) ने एक समझौता किया था। दिल्ली मेट्रो ऐप या भारत मंडपम के एप से एक व्यक्ति एक दिन में 10 क्यूआर टिकट बुक कर सकेगा। यहां पर टिकट के दाम में कोई अंतर नहीं होगा। पिछली साल की ही तरह इस बार भी मेले के शुरुआती दिनों में व वीकेंड में जहां आम टिकट 150 रुपये और बच्चों का टिकट 60 रुपये का होगा, वहीं बिजनेस डे के समापन के बाद 19 नवंबर से टिकट के दाम घटकर 80 और 40 रुपये हो जाएंगे।

महाविकास अघाड़ी के घोषणापत्र पर मिलिंद देवड़ा ने उठाए सवाल

मुंबई, 10 नवंबर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी और महायुति गठबंधन आमने-सामने हैं। दोनों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी कर दिए हैं। अब शिवसेना सांसद मिलिंद देवड़ा ने महाविकास अघाड़ी के घोषणा पत्र को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि एमवीए का विजन वाकई हैरान करने वाला है। उन्होंने लिखा कि सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में महायुति सरकार ने महाराष्ट्र के लिए भारत के कुल एफडीआई का 52ह्न सुरक्षित किया है। जबकि एमवीए ने घोषणापत्र में इसे 40ह्न तक लाने का वादा किया है। क्या वाकई हमारे राज्य के लिए उनकी यही महत्वाकांक्षा है? एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने वर्ली विधानसभा सीट से मिलिंद देवड़ा को प्रत्याशी बनाया है। मिलिंद देवड़ा का वर्ली सीट पर शिवसेना यूबीटी के नेता आदित्य ठाकरे से मुकाबला होगा। मिलिंद देवड़ा वर्तमान में राज्यसभा सदस्य हैं और दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से दो बार सांसद रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान मिलिंद देवड़ा को ही वर्ली की कमान दी गई थी। वर्ली सीट शिवसेना यूबीटी के प्रभाव वाली मानी जाती है। मिलिंद देवड़ा ने जनवरी में ही कांग्रेस छोड़कर एकनाथ शिंदे की शिवसेना का दामन थामा था। मिलिंद देवड़ा को राजनीति विरासत में मिली है और उनके पिता मुरली देवड़ा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे और कांग्रेस सरकार में केंद्रीय मंत्री भी रहे। वह दो बार लोकसभा सांसद रह चुके है और अभी राज्यसभा सदस्य हैं। जून में उन्होंने शिवसेना सांसद के तौर पर संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर पहला भाषण दिया।

गेरुआ कपड़े पहनने वाले फैला रहे नफरत: मल्लिकार्जुन खरगे

सौरभ शर्मा

मुंबई, 10 नवंबर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि आज कल कई नेता साधुओं के वेश में रहते हैं। कुछ तो मुख्यमंत्री भी बन गए हैं। वे गेरुआ कपड़े पहनते हैं और नफरत फैला रहे हैं। मुंबई में संविधान बचाओ सम्मेलन में खरगे ने कहा कि अगर नेता हैं तो सफेद कपड़े पहनें। अगर आप संन्यासी हैं और गेरुआ कपड़े पहनते हैं तो राजनीति से बाहर निकलें। एक तरफ गेरुआ कपड़े पहनते हैं और दूसरी तरफ कहते हैं बटोगे तो कटोगे। वह लोगों के बीच नफरत फैला रहे हैं और बांटने की कोशिश कर रहे हैं। महाराष्ट्र और यूपी उपचुनाव को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ लगातार ये बयान दे रहे हैं कि बंटोगे तो कटोगे। इसे लेकर लगातार विपक्षी दल भाजपा और सीएम योगी पर हमला बोल रहे हैं। अब कांग्रेस अध्यक्ष ने भी इस पर जवाब दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनका क्या मतलब है? आप किसको काटेंगे? इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश को एकजुट रखने के लिए अपनी जान कुर्बान कर दी।

यह योगी जी का नारा है। मोदी जी कहते हैं कि एक हैं तो सुरक्षित हैं। मुझे नहीं पता कि कौन सा नारा काम करेगा, लेकिन आप उन लोगों में से हैं, जिन्होंने हमें आजादी दिलवाने वालों को मार डाला। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि महाराष्ट्र की प्रगति और विकास के लिए हमारे पास पांच स्तंभ हैं, जो कृषि और ग्रामीण विकास, उद्योग और रोजगार, शहरी विकास, पर्यावरण और लोक कल्याण पर आधारित हैं। घोषणा पत्र जारी करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बेरोजगार युवाओं को 4000 रुपये मासिक वजीफा दिया जाएगा। 25 लाख रुपये की हमारी स्वास्थ्य बीमा योजना राजस्थान में अशोक गहलोत द्वारा शुरू की गई थी और इसे महाराष्ट्र में भी लागू किया जाएगा। हम मुफ्त दवाइयां भी उपलब्ध कराने का वादा करते हैं। हमने जाति जनगणना करने का फैसला किया है और हम तमिलनाडु की तरह आरक्षण पर 50ह्न की सीमा को हटा देंगे।

खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप दल्ला कनाडा में गिरफ्तार

ओटावा, 10 नवंबर। खालिस्तानी आतंकवादी अर्शदीप सिंह गिल्ल उर्फ अर्शदीप दल्ला को कनाडा में गिरफ्तार किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि दल्ला को ओंटारियो प्रांत के मिल्टन शहर में 27-28 अक्तूबर को हुई गोलीबारी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया। हालांकि, इसको लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि उसे जेल से रिहा किया गया है या वह अभी भी हिरासत में है। अर्शदीप को हरदीप सिंह निज्जर का सहयोगी माना जाता है, जिसे पिछले साल ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों में मार गिराया था। कनाडा की हल्टन रीजनल पुलिस सर्विस (एचआरपीएस) ने पिछले मंगलवार को दो व्यक्तियों की गिरफ्तारी की जानकारी दी थी। इन दोनों पर हथियार से गोली चलाने का इरादा रखने का आरोप है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान का खुलासा नहीं किया है। लेकिन यह बताया कि दोनों जमानत पर सुनवाई होने तक हिरासत में रहेंगे। सूत्रों के मुताबिक, इन दो में से एक अर्शदीप दल्ला हो सकता है, जो खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) आतंकी संगठन से जुड़ा हुआ है। अर्शदीप आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर के लिए आतंकी गतिविधियों का संचालन करता था, जिसे पिछले साल जून में मारा गया था। अर्शदीप दल्ला पर पंजाब में लक्षित हत्याओं, आतंकवाद के लिए पैसा जुटाने और उगाही करने के आरोप हैं। भारत सरकार ने जनवरी 2023 में उसे आतंकवादी घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) की एक अधिसूचना के मुताबिक, अर्शदीप भारत में नशीली दवाओं और हथियारों की भारी मात्रा में तस्करी करने में शामिल था। एनआईए अर्शदीप के खिलाफ विभिन्न मामलों की जांच कर रही है। जिनमें लक्षित हत्याएं, आतंकवाद के लिए धन जुटाना, हत्या का प्रयास और पंजाब में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने जैसी गतिविधियां शामिल हैं।

अपराधियों और माफिया का प्रोडक्शन हाउस है सपा: मुख्यमंत्री योगी

तेजिन्दर कौर बब्बर

प्रयागराज, 10 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सपा का मतलब माफिया और अपराधियों का जमावड़ा। कृष्णानंद राय और राजू पाल की दिन दहाड़े हत्या हुई। माफिया अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी और खान मुबारक जैसे माफिया सपा से ही जुड़े थे। सीएम योगी रविवार को फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के हनुमानगंज में कोटवां स्थित तिलक इंटर कॉलेज में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि पहले जनता का पैसा सैफई घराने के पास पैसा चला जाता था। उनके कारिंदों के पास चला जाता था। यह पीडीए नहीं प्रोडक्शन हाउस है दंगाइयों का। यूपी का कोई माफिया ऐसा नहीं है जो सपा का शागिर्द न हो। माफिया अतीक और मुख्तार, खान मुबारक यह सभी सपा के प्रोडक्शन हाउस की उपज है। सपा मूल्यों के लिए स्थापित किया गया था। जिस मूल्यों के लिए सपा की स्थापना की गई थी, आज की सपा उससे भटक गई है। समाजवादी पार्टी माफिया और अपराधियों का जमावड़ा है। देख सपाई बिटिया घबराई। यही सपा का चरित्र है। अयोध्या और कन्नौज,

लखनऊ और हरदोई में बेटियों के साथ रेप किया गया। बेटियों के साथ अन्याय करोगे तो जहन्नुम में पहुंचाने का कार्य करूंगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जम्मू-कश्मीर ने 370 की वापसी के पीछे कांग्रेस और इंडी गठबंधन की क्या मजबूरी है। जम्मू कश्मीर की सरकार ने 370 की वापसी के लिए प्रस्ताव पास किया है। यह 370 आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए वापस किया जा रहा है। मोदी सरकार इसको कभी वापस नहीं होने देगी। पूरे देश में एक निशान और एक ही विधान रहेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूलपुर उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के लिए वोट मांगे। वह करीब तीन बजे प्रयागराज के फूलपुर विधानसभा क्षेत्र के हनुमानगंज कोटवां में स्थित तिलक इंटर कॉलेज पहुंचे। मंच पर भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल, सांसद प्रवीण पटेल, मंत्री राकेश सचान, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह, विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीके सिंह, एमएलसी सुरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद विनोद सोनकर, महापौर गणेश केसरवानी आदि मौजूद रहे। भाषण शुरू करने से पहले योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज की धरती को नमन किया। कहा कि यह क्षेत्र गंगा की आंचल में स्थित है। यहां पर भगवान प्रयागराज और मां गंगा की असीम कृपा है। यह क्षेत्र पावन और पूज्य है। यहां से हर व्यक्ति की आस्था जुड़ी है। यह वर्ष प्रयागराज के लिए अत्यंत विशेष है, क्योंकि 12 साल के बाद यहां पर महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है।

हैती में बदतर होते हालात, लगातार हिंसा जारी, आधी आबादी भुखमरी की शिकार : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र । संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि हैती में मानवीय संकट लगातार जारी हिंसा के कारण और भी बदतर होता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय के अनुसार, इस वर्ष जनवरी से सितंबर के बीच हैती में लगभग 4,900 लोग मारे गए। 7,00,000 से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं, जिनमें से आधे से अधिक बच्चे हैं। समाचार एजेंसी ने संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के हवाले से बताया कि हैती की राजधानी पोर्ट-ऑ-प्रिंस में हाल के हफ्तों में बिगड़ती हिंसा के कारण 12,000 लोग विस्थापित हुए हैं। कार्यालय ने कहा कि खाद्य असुरक्षा लगातार बढ़ रही है। लगभग 5.4 मिलियन लोग, (आधी आबादी), भुखमरी का शिकार हैं। 2022 के बाद पहली बार, कई क्षेत्रों में अकाल जैसी स्थिति देखी जा रही है जहां विस्थापित लोग रह रहे हैं। हैती के लिए यूएन रेजिडेंटऔर मानवीय समन्वयक उलरिका रिचर्डसन ने इस हफ्ते की शुरुआत में चेतावनी दी थी कि हैती में स्थिति बहुत गंभीर है, खासकर राजधानी में। वहां के कई इलाके पूरी तरह से गिरोहों के नियंत्रण में हैं जो क्रूर हिंसा करते हैं, महिलाओं का बलात्कार करते हैं और बच्चों को अपने ग्रुप में भर्ती करते हैं, और यह बेहद चिंताजनक है। प्रवक्ता ने कहा कि इन चुनौतियों के बावजूद, संयुक्त राष्ट्र और उसके साझेदारों की तरफ से देश में मानवीय सहायता पहुंचाना जारी है। वर्ष की पहली छमाही में, उन्होंने भोजन और नकदी सहित लगभग 1.9 मिलियन लोगों तक मानवीय सहायता पहुंचाई।

इजराइल ने अमेरिका में नए राजदूत की नियुक्ति की, ट्रंप की जीत के बाद पीएम नेतन्याहू का फैसला

यरूशलम । इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने येचिएल लेटर को संयुक्त राज्य अमेरिका में इजरायल का राजदूत नियुक्त किया है। नेतन्याहू के कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 65 वर्षीय लेटर ने इजरायल में सीनियर पब्लिक सर्विस पदों पर काम किया है, जिसमें शिक्षा मंत्रालय के उप महानिदेशक, वित्त मंत्रालय में चीफ-ऑफ-स्टाफ और इजरायल पोर्ट्स कंपनी के कार्यकारी अध्यक्ष शामिल हैं। बयान में कहा गया कि लेटर का जन्म संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था और वह अमेरिकी प्रशासन और समाज से गहराई से परिचित हैं,उन्हें एक अत्यधिक सक्षम राजनयिक÷ और एक वाक्पटु वक्ता कहा गया है, जो अमेरिकी संस्कृति और राजनीति की गहरी समझ रखते हैं। लीटर जनवरी 2025 में पदभार ग्रहण करेंगे। वे इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्ज़ोग के भाई माइकल हर्ज़ोग की जगह लेंगे, जिन्होंने तीन साल तक अमेरिका में इजरायल के राजदूत के रूप में काम किया है। लेटर की नियुक्ति की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के चंद दिनों बाद हुई। अमेरिका के आगामी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी जनवरी 2025 में पद संभालेंगे। ट्रंप की जीत पर नेतन्याहू ने एक्स पर पोस्ट किया था, ÷प्रिय डोनाल्ड और मेलानिया ट्रंप, इतिहास की सबसे बड़ी वापसी के लिए बधाई! व्हाइट हाउस में आपकी ऐतिहासिक वापसी अमेरिका के लिए एक नई शुरुआत है। यह इजरायल और अमेरिका के बीच महान गठबंधन के लिए एक शक्तिशाली प्रतिबद्धता का अवसर प्रदान करती है। यह एक बड़ी जीत है!

हिजबुल्लाह ने मध्य, उत्तरी इजरायल पर पांच रॉकेट दागे : सूत्र

यरूशलम। इजरायली सूत्रों ने दावा किया है कि हिजबुल्लाह ने शुक्रवार को मध्य और उत्तरी इजरायल की ओर लगभग पांच रॉकेट दागे, जिससे 53 इजरायली शहरों और समुदायों में हवाई हमले के सायरन बजने लगे। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि ज्यादातर रॉकेट को रोक दिया गया, हालांकि एक रॉकेट अपर गलीली में गिरा। सरकारी कान टीवी न्यूज ने बताया कि एक रॉकेट ने उत्तरी इजरायल के एकर शहर के उत्तर-पूर्व में एक अरब लोगों की बस्ती कफ़्र यासिफ में एक घर पर गिरा।इजरायली मैगन डेविड एडोम बचाव सेवा के अनुसार, फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, हिजबुल्लाह ने अब तक हमलों की पुष्टि नहीं की है।यह हमला बुधवार को पूरे उत्तरी और मध्य इजरायल में हिजबुल्लाह द्वारा लगभग 120 रॉकेट दागे जाने के दो दिन बाद हुआ। हिजबुल्लाह नेता शेख नईम कासिम ने पहले इजरायली सेना के खिलाफ जीत हासिल करने तक लड़ने की कसम खाई थी।पिछले साल 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास हमले के बाद इजरायली सेना ने हमास और हिजबुल्लाह के खिलाफ ऑपरेशन शुरू किया था। इस साल सितंबर के अंत से हिजबुल्लाह और हमास के बीच संघर्ष बढ़ गया है।

भारत को दुनिया की महान शक्तियों में शामिल करने का समय आया : पुतिन

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के तेज विकास की तारीफ की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि रूस के 'प्राकृतिक साझेदार और दशकों से सहयोगी' को दुनिया की 'महान शक्तियों' में शामिल किया जाए। पुतिन ने कहा, 'भारत को निश्चित रूप से महान शक्तियों में शामिल किया जाना चाहिए: डेढ़ अरब की आबादी, बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे ऊंची आर्थिक वृद्धि दर, एक प्राचीन संस्कृति, इत्यादि। और संभावनाएं, विकास की बहुत अच्छी संभावनाएं हैं।' रूसी राष्ट्रपति ने यह बात दक्षिणी रूसी शहर सोची में आयोजित वल्दाई इंटरनेशनल डिस्कशन क्लब की 21वीं वार्षिक बैठक के पूर्ण सत्र में कही।

हसीना की पार्टी की छात्र इकाई के कार्यकर्ताओं का ढाका में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के करीब तीन महीने बाद अवामी लीग की छात्र इकाई ने रविवार को राजधानी ढाका में विरोध प्रदर्शन करने की घोषणा की है। हालांकि, मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने विरोध प्रदर्शन करने के खिलाफ अवामी लीग को सख्त चेतावनी जारी की है।

यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने अवामी लीग को फासिस्ट पार्टी बताते हुए कहा कि इसे बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन की इजाजत नहीं दी जाएगी। उनका कहना है कि शेख हसीना के आदेश पर रैलियां निकालने वालों के खिलाफ कानूनी एजेंसियां कठोर कार्रवाई करेंगी। अंतरिम सरकार देश में किसी भी हिंसा या कानून-व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ने के प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी। उल्लेखनीय है कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने पिछले महीने पूर्व

प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग की छात्र इकाई स्टूडेंट लीग पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। दावा किया गया कि संगठन की गतिविधियां सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं। अंतरिम सरकार ने आवामी लीग को भी फासिस्ट बताते हुए उसपर प्रतिबंध लगाने की हिमायत की। सरकार के इस फैसले के खिलाफ आवामी लीग की छात्र इकाई ने आज ढाका में विरोध प्रदर्शन की घोषणा की है। गौरतलब है कि इसी साल जून में बांग्लादेश के सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में हुए कोटा सुधार आंदोलन के बाद बनाए गए सरकारी फैसले को पलटते हुए स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों के लिए 30 प्रतिशत कोटा दोबारा बहाल कर दिया। इससे आम छात्रों में इस कदर नाराजगी फैली कि उसने हिंसक रूप ले लिया। स्थिति इतनी बिगड़ गई कि 5 अगस्त को देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़ कर जाना पड़ा। उसके बाद से अवामी लीग के नेताओं व कार्यकर्ताओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। पार्टी के अधिकतर नेता या तो जेल में हैं या निर्वासन में। इस दौरान व्यापक पैमाने पर हिंदू सहित दूसरे अल्पसंख्यक आबादी के खिलाफ हिंसक घटनाएं हुईं। जिसकी पूरी दुनिया ने कड़ी भर्त्सना की।

व्हाइट हाउस में 13 नवंबर को बाइडेन और ट्रम्प की मुलाकात

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बुधवार को व्हाइट हाउस में नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मुलाकात करेंगे। व्हाइट हाउस की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक 13 नवंबर को सुबह 11 बजे बाइडेन और ट्रम्प ओवल ऑफिस में मुलाकात करेंगे। यह मुलाकात ऐसे समय में हो रही है जब ट्रम्प की व्हाइट हाउस में वापसी होने तारीख नजदीक आ रही है। अमेरिका में 5 नवंबर के राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में ऐतिहासिक वापसी की। इस चुनाव में ट्रम्प ने अपनी डेमोक्रेटिक प्रतिद्वंद्वी और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को हराया। इसके साथ ही वह अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति चुने गए।ट्रम्प की इस जबर्दस्त जीत के बाद राष्ट्रपति बाइडेन ने सत्ता के व्यवस्थित हस्तांतरण का वायदा करते हुए ट्रम्प को फोन कर उनकी चुनावी जीत पर बधाई दी थी।

पुलिस ने कंधार प्रांत में अवैध ड्रग्स के खिलाफ चलाया बड़ा अभियान, 7 गिरफ्तार

एजेंसी

कंधार । अफगानिस्तान के कंधार प्रांत में काउंटर नारकोटिक्स पुलिस ने पिछले सप्ताह हेरोइन और अफीम सहित अवैध ड्रग्स के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुल्ला असदुल्ला जमशेद ने जानकारी दी कि सात संदिग्ध ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

जमशेद ने बताया कि प्रांत के विभिन्न हिस्सों में चलाए गए अभियानों के दौरान अफीम, हशीश और हेरोइन उत्पादन में इस्तेमाल होने वाले उपकरण जब्त किए गए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस प्रांत में ड्रग्स के उत्पादन और तस्करी को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फजल रहीम मुस्किनयार के अनुसार, एक संबंधित मामले में,

परवान प्रांत में पुलिस ने हाल ही में ड्रग्स की तस्करी में शामिल होने के संदेह में दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। पिछले महीने पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान के परवान प्रांत से 33 किलोग्राम अवैध ड्रग्स के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया था। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रांत के सालंग जिले के बाहरी इलाके में पुलिस द्वारा की गई नियमित कार्रवाई के दौरान हशीश सहित प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई। प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता फजल रहीम मास्केन्यार ने बताया कि तस्करी के प्रयास के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया । उन्होंने बताया कि मामले को आगे की जांच के लिए न्यायपालिका को भेज दिया गया है। अफगान कार्यवाहक सरकार ने पूरे देश में अवैध ड्रग्स, ड्रग उत्पादन और तस्करी से लड़ने की कसम खाई है।

प्रधानमंत्री ओली का चीन दौरा महज औपचारिकता : सीपीएन-यूएमएल

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में सत्तारूढ़ सीपीएन (यूएमएल) ने बैठक कर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के प्रस्तावित चीन दौरे पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में खुद पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री ओली ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ चीन के अपने प्रस्तावित दौरे को लेकर विस्तृत चर्चा की। ओली का चीन दौरा दिसंबर के प्रथम सप्ताह में प्रस्तावित है। पार्टी प्रवक्ता प्रदीप ज्ञवाली ने बैठक के बाद पत्रकार वार्ता में कहा कि इस बार का प्रधानमंत्री ओली का चीन दौरा महज औपचारिकता ही है। इस दौरे में चीन के साथ हुए पुराने समझौते की समीक्षा की जाएगी। अब तक हुए पुराने समझौते के कार्यान्वयन पर भी बातचीत होगी। बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर से जुड़े सवाल पर ज्ञवाली ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने सिर्फ इतना ही कहा

कि इस बार का चीन दौरा सिर्फ औपचारिकता तक ही सीमित रहने वाला है। प्रधानमंत्री का यह दौरा सिर्फ तीन दिनों का होगा। इस दौरान ओली चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे और द्विपक्षीय बैठक के बाद वापस आ जाएंगे। प्रवक्ता ज्ञवाली ने कहा कि वर्ल्ड ऑर्डर बदल रहा है ऐसे में नेपाल अपनी विदेश नीति को लेकर बहुत ही सतर्क है। प्रधानमंत्री का पहला औपचारिक विदेश दौरा चीन होने का मतलब चीन के प्रति अधिक झुकाव नहीं है। ज्ञवाली ने दावा किया कि नेपाल अपने दोनों पड़ोसी देशों भारत और चीन के साथ संतुलित एवं समान रिश्ते रखने की नीति का पालन करता है।

जनकपुरधाम में विवाह पंचमी की तैयारी, बारात में श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारी होंगे शामिल

एजेंसी

काठमांडू। इस वर्ष 06 दिसंबर को होने वाले विवाह पंचमी महोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। जनकपुरधाम के जानकी मंदिर में होने वाले विवाह महोत्सव में अयोध्या से बारात लाने का निमंत्रण देने के लिए जल्द ही अयोध्या में प्रदेश के मुख्यमंत्री के स्वयं जाने की तैयारी है।

जनकपुरधाम के जानकी मंदिर परिसर में विवाह पंचमी की तैयारी को लेकर सर्वपक्षीय बैठक बुलाई गई। इस बैठक में मधेश प्रदेश सरकार, जानकी मंदिर के महंथ, जिला प्रशासन, स्थानीय सुरक्षा अधिकारी, उद्योग व्यापार संघ, विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संघ संस्थाओं के प्रतिनिधि की उपस्थिति रही। इस बैठक में विवाह पंचमी को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सभी के साथ समन्वय करने के लिए कई समितियों का गठन किया गया। जानकी मंदिर के महंथ राम तपेश्वर दास ने बताया कि इस बार विवाह

पंचमी में श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महासचिव राजेंद्र पंकज, ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारी सहित अयोध्या से करीब 500 की संख्या में बारात अयोध्या से जनकपुरधाम आने की सूचना मिली है। इसमें भारत के कई जाने माने संतों के आने की बात भी कही गई है। इनमें मनीराम छावनी के उत्तराधिकारी महंथ कमल नयन दास, ऋषिकेश के महंथ डा रामेश्वर दास, दिगम्बर अखाड़ा के महंथ प्रमुख हैं। बारात आने से पहले जनकपुरधाम से जानकी मंदिर के महंथ तिलक चढ़ाने के लिए अयोध्या जाने वाले हैं। महंथ राम तपेश्वर दास ने कहा कि 16 नवंबर को अयोध्या में तिलक चढ़ाया जाएगा। तिलक लेकर जानकी मंदिर के उत्तराधिकारी महंथ राम रोशन दास अयोध्या जाएंगे जिनके साथ विश्व हिंदू परिषद नेपाल से जुड़े दर्जनों संत भी सहभागी होने वाले हैं। इस पूरे विवाह पंचमी कार्यक्रम में नेपाल सरकार, मधेश प्रदेश सरकार, जनकपुरधाम उप महानगरपालिका संयुक्त रूप से आयोजक है जबकि विश्व हिंदू परिषद नेपाल पूरे कार्यक्रम का समन्वय कर रहा है। जनकपुर में आने वाले बारात को निमंत्रण देने के लिए मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजे जाने का निर्णय किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह ने कहा कि बारात को निमंत्रण देने जाना मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास से समन्वय कर एक दो दिनों में ही अयोध्या जाने की तारीख तय हो जाएगी। अयोध्या के कारसेवकपुरम से 26 नवंबर को सुबह 8 बजे बारात जनकपुर के लिए प्रस्थान करेगी। बारात आने वाले मार्ग, रात्रि विश्राम का समय एवं वहां होने वाले अन्य कार्यक्रम भी तय कर लिए गए हैं।

कंबोडिया ने मनाई आजादी की 71वीं वर्षगांठ, राजधानी में हुआ भव्य कार्यक्रम

नोम पेन्ह । कंबोडिया ने फ्रांसीसी औपनिवेशिक शासन से अपनी स्वतंत्रता की 71वीं वर्षगांठ मनाई। यह समारोह देश के राजा नोरोदम सिहामोनी के तत्वावधान में आयोजित किया गया। इसमें प्रधानमंत्री हुन मानेट, सीनेट के अध्यक्ष समदेच तेचो हुन सेन और नेशनल असेंबली के अध्यक्ष खुओन सुदरी ने भाग लिया। समाचार एजेंसी के अनुसार, राजधानी नोम पेन्ह में स्वतंत्रता स्मारक पर आयोजित एक घंटे के कार्यक्रम में हजारों प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें विदेशी राजनयिकों के प्रतिनिधि भी शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान, सिहामोनी ने देश की स्वतंत्रता के प्रतीक के रूप में स्वतंत्रता स्मारक के अंदर पुष्पांजलि अर्पित की और औपचारिक विजय अग्नि प्रज्वलित की। अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए गए एक संदेश में हुन सेन ने कहा कि 9 नवंबर लोगों को दिवंगत कंबोडियाई राजा फादर नोरोदम सिहानोक द्वारा शुरू किए गए एक महान मिशन की याद दिलाता है। यह मिशन फ्रांसीसी उपनिवेश से स्वतंत्रता हासिल करने के लिए था। सेन ने कहा, स्वतंत्रता के जनक राजा नोरोदम सिहानोक ने कंबोडिया को पूर्ण स्वतंत्रता दिलाने के लिए अपने शाही धर्मयुद्ध में शारीरिक और मानसिक दोनों तरह की ऊर्जा का बलिदान दिया था। उत्सव के अंत में, स्वतंत्रता और आजादी के प्रतीक के रूप में कबूतर और गुब्बारे छोड़े गए। फ्रांस ने 1863 में कंबोडिया को नियंत्रित करना शुरू कर दिया। लगभग 90 वर्षों तक उपनिवेश रहने के बाद, राजा नोरोदम सिहानोक ने 1949 में फ्रांस से स्वतंत्रता हासिल करने की मुहिम शुरू की। 1953 में, वह पूर्ण स्वतंत्रता हासिल करने में सफल रहे जब फ्रांस पूरे देश को उपनिवेश मुक्त करने के लिए सहमत हो गया।

अमेरिकी सांसद बनने वाले बुढाथोकी ने नेपाल के अपने पुराने दिनों को किया याद

एजेंसी

काठमांडू। सात साल की उम्र में मजबूर होकर भूटान छोड़ी और नेपाल आकर शरणार्थी शिविर में रह कर पढ़ाई-लिखाई की और पुनर्वास योजना के तहत अमेरिका गए। वहां पर लगातार भूटानी शरणार्थियों के हित में आवाज उठाई। अमेरिकी संसद में शरणार्थी संबंधी समिति के सलाहकार बनने के बाद खुद चुनाव जीत कर सांसद बनने वाले सूरज बुढाथोकी की नेपाल में काफी चर्चा है। करीब 9 साल पहले नेपाल के भूटानी शरणार्थी शिविर से अमेरिका गए सूरज बुढाथोकी हाल में अमेरिका में संपन्न हुए चुनाव में संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए न्यू हैंपशायर क्षेत्र से निर्वाचित हुए। न्यू हैंपशायर से डेमोक्रेटिक पार्टी से उम्मीदवार बने बुढाथोकी में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रिपब्लिकन पार्टी के कार्लोस गोंजालेज को सिर्फ 355 मतों के अंतर से हराया। अपनी जीत की खबर सुनते ही बुढाथोकी को नेपाल के शरणार्थी शिविर में बिताए 22 वर्षों की याद ताजा हो गई।बुढाथो की टेक्सास से फोन पर बातचीत में नेपाल के झापा जिले में रहे शरणार्थी शिविर में सात साल की छोटी उम्र से अमेरिका पहुंचने तक के संघर्ष के दिन याद कर भावुक हो गए। उन्होंने स्मरण किया कि अचानक ही भूटान से नेपाली भाषियों को खदेड़ने पर कैसे अचानक अपना घर, आंगन, रिश्तेदार सबको छोड़ कर वहां से जान बचाकर भागना पड़ा था।

बुढाथोकी ने बताया कि अपने माता-पिता के साथ लगातार दो दिनों तक पैदल चल कर वो पूर्वी नेपाल के झापा जिले में रहे शरणार्थी शिविर में पहुंचे थे। अपने बचपन को याद करते हुए आधा पेट खाना खा कर और मजदूरी करते हुए शिविर में अपना बाल्यकाल और किशोरावस्था को काटते हुए दसवीं की परीक्षा दी। वहीं पर नौकरी करते हुए उन्होंने ग्रेजुएशन भी किया और बाद में अमेरिकी सरकार के पुनर्वास योजना के तहत वो अमेरिका पहुंचे। बुढाथोकी न्यू हैम्पशायर से एक शरणार्थी कांग्रेस मानद प्रतिनिधि रहे। वह 2009 में एक पुनर्वास शरणार्थी के रूप में अमेरिका आए थे। सूरज एक छोटे व्यवसाय के मालिक हैं। इससे पहले उन्होंने न्यू हैम्पशायर में बिल्डिंग कम्युनिटी में अंतरिम कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया, जो पहले न्यू हैम्पशायर के भूटानी समुदाय थे। वह बीसीएनएच के संस्थापक सदस्य और समन्वित बाजार नेविगेशन और बीसीएनएच में न्यू अमेरिकन यूथ एंगेजमेंट प्रोजेक्ट पर भी कार्य कर चुके हैं। भूटान में उन्होंने मानवाधिकारों के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान में कार्यकारी निदेशक के रूप में काम किया।

सूरज को 2014 और 2016 में अमेरिकन काउंसिल ऑफ यंग पॉलिटिकल लीडर्स के लिए नामित किया गया था। सूरज ने नॉर्विच विश्वविद्यालय से अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर डिग्री हासिल की। फिलहाल वो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय से पीएचडी भी कर रहे हैं। सूरज बताते हैं कि वो लगातार निर्वासित भूटानी नागरिकों के अधिकारों की वकालत करते रहते हैं। इस बार डेमोक्रेटिक पार्टी के वे उम्मीदवार बनाए गए। उनके लोगों के सहयोग से चुनाव प्रचार में करीब पांच हजार डॉलर खर्च किए।

क्वेटा रेलवे स्टेशन ब्लास्ट, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 26

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा शहर में एक रेलवे स्टेशन पर हुए एक आत्मघाती विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है।

पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रांतीय स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता वसीम बेग ने कहा कि विस्फोट में दो लोगों की मौत हो जाने के बाद मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई, जबकि 62 अन्य घायल हो गए।क्वेटा डिवीजन कमिश्नर हमजा शफकत ने कहा कि यह विस्फोट मुख्य रूप से कानून प्रवर्तन एजेंसियों पर एक आत्मघाती हमला था, जबकि नागरिकों को भी निशाना बनाया गया। शफकत ने कहा कि इलाके में लोगों के इकट्ठा होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जबकि बस स्टेशनों को हाई अलर्ट पर रखा

गया है। उन्होंने कहा कि रेलवे से स्टेशन बंद करने और ट्रेन सेवाओं को निलंबित करने का अनुरोध किया गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विस्फोट की कड़ी निंदा की और मृतकों तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की काम ना की। प्रधानमंत्री ने बलूचिस्तान सरकार से घटना की जांच रिपोर्ट भी मांगी है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

कतर ने हमास को देश बाहर निकल जाने का थमाया नोटिस, वाशिंगटन के अनुरोध पर दोहा ने उठाया कदम

एजेंसी

वाशिंगटन । अमेरिका के अनुरोध पर कतर हमास को अपने देश से बाहर निकालने पर सहमति हो गया है। इजरायल-हमास युद्ध को रोकने की कोशिशों के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कतरी समकक्षों को लगभग दो सप्ताह पहले सूचित किया कि उन्हें अपनी राजधानी में हमास को शरण देना बंद करना चाहिए; कतर ने सहमति व्यक्त की और लगभग एक सप्ताह पहले हमास को नोटिस थमा दिया। सीएनएन के अनुसार अमेरिका और कतर के सूत्रों ने बताया कि फिलिस्तीनी ग्रुप को इजरायल-हमास युद्ध में सीजफायर और बंधकों की रिहाई के समझौते के लिए मनाने की कई नाकाम कोशिशों के बाद यह कदम उठाया गया। एक वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी ने बताया, हमास एक आतंकवादी समूह है जिसने अमेरिकियों को मारा है और कई को बंधक बनाकर रखा है। बंधकों को रिहा करने के प्रस्तावों को बार-बार खारिज करने के बाद, इसके नेताओं का अब किसी भी अमेरिकी साझेदार की राजधानियों में स्वागत नहीं किया जाना चाहिए। हालांकि हमास ने कतर की ओर से फिलिस्तीनी ग्रुप के अधिकारियों को दोहा से निष्कासित करने पर सहमति

जताने की खबरों को निराधार और दबाव की रणनीति बताया।हमास ने कहा कि इस तरह के दावे पहले भी मीडिया में बिना किसी सबूत के किए जाते रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक हमास के अधिकारी ने कहा, इजरायली मीडिया में दावा किया गया कि कतर ने अमेरिका के अनुरोध के बाद दोहा से हमास को बाहर निकालने पर सहमति जताई है। हालांकि इसका कोई आधार नहीं है और यह केवल दबाव बनाने की रणनीति है। इसे बिना किसी सबूत के दोहराया गया है। अमेरिकी अधिकारी कतर से कहते रहे हैं कि वह हमास के साथ समझौते की चर्चा में निष्कासन की धमकी का लाभ उठाए। हाल ही में अमेरिकी-इजरायली बंधक हर्श गोल्डबर्ग-पोलिन की मौत और हमास द्वारा एक और युद्धविराम प्रस्ताव को अस्वीकार करने के बाद कतर फिलिस्तीनी ग्रुप को बाहर निकालने पर राजी हुआ। पिछले एक साल से इजरायल-हमास युद्ध में सीजफायर करवाने के लिए कतर एक प्रमुख खिलाड़ी रहा है। इसका एक बड़ा कारण यह भी है कि फिलिस्तीनी ग्रुप के सीनियर मेंबर्स दोहा में रहते हैं। इसी वजह से कतर की राजधानी में प्रमुख वार्ताएं हुई हैं। हमास के कार्यकर्ताओं को कतर से कब निर्वासित किया जाएगा और वे कहां जाएंगे - यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि एक अमेरिकी अधिकारी ने दावा किया कि समूह को देश छोड़ने के लिए अधिक समय नहीं दिया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी गर्मियों में कतर से कहा कि वह हमास को चेतावनी दे कि अगर ग्रुप गाजा में युद्ध रोकने के लिए सहमत नहीं होता है, तो उन्हें दोहा से बाहर निकाला जा सकता है।

शिवलुच ज्वालामुखी हुआ 'खतरनाक', एक दिन में 3 विस्फोट

व्लादिवोस्तोक । रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर शिवलुच ज्वालामुखी पिछले 24 घंटों में तीन बार फटा है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि वैज्ञानिकों का कहना है कि ज्वालामुखी पहले से ज्यादा खतरनाक हो गया है। तीन में से एक विस्फोट बहुत तीव्र था, जिससे 11 किलोमीटर की ऊंचाई तक राख का गुबार उठा। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ज्वालामुखी विज्ञान संस्थान के अनुसार, लावा ज्वालामुखी की ढलान से लगभग 11 किलोमीटर नीचे तक फैल गया। रूसी जियोफिजिकल सर्विस की कामचटका शाखा ने कहा, 'शिवेलुच के विस्फोटों से पहले आमतौर पर भूकंपीय संकेत मिलते हैं, लेकिन हाल ही में हुए बड़े विस्फोट और एक नए विस्फोटक केंद्र के निर्माण से ज्वालामुखी के व्यवहार में बदलाव का संकेत मिलता है।' इसने चेतावनी दी कि विस्फोट शिवलुच के लिए 'सामान्य नहीं' थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बस मार्शलों की बहाली पर खुशी जाहिर की

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने मुख्यमंत्री आतिशी की ओर से बस मार्शलों को दोबारा नौकरी पर रखे जाने पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि बस मार्शलों के लिए आज का दिन बहुत ही खास है । वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि अक्टूबर 2023 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा बर्खास्त किये गये बस मार्शलों के जीवन मे आज रोशनी की किरण आई है। दिल्ली भाजपा के दबाव में मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को 11 नवम्बर से वापस ड्यूटी पर लगाने का आदेश करना पड़ा है। सचदेवा ने बताया कि उपराज्यपाल के वॉलंटियर्स को एक नवम्बर से ड्यूटी पर लगाने के आदेश के बावजूद मुख्यमंत्री ने सिविल डिफेंस वालों को आज तक बेरोजगार रखा। सच तो यह है कि अरविंद केजरीवाल और आतिशी इनको काम देना ही नहीं चाहते। उन्होंने मांग की कि बेशक दिल्ली सरकार सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स को 11 नवम्बर से ड्यूटी देगी लेकिन इन्हें उपराज्यपाल के आदेश के अनुरूप एक नवम्बर से वेतन दे । उल्लेखनीय है कि उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली की मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि पिछले साल नौकरी से हटाए गए बस मार्शलों को एक नवंबर से बहाल किया जाए।

कानूनी साक्षरता व्यक्ति को सही और कर्तव्यपरायण बनने में बनाती है सक्षमः डॉ झा

नई दिल्ली। कानूनी साक्षरता व्यक्ति को सही और कर्तव्यनिष्ठ बनने में सक्षम बनाती है, जिससे उन्हें सामाजिक गतिविधियों और लोकतांत्रिक संस्थाओं में ज्यादा आत्मविश्वास और भागीदारी के साथ एक सभ्य, गरिमापूर्ण और सार्वजनिक जीवन जीने की संभावना के अवसर मिलते हैं। लेखक डॉ. बीरबल झा ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल?ली के लक्ष्मी नगर में स्थित अंग्रेजी संचार कौशल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संस्थान ब्रिटिश लिंगुआ में 'प्रत्येक व्यक्ति के लिए कानूनी साक्षरता की आवश्यकता' पर आयोजित एक सेमिनार को संबोधित करते हुए यह बात कही। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। कानूनी साक्षरता के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर देते हुए डॉ. झा ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए कानूनी साक्षरता की आवश्यकता पर बहस या तर्क नहीं किया जा सकता है, लेकिन इसे एक मिशन के साथ बढ़ावा दिया जाना चाहिए और फैलाया जाना चाहिए। इसे व्यक्तिगत सशक्तिकरण और लोकतांत्रिक मूल्यों की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण बताते हुए उन्होंने कहा कि कानूनी साक्षरता शोषण और वंचना को रोकते हुए व्यक्तियों के अधिकारों और लाभों की रक्षा करती है। यह स्वस्थ लोकतंत्र सुनिश्चित करने और न्याय तक पहुँच प्रदान करने में भी मदद कर सकता है।

वेलकम व ज्योति नगर गोलीकांड में तीन नाबालिग को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी जिले में बीती तीन नाबालिगों ने ताबड़तोड़ गोलीबारी कर जमकर आतंक मचाया। आरोपितों ने जिले के वेलकम व ज्योति नगर इलाके में करीब 10 राउंड गोलीबारी की, जिसमें गोली लगने से 24 वर्षीय एक युवक नदीम उर्फ बॉबी की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति शाहनवाज घायल हो गया। हालांकि वारदात के बाद पुलिस ने मुस्तैदी दिखाई और वारदात के कुछ ही घंटों के भीतर तीनों नाबालिगों को जिले की एएटीएस टीम ने दबोच लिया। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी राकेश पावरिया ने बताया कि टीम ने आरोपितों के पास से दो पिस्टल, तमंचा, छह कारतूस, वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, लूटी हुई स्कूटी व कारतूस के नौ खोखे बरामद किए हैं। पुलिस पकड़े गये नाबालिग आरोपितों से पूछताछ कर पूरे मामले की छानबीन कर रही है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि उनमें से दो आरोपितों ने नदीम से ब्याज पर कुछ रुपये उधार ले रखे थे और वे रुपये उसने नदीम को ब्याज के साथ वापस भी कर दिए थे। इसके बावजूद नदीम रुपये के लिए अब भी उन्हें परेशान करता रहता था और उधार चुकाने के बाद अतिरिक्त ब्याज मांग रहा था। इससे छुटकारा पाने के लिए आरोपितों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी।

मकान में सिलेंडर हुआ ब्लास्ट, गर्भवती महिला की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में एक मकान में सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में आठ माह की गर्भवती महिला की मौत हो गई। जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतका की पहचान 24 वर्षीय रजनी के रूप में हुई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए शव गृह में सुरक्षित रखवा दिया है। सिलेंडर फटने के दौरान दो मंजिला मकान का आधा हिस्सा गिर। पुलिस के अनुसार शनिवार दोपहर सवा तीन बजे के करीब मकान के ग्राउंड फ्लोर पर सुमित की पत्नी रजनी और उनकी ननद 20 वर्षीय रेणू घर में मौजूद थी। परिवार के अन्य सदस्य घर से बाहर थे। इस दौरान जोरदार धमाका हुआ।

राहुल की बिजनेस विरोधी छवि बदलने की कोशिश में जुटी कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी और स्वयं राहुल गांधी उनकी बिजनेस विरोधी छवि को बदलने का प्रयास कर रहे हैं। पार्टी नेताओं का मानना है कि लगातार अडानी और अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों पर निशाना साधने के चलते उनकी छवि बिजनेस विरोधी बन रही है। इसी क्रम में कल राहुल के लेख के बाद आज पार्टी नेता राहुल की सोच को स्पष्ट कर रहे हैं। स्वयं राहुल गांधी ने कहा है कि वे बिजनेस विरोधी नहीं है बल्कि बिजनेस की दुनिया में एकाधिकार के विरोधी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज एक एक्स पोस्ट में कहा, मैं नौकरियों का समर्थक हूं, व्यवसाय का समर्थक हूं, नवप्रवर्तन का समर्थक हूं, प्रतिस्पर्धा का समर्थक हूं। मैं एकाधिकार विरोधी हूं। राहुल का कहना है कि वे दो या पांच उद्योगपतियों की बाजार में पैठ के विरोधी हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इसमें उनका साथ दे रही है। अधिकांश भारतीय व्यवसायों में समान अवसर का अभाव है। मेरा मानना है कि व्यवसायों का समर्थन करना और उनके लिए समान अवसर उपलब्ध कराना मेरा कर्तव्य है, जिससे नौकरी देने वालों को सशक्त बनाया जा सके। कल राहुल गांधी ने इंडियन एक्सप्रेस और दैनिक जागरण अखबार में लेख लिखकर अपनी बिजनेस विरोधी छवि को बदलने का प्रयास किया था। राहुल गांधी ने एक वीडियो वक्तव्य में कहा था कि भाजपा और उनके विरोधी उनकी बिजनेस विरोधी छवि बना रहे हैं जबकि ऐसा नहीं है वे असल में एकाधिकार के विरोधी हैं।

प्रदूषण पर सीएक्यूएम ने जताई चिंता, एजेंसियों को ग्रैप की पाबंदियों को सख्ती से लागू करने के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए सभी एजेंसियों को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) की पाबंदियों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में सीएक्यूएम ने लंबित मामलों पर नाराजगी जताते हुए उल्लंघन के प्रत्येक मामले को तत्काल निपटाने और त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिए गए। पर्यावरण मंत्रालय ने बताया कि आयोग ने शिकायतों से निपटाने में अधिक सक्रिय दृष्टिकोण की आवश्यकता को रेखांकित किया, क्योंकि मुद्दों को हल करने में देरी भी वायु गुणवत्ता प्रबंधन उपायों के प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा डालती है। बैठक में दिल्ली के मुख्य सचिव, पर्यावरण, परिवहन, दिल्ली नगर निगम, यातायात पुलिस, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और डीएसआईआईडीसी सहित दिल्ली सरकार के प्रमुख विभागों और एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा सीपीडब्ल्यूडी, एनडीएमसी,

एनएचएआई, डीएमआरसी, डीडीए, एनसीआरटीसी और एनबीसीसी जैसे अन्य संगठनों के अधिकारी भी मौजूद थे। आयोग ने स्पष्ट रूप से कहा कि एजेंसियों को लंबित मामलों को हल करने और अनसुलझे शिकायतों के आगे संचय को रोकने के लिए तत्काल और निर्णायक कार्रवाई की जानी चाहिए। आयोग ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए कहा कि ग्रैप की पाबंदियों के क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने और वायु प्रदूषण नियंत्रण के व्यापक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समय पर समाधान महत्वपूर्ण है। बैठक में सड़कों, बाजारों, सार्वजनिक स्थानों आदि पर निजी वाहनों की अनधिकृत एवं बेतरतीब पार्किंग से बचाव के उपायों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे वाहनों की भीड़ और प्रदूषण नियंत्रण (पीयूसी) प्रमाणपत्र व्यवस्था के उल्लंघन सहित उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। बैठक के दौरान यह दृढ़ता से दोहराया गया कि सभी संबंधित विभागों, प्राधिकरणों और एजेंसियों को आयोग द्वारा जारी निर्देशों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता है।

उल्लेखनीय है कि राजधानी दिल्ली में ग्रैप की पहले और दूसरे चरण की पाबंदियां लागू हैं। ग्रैप के स्टेज 1 की पाबंदियों में 500 वर्गमीटर से अधिक प्लॉट आकार वाले सी एंड डी प्रोजेक्ट पर प्रतिबंध, बायोमास और नगरीय ठोस अपशिष्ट को खुले में जलाने पर प्रतिबंध, ढाबों और रेस्टोरेंट आदि में तंदूर में कोयला, जलावन लकड़ी पर प्रतिबंध, प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को जब्त करना शामिल है। ग्रैप के चरण दो की पाबंदियों में डीजल से चलने वाले जेनरेटरों पर प्रतिबंध है। इसके साथ सड़कों की सफाई में नियमों का पालन कराया जाए । इसमें सड़कों की मशीनीकृत सफाई, पानी का छिड़काव और धूल से राहत के उपायों के लिए एंटी-स्मॉग गन का उपयोग तेज करना शामिल है।

दिल्ली में अब जीपीएस के जरिये होगी पानी के टैंकरों और सीवर सफाई मशीनों की मॉनिटरिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में टैंकरों द्वारा जल आपूर्ति और सीवरों की सफाई को प्रभावी और पारदर्शी बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। इसके तहत अब दिल्ली सरकार दिल्ली जल बोर्ड के जीपीएस मॉनिटरिंग पोर्टल को लाइव करेगी। मुख्यमंत्री आतिशी ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि इस पोर्टल के जरिए पानी के टैंकरों और सीवर सफाई मशीनों (एससीएम) को जीपीएस के जरिए ट्रैक किया जाएगा। पोर्टल पर रियल टाइम मॉनिटरिंग के साथ अधिकारी सुनिश्चित कर सकेंगे कि पानी के टैंकर निश्चित समय और स्थान पर आपूर्ति के लिए पहुंच सके और साथ ही सीवर सफाई मशीनों की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकेगी। निगरानी के जरिये किसी भी प्रकार की खामियों को दूर करते हुए लोगों को समय पर सेवाएं दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार शहर में लोगों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में पानी के टैंकरों और सीवर सफाई मशीनों की निगरानी के लिए जीपीएस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल एक महत्वपूर्ण कदम है।

इससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि सभी पानी के टैंकर और सीवर सफाई मशीनें अपने निर्धारित मार्गों पर रहें और समय पर आवश्यक सेवाएं प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जीपीएस मॉनिटरिंग पोर्टल का लाइव होना इस दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। इससे न केवल सर्विसेज की निगरानी करना आसान होगा बल्कि किसी भी प्रकार की अनियमितता को दूर किया जा सकेगा।

नौसेना की 'क्विज थिंक' का विजेता बना जयपुर का जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल

एजेंसी

नई दिल्ली। युवाओं की? बौद्धिक क्षमता परखने के लिए भारतीय नौसेना की 'क्विज थिंक'? का शानदार सफर केरल के एझिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी के सुरम्य नालंदा ब्लॉक में? ग्रैंड फिनाले? के साथ खत्म हो गया। जयपुर का जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल इस प्रतिष्ठित थिंक ट्रॉफी के लिए हुई कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद विजेता बना, जबकि चेन्नई का बीवी भवन विद्याश्रम उपविजेता रहा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने विजेताओं, प्रतिभागियों को सम्मानित किया। नौसेना ने भारत की उन्नति और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण का उत्सव मनाते हुए 'क्विज थिंक' का सफ़र दो माह पूर्व शुरू किया था, जिसके लिए देश भर से 07 सितंबर तक पंजीकरण किये गए थे। यह एक मानसिक परीक्षा थी, क्योंकि इसमें भाग लेने वाली टीमों ने प्रश्नोत्तरी के एक रोमांचक सफर को तय किया, जिसने दर्शकों को लगातार बांधे रखा। फाइनल राउंड के लिए आठ टीमों ने क्वालीफाई किया, जिनमें डॉ. वीरेंद्र स्वरूप एजुकेशन सेंटर, अवधपुरी (उत्तर प्रदेश), एक्सेल पब्लिक स्कूल, मैसूर (कर्नाटक), मुश्तिफंड आर्यन, हायर सेकेंडरी स्कूल (गोवा), सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, गोयल कैंपस, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), दिल्ली पब्लिक स्कूल, ग्रेटर नोएडा (उत्तर प्रदेश), कैम्ब्रिज कोर्ट हाई स्कूल (राजस्थान), जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल (राजस्थान) और बीवी भवन राजली विद्याश्रम, चेन्नई (तमिलनाडु) थीं। एझिमाला स्थित भारतीय नौसेना अकादमी में 08 नवंबर को इस प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले हुआ। स्कूली बच्चे, नौसेना कर्मी व उनके परिवार, पूर्व सैनिक, विशिष्ट अतिथि और भारतीय नौसेना अकादमी के प्रशिक्षु इस रोमांचक आयोजन का हिस्सा बने। जयपुर का जयश्री पेरीवाल हाई स्कूल इस प्रतिष्ठित 'थिंक ट्रॉफी' के लिए हुई कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद विजेता बना, जबकि चेन्नई का बीवी भवन विद्याश्रम उपविजेता रहा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी और नौसेना कल्याण एवं आरोग्य संघ (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्ष शशि त्रिपाठी ने विजेताओं, प्रतिभागियों तथा इस आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले विद्यालयों को सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री भगवंत मान धान की खरीद में कर रहे हैं राजनीति : तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर धान की खरीद पर राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मान सरकार अपनी विफलताओं से ध्यान भटकाने के लिए धान खरीद का राजनीतिकरण कर रही है। मीडिया से बातचीत में चुघ ने कहा कि भगवंत मान सरकार अपनी कमियों को छुपाने के लिए धान खरीद को एक राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल कर रही है। केवल भाजपा ही वास्तव में पंजाब के लोगों की उम्मीदों को पूरा कर सकती है, जबकि आम आदमी पार्टी लगातार राजनीतिक चालबाज़ी में लगी हुई है।चुघ ने कहा कि केंद्र सरकार ने पंजाब को 41,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया, बावजूद इसके मुख्यमंत्री भगवंत मान ने धान

खरीद में देरी की है, जिससे किसानों के लिए अनावश्यक कठिनाई पैदा हो रही है। आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब के कृषक समुदाय की भावनाओं की अनदेखी कर रही है। चुघ ने टिप्पणी की कि 1995 में कांग्रेस द्वारा 40 मंत्रियों को तैनात करने के बावजूद लोगों ने सरदार मनप्रीत सिंह बादल को चुना। आज फिर से निर्णायक नेतृत्व की आवश्यकता है।

ईडी ने ठग किरण पटेल के खिलाफ दर्ज की शिकायत, 27 नवंबर को पेशी का नोटिस जारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के प्रावधानों के तहत एक विशेष अदालत में गुजरात के कथित ठग किरण पटेल के खिलाफ अभियोजन शिकायत दर्ज की है। न्यायालय ने पीसी का संज्ञान लेते हुए पेश होने का नोटिस जारी किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने जारी एक बयान में कहा कि ईडी ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत 28 अक्टूबर, 2024 को विशेष न्यायालय (पीएमएलए), श्रीनगर के समक्ष किरण पटेल पुत्र जगदीश भाई पटेल निवासी अहमदाबाद, गुजरात के खिलाफ अभियोजन शिकायत (पीसी) दायर की है। एजेंसी के मुताबिक अदालत ने अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए आरोपित को 27 नवंबर को पेश होने का नोटिस जारी किया है।

महाविकास आघाड़ी का मतलब वोट के लिए झूठ : स्मृति ईरानी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मुंबई में कहा कि महाविकास आघाड़ी का मतलब ही वोट के लिए, सत्ता मिलने पर लूट है। स्मृति ईरानी ने कहा कि इन लोगों का लक्ष्य देश और जनता का बटवारा है। जबकि भाजपा नीत एनडीए गठबंधन विकास के लिए काम कर रहा है। स्मृति ईरानी ने महाराष्ट्र के विकास के लिए एनडीए गठबंधन के उम्मीदवारों को जीताने की अपील की।

स्मृति ईरानी मुंबई में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि पिछले ढाई साल में केंद्र में मोदी सरकार और राज्य में महागठबंधन सरकार के कारण महाराष्ट्र विकास की नई ऊंचाई पर पहुंचा है। भारतीय जनता पार्टी का लक्ष्य समाज के सभी वर्गों का विकास और महिलाओं का सम्मान है। उसी के अनुरूप विकास कार्य तेजी से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान दूसरे राज्यों से कांग्रेस नेता महाराष्ट्र में झूठ फैलाने आए हैं। कर्नाटक में दिवालियापन की मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह साबित हो गया है कि चुनाव के दौरान कांग्रेस

द्वारा किए गए झूठे वादों से राज्य का खजाना डूब गया है। राज्य के खजाने से लगभग दस हजार करोड़ की धनराशि अपने राजनीतिक फायदे के लिए अन्यत्र भेज दी गई है। राजस्थान में जनता को लुभाने के लिए कांग्रेस ने बेरोजगारों को भत्ता देने का ऐलान किया था, लेकिन वहां बेरोजगारों को न तो रोजगार मिला और न ही भत्ता। इसलिए पिछले विधानसभा चुनाव में युवाओं का जोश और जनता का गुस्सा देखने को मिला और भाजपा को दोबारा जनता की सेवा करने का मौका। हरियाणा चुनाव में वहां की जनता ने अच्छा जवाब दिया है। महाराष्ट्र में कांग्रेस के लिए प्रचार करने आए लोगों ने हिमाचल की जनता से बिजली बिल कम करने का वादा किया था। वास्तविकता में, बिल वहाँ बढ़ गए हैं। उन्होंने हर महिला को 1500 रुपये प्रति माह देने का भी वादा किया था, लेकिन असल में उन्होंने 96 फीसदी महिलाओं को इससे वंचित रखा। स्मृति ईरानी ने कहा कि मोदी सरकार ने सभी के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं और समावेशी एवं व्यापक विकास के लिए ईमानदार प्रयास किये हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाता उन विरोधियों को उनकी जगह दिखाएंगे जो जातियों को बांटते हैं और जिनकी नीति सिर्फ वोट चाहने की है, विकास की नहीं।

योग शिक्षकों ने स्थाई नियुक्ति की मांग को लेकर किया जंतर मंतर पर प्रदर्शन

एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर के राजकीय विद्यालयों में स्थाई नियुक्ति की मांग को लेकर विभिन्न राज्यों के योग शिक्षकों ने राष्ट्रीय योग शिक्षक महासंघ के बैनर तले यहां जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। इनका कहना है कि विगत कई वर्षों से स्थाई नियुक्ति का सरकार द्वारा आश्वासन मिलने के बावजूद आज तक नियुक्तियों का शासनादेश जारी नहीं हुआ है। इससे निराश होकर देश भर से योग शिक्षकों ने आज दिल्ली के जंतर मंतर पर यह प्रदर्शन किया है। राष्ट्रीय योग शिक्षक महासंघ के मीडिया प्रभारी शिव शंकर नौटियाल ने बताया कि योग शिक्षकों की मांगें सरकार पूरा नहीं कर रही है, इसलिए उन्होंने शिक्षामंत्री को फिर पत्र लिखकर अपनी मांगें रखी हैं।

योग शिक्षकों की प्रमुख मांगें:

प्राथमिक विद्यालयों से लेकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों तक योग को मुख्य विषय के रूप में सम्मिलित कर योग शिक्षकों के नए पदों का सृजन किया जाए और योग शिक्षकों की नियुक्ति की जाए। राष्ट्रीय आयुष मिशन एवं राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत हेल्थ एवं वेलनेस केन्द्रों में या आरोग्य मंदिरों में सेवाएं दे रहे योग प्रशिक्षकों के मानदेय में वृद्धि करते

हुए पदों का स्थाईकरण किया जाए। सभी सरकारी एवं गैर सरकारी अस्पतालों में योग थेरेपिस्ट के पदों का सृजन किया जाए। सभी डिफेंस सेक्टर में योग थेरेपिस्ट और योग शिक्षकों के पदों का सृजन किया जाए। देश में स्वतंत्र योग आयोग का गठन किया जाए। योग में नियुक्ति के लिए अधिकतम आयु सीमा 42 वर्ष के स्थान पर 45 वर्ष की जाए।

NAME CHANGE
I, Sajjad Khan S/o Shamim Khan alias Md Shamim Khan R/o Village and ,Post NainaGhat, ward No. 18 ,District Darbhanga ,Bihar 847239 Inform that in my educational certificates from CBSE Delhi the name of my father has been wrongly mentioned as Md Shamim Khan whereas his true and correct name is Shamim Khan which may be amended accordingly

NAME CHANGE
I Nandita Malhotra W/o Abhishek Singh R/o Apt No. 3258, Hamilton Court DLF Ph - 4 Galleria DLF-4 Gurgaon Haryana have changed my name to Nandita Singh for all future purposes.

NAME CHANGE
I, PARVEEN DAHIYA S/o SURAJ BHAN residing at SE-6, Singhalpur Ext., Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed the name of my minor Daughter AVNI aged 9 years and She shall hereafter be known as AVNI DAHIYA.

NAME CHANGE
I, No-4591513F Rank- SEP Name- THAKOR DAYARAMBHAI BAJUBHAI Father of SHRUTIBEN THAKOR residing at AT-VASARDA, TA-WAV, DIST-BANASKANTHA, GUJARAT-385575 have changed my minor daughter's name from SHRUTIBEN THAKOR to THAKOR SRUSHTIBEN DAYARAMBHAI for all future purposes vide Affidavit dated 09/11/2024 before Notary public Delhi.

NAME CHANGE
I, SARVESH DEVI Wife of No. 15445821F Rank SEP Name-MANOJ KUMAR Presently residing at VILL-NAGALA DHYAN (KURSHANDA), SADABAD (DEHAT), HATHRAS, UTTAR PRADESH-281306 have changed my name from SARVESH DEVI to KUMARI SARVESH for all future purposes vide Affidavit dated 09/11/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, Ranveer Singh father of army no - 15716833M NK Satyavir singh R/o Vill-Basaiya raymal, po-Jaingara,Teh-Kirawali,Agra ,UP have changed my name from Ranveer Singh to Ranavir Singh and Date of birth from 18/04/1965 to 01/01/1969 vide affidavit dt 11 Nov 2024.

NAME CHANGE
I, Parbinder W/O Surjit Singh R/O C-3/96 Aya Nagar delhi-110047, have changed my name to Parvinder Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as INDU BALA W/o DEEPAK WALIA D/o RAM ASHREY residing at H-1/106-107, Ground Floor, Sector - 16, Rohini, North West Delhi, Delhi - 110089 have changed my name and shall hereafter be known as INDU BALA WALIA.

NAME CHANGE
I Masoom Ali S/o Shaukat Ali R/o 1999 - B, Kotla Mubarak Pur, Lodhi Road, New Delhi-110003 That I have Embraced HINDUISM and Renounced ISLAM w.e.f.26-10-2024 and also changed my name from MASOOM ALI to MASOOM KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE
I RAJNISH VERMA S/O VIJAY KUMAR VERMA R/O C-904 AIG PARK AVENUE GC-02 GH-1 GAUR CITY-1, GREATER NOIDA WEST, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 HAVE CHANGE MY NAME TO RAJNISH KUMAR VERMA FOR ALL PURPOSE.

NAME CHANGE
I, ANUP MUKHERJEE S/O S K MUKHERJEE residing at HOUSE NO-1047/10,1ST FLOOR GOVINDPURI have changed my name to ANUP KUMAR MUKHERJEE for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती चंद्रवती पत्नी स्वर्गीय श्री रमेश , निवासी B- 373, भरत विहार जे जे कॉलोनी, ककरौला , डिस्ट्रिक्ट साउथ वेस्ट दिल्ली, 110078, ने अपने पुत्र विनोद कुमार के गलत संगत में पड़ने वे अनैतिक , अवांछनीय, असामाजिक कार्यों के कारण दोनो पति पत्नी मेरा बेटा विनोद कुमार वे उसकी पत्नी रीतू के कलेश के कारण उनसे संबंध विच्छेद करती हूं। साथ ही उन्हें अपनी सभी चल एवं अचल संपत्ति से बेदखल करती हूं और उससे सभी प्रकार के सम्बन्ध विच्छेद कर लिए हैं भविष्य में अपने किसी भी कृत्य के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। कोई भी व्यक्ति कथित विनोद कुमार वे रीतू से किसी भी प्रकार का लेन-देन करता है व कोई भी कार्य करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा।
Ashish Chopra Advocate
Chamber-342, Dwarka District Court, Sector 10 Dwarka, New Delhi-110075
Mob:7011855374

NAME CHANGE
I, Salim Khan S/o Akbar R/o H.No.E-373, Gali No.5, West Vinod Nagar, Delhi-110092 have changed my name to Salim.

NAME CHANGE
I, ARCHANA Wife of No. 15349370P Rank HAV Name RAHUL DIWIVEDI Presently residing at VILL-PHOOP, ATER ROAD WARD NO-9, DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477555 have changed my name from ARCHANA to ARCHANA DWIVEDI for all future purposes vide Affidavit dated 09/11/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, ROSHAN DEVI W/O CHUNNI BHAGAT R/o 679, Main Kanjhawala Road, Kanjhawala, North West Delhi, Delhi-110081, declare that name of mine has been wrongly written as ROSHAN BHARTI in my minor daughter's namely MANSHU KUMARI aged 17 years in her CBSE 10th class Educational Documents. The actual name of mine is ROSHAN DEVI, which may be amended accordingly.

Name Correction
I, No. 10316532A, RANK NK, RANJEET SINGH, S/O SH. RAMAVTAR SINGH YADAV R/O S-174, OPP. MOTHER DAIRY, PANDAV NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110092 declare That my mother's name has been wrongly mentioned in my service record as VIRMA DEVI instead of his Correct Name BIRMA DEVI YADAV. That VIRMA DEVI and BIRMA DEVI YADAV both names are one and the same person. Affidavit Stamp Paper No. IN-DL82379593901694W Affidavit Date: 07-Nov-2024

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Pinki Tiwari D/O Daya Ram Tiwari R/O M-19, Upper Ground floor Mohan Garden Uttam Nagar West Delhi Delhi -110059, declare that name of my mother has been wrongly written as Shobha Tiwari in my 10th class educational documents. The actual name of my mother is Laxmi Tiwari

NAME CHANGE
I, ZULFIQAR ALI S/o Mohammad Ali R/o 4589, GALI SHEESH MAHAL, GALI SHAHTARA, AJMERI GATE, DELHI-110006 Declare that my name is wrongly mentioned in My Son Hasan Ali Passport as ZULFIKAR ALI However my correct name is ZULFIQAR ALI for all future purposes.

Name Correction
I, No. 10316532A, RANK NK, RANJEET SINGH, S/O SH. RAMAVTAR SINGH YADAV R/O S-174, OPP. MOTHER DAIRY, PANDAV NAGAR, EAST DELHI, DELHI-110092 declare That my father's name has been wrongly mentioned in my service record as RAMATAR SINGH instead of his Correct Name RAMAVTAR SINGH YADAV. That RAMATAR SINGH and RAMAVTAR SINGH YADAV both names are one and the same person. Affidavit Stamp Paper No. IN-DL82379218397398W Affidavit Date: 07-Nov-2024

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rajender Singh S/O Lal Singh R/O B-26 DDA Flats, Village Bharola , Adarsh Nagar North West Delhi Delhi -110033, declare that name of my minor has been wrongly written as Uday Singh Rathor in my minor Son namely Uday aged 14 years in his School record. The actual name of my minor Son is Uday

NAME CHANGE
I, PARVEEN DAHIYA S/o SURAJ BHAN residing at SE-6, Singhalpur Ext., Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed the name of my minor Son ABHIK aged 7 years and he shall hereafter be known as ABHIK DAHIYA.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Dharm Singh S/O Ram Singh R/O - 609,Tyagi Market, Ghookna , Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh -201001, declare that name of mine has been wrongly written as Dharam Singh in my minor daughter namely Pragya aged 16 years in her 10th educational documents. The actual name of mine is Dharm Singh

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Dharm Singh S/O Ram Singh R/O - 609,Tyagi Market, Ghookna , Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh -201001, declare that name of mine has been wrongly written as Dharam Singh in my minor Son namely Nakul Singh aged 17 years in his 10th educational documents. The actual name of mine is Dharm Singh

NAME CHANGE
It is for general information that I, KRISHAN KUMAR S/o KAMESHWAR PRASAD, Permanent Address-Village Bari Pahari, Moratalao, Nalanda Sohsarai, Bihar -803118, Present Address- WZ – 312, F/F, R/Side, Nangal Raya, near old Ration office, New Delhi-110046, declare that name of mine has been wrongly written as SUB KRISHAN KUMAR in my minor Daughter namely CHANDA KUMARI aged 16 years in her 10th Class Educational Documents. The actual name of mine is KRISHAN KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, DINESH KUMAR S/O KASHMIRI LAL residing at A-54, A-BLOCK, NEW MULTAN NAGAR, DELHI-110014 Declare that DINESH is my given name and my surname is KUMAR

NAME CHANGE
I Bhagvati Devi mother of Army No 15716833M Nk Satyavir Singh R/o Vill-Basaiya Raymal, PO-Jaingara, Teh-Kirawali, Agra, UP have changed my name from Bhagvati Devi to Bhagwati Devi and DOB from 20/04/1967 to 01/01/1972 vide affidavite dt 11 Nov 2024

सार्वजनिक सूचना
सार्वजनिक को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सोनिया पुत्री श्री राजेंद्र सिंह और श्री ब्रजेश कुमार पहल पुत्र श्री धर्मबीर सिंह, अपार्टमेंट संख्या STR-0060303 3rd फ्लोर, स्टार कोर्ट, टॉवर-06, जेपी ग्रीन्स, लैंड 2, त्त-ब्लॉक, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में स्थित है के मालिक हैं, और यह स्वामित्व 02.11.2021 के हस्ताक्षरित डीड ऑफ ट्रांसफर (सब-लीज़ डीड) के आधार पर है। यह सूचना प्राप्त हुई है कि मूल डीड ऑफ ट्रांसफर (जिसे श्री विशाल गोयल, श्रीमती वीना गोयल और श्रीमती शैल प्रिया के बीच श्रीमती सोनिया और श्री ब्रजेश कुमार पहल के पक्ष में हस्ताक्षरित किया गया था) का अंतिम पृष्ठ (पृष्ठ संख्या 21) खो गया है। उक्त डीड को पंजीकरण संख्या 20606, पुस्तक संख्या 1, खंड संख्या 39732, पृष्ठ 31-150, दिनांक 02.11.2021 को एसआर-सदर, ग्रेटर नोएडा में पंजीकृत किया गया था। इस संबंध में दिल्ली क्राइम ब्रांच में एक एफआईआर (LR नंबर 2283658/2024) दर्ज की गई है। यदि किसी भी व्यक्ति को यह खोई हुई डीड पृष्ठ संख्या 21, या इसके बारे में कोई जानकारी प्राप्त हो, तो कृपया श्री ब्रजेश कुमार पहल से #9871002783 पर संपर्क करें।
[बृजेश कुमार पहल]
अपार्टमेंट नंबर STR-0060303, तीसरी मंजिल, स्टार कोर्ट, टावर-06, स्थित जेपी ग्रीन्स, लैंड 2, G-ब्लॉक, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश।
मोबाइल नंबर: 9871002783

हरियाणा सरकार गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध : रणबीर गंगवा

एजेंसी

हिसार। लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि गौ माता की सेवा सबसे बड़ा धर्म है। हरियाणा सरकार गोवंश संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रतिबद्ध है। रणबीर गंगवा बरवाला में अग्रोहा रोड स्थित श्री गौ रक्षा सेवा समिति गौशाला में आयोजित 15वें वार्षिक गोपाष्टमी पूजन महोत्सव समारोह को संबोधित कर रहे थे। भाजपा प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया व मंत्री गंगवा ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम की शुरुआत की। मंत्री गंगवा ने गौशाला कमेटी को स्वैच्छिक कोटे से 11 लाख का अनुदान देने की घोषणा की और मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत गौशाला में तूड़ी गोदाम के निर्माण कार्य का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ष गौशालाओं की देखभाल के लिए अनुदान राशि में वृद्धि कर रही है। हमारी संस्कृति में गौ माता को महत्वपूर्ण स्थान हासिल है। उन्होंने गौ रक्षा का संकल्प देते हुए कहा कि गौ बहुउपयोगी है इसलिए हम गौ माता का पूजन करते हैं। उन्होंने कहा कि माता-पिता की सेवा करना प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य है, उसी तरह गाय माता की भी निस्वार्थ भाव से सेवा करना सभी का दायित्व है। मानव सेवा से भी बड़ी सेवा गौ माता की सेवा है। हर व्यक्ति को अपने घर में गाय का पालन करना चाहिए।

कुंभ मेले में अनुराधा पौडवाल व सद्गुरु मां उषा जगाएंगी पर्यावरण बचाने की अलख

हिसार। प्रख्यात बॉलीवुड गायिका अनुराधा पौडवाल तथा स्पिरिचुअल हीलर एवं जिले के मैयड़ स्थित सिद्ध महामृत्युंजय योग एवं ज्योतिष अनुसंधान केंद्र की चेयरपर्सन सद्गुरु मां उषा जनवरी माह से प्रस्तावित प्रयागराज कुंभ मेले में मिलकर पर्यावरण बचाने की मुहिम चलाएंगीं। पौडवाल इस समय वर्ल्ड क्लाइमेट चेंज फाउंडेशन की ब्रांड अंबेसडर हैं। अनुराधा पौडवाल ने मुंबई में सद्गुरु मां उषा से मुलाकात की और जलवायु परिवर्तन के बीच बढ़ते पर्यावरणीय खतरों पर चर्चा की। दोनों इस बात पर एक मत थे कि पॉलिथिन मानव समेत प्राणी जगत के जीवन में जहर घोल रहा है। इसे परम्परागत तरीके से नष्ट होने में सैकडों वर्ष लगते हैं। अगर पॉलीथीन को जलाकर नष्ट किया जाए तो उससे वातारण में विषैली गैसें उत्पन्न होती हैं, जो कि पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं तथा ये गैसें मनुष्य के लिए हानिकारक होती हैं। मानव जाति ने तैरते प्लास्टिक प्रदूषण और दूषित समुद्र तटों के विनाशकारी प्रभाव को भी देखा है। सिंगल यूज प्लास्टिक समुद्री जीवन और पारिस्थितिकी तंत्र को अत्यधिक स्तर तक नुकसान पहुंचा रहे हैं। अपने क्षेत्र की दोनों दिग्गज हस्तियों ने प्रयागराज महाकुंभ मेले में आमजन को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पौधारोपण करने तथा सिंगल यूज प्लास्टिक के खतरों के बारे में जागरूक करने का संकल्प लिया।

युवाओं को अगले 48 घंटों में पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर करवाना होगा पंजीकरण: गौरव गौतम

चंडीगढ़। हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के युवाओं को सशक्त बनाने एवं आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार नई-नई योजनाएं ला रही है। इसी के तहत वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने के प्रधानमंत्री के विजन को साकार करने में युवाओं की अहम भूमिका रहेगी, क्योंकि विश्व की सबसे अधिक युवा जनसंख्या आज भारत में है। उन्होंने बताया कि देश की टाप कंपनियों ने 1 लाख 25 हजार युवाओं को इंटर्नशिप करने का मौका दिया है।मंत्री गौरव गौतम ने जारी बयान में कहा कि इसी कड़ी में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के हर अनुदेशक व वर्ग अनुदेशक को कम से कम 20 (10वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, डिग्री, स्नातक) युवाओं का अगले 48 घंटों में पीएम इंटर्नशिप पोर्टल www.pminternship.mca.gov.in पर पंजीकृत करवाना होगा। अनुदेशक व वर्ग अनुदेशक युवाओं की सूची अपने संस्थान प्रमुख (आईटीआई/आईटीओटी) को सोमवार 11 नवंबर 2024 दोपहर 12.00 बजे तक जमा कराएं। रिपोर्ट में अभ्यर्थियों का नाम, श्रेणी एवं www.pminternship.mca.gov.in पोर्टल पर पंजीकरण संख्या अवश्य अंकित करें और इसकी कड़ाई से अनुपालन करें। प्रिंसिपल इन रिपोर्टों को अनुदेशक व वर्ग अनुदेशक से लेकर स्कैन कराएंगे और सोमवार शाम 4.00 बजे तक मुख्यालय प्रशिक्षुता शाखा को भेज देंगे। इंटर्नशिप करने वाले युवा को 5000 रुपये मासिक तथा 6000 रुपये की एकमुश्त अनुदान भी मिलेगा।

विदेश जाने के इच्छुक, विदेश भेजने के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से रहें सावधान: शशांक सावन

हिसार। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने विदेश जाने के इच्छुक लोगों को फर्जी ट्रेवल एजेंटों से सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि विदेश जाने के इच्छुक लोग जागरूकता के अभाव में अक्सर फर्जी ट्रेवल एजेंटों का शिकार बनकर लाखों रुपये गंवा बैठते हैं। लोगों को ऐसे फर्जी ट्रेवल एजेंटों से सावधान रहने की जरूरत है। विदेश जाने के लिए वीजा लगवाने से पूर्व एजेंट के बारे में पूरी जानकारी हासिल करें और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एजेंट की ही सेवाएं लें। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने कहा कि काफी संख्या में लोग विदेश जाने की इच्छा रखते हैं। लोगों की इस इच्छा का फायदा उठाकर फर्जी ट्रेवल एजेंट वेबसाइट या सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन द्वारा लोगों से संपर्क करते हैं। ये लोग पीड़ितों को तब झांसे में फंसा लेते हैं जब वे सोशल मीडिया पर प्रसारित नकली यात्रा विज्ञापनों का जवाब देते हैं।

हरियाणा में डीएपी का 23 हजार मीट्रिक टन स्टॉक : मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में डीएपी को लेकर चल रही मारामारी के बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद हरियाणा के किसानों के नाम जारी संदेश में उन्होंने किसानों से अनुरोध किया है कि वे किसी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। सरकार प्रदेश में डीएपी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।सीएम ने कहा कि आज के दिन डीएपी का स्टॉक 23,118 मीट्रिक टन विभिन्न जिलों में उपलब्ध है। अगले दो से तीन दिनों के भीतर राज्य के विभिन्न जिलों में 9,172 मीट्रिक टन और डीएपी प्राप्त हो जाएगी। कांग्रेस के नेता किसानों को गुमराह करने का काम कर रहे हैं जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा में खाद का पर्याप्त स्टॉक

उपलब्ध है और उसका वितरण भी सही तरीके से सुनिश्चित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष एक अक्टूबर से 9 नवंबर तक डीएपी की खपत एक लाख 46 हजार 152 मीट्रिक टन थी। इस बार 9 नवंबर 2024 तक एक लाख 54 हजार 540 मीट्रिक टन की खपत हो चुकी है। केन्द्र सरकार ने हरियाणा को नवंबर माह के लिए एक लाख 10 हजार 200 मीट्रिक टन डीएपी आवंटित किया है। इसके अलावा, राज्य में सिंगल सुपर फास्फेट (एसएसपी) का 71 हजार 281 मीट्रिक टन और एनपीके का 24,343 मीट्रिक टन का स्टॉक अब भी उपलब्ध है। मुख्यमंत्री सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने आढ़तियों के हितों के लिए काम किया है। हमारी सरकार ने आढ़तिया कमीशन 46 रुपये प्रति क्विंटल को बढ़ाकर 55 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। नौ रुपये प्रति क्विंटल का अतिरिक्त भार राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। प्रदेश में सी.एम.आर. डिलीवरी के लिए सभी राइस मिलर्स को 31 अगस्त तक 62.58 करोड़ रुपये बोनस दिया है। इसके अलावा, हाइब्रिड किस्म के धान के आउट टर्न रेश्यो का मामला भी भारत सरकार के समक्ष रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस खरीफ सीजन 2024-25 के दौरान धान के लिए मेरी फसल मेरा ब्यौरा पोर्टल पर 4,84,927 किसान पंजीकृत हैं। अब तक राज्य में 50,46,872.45 मीट्रिक टन धान की खरीद की गई है, जिसकी एवज में किसानों को 11,296 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया गया है।

भाजपा ने पूर्व सीएम हुड्डा के हलके किलोई से शुरू किया सदस्यता अभियान

एजेंसी

रोहतक। भारतीय जनता पार्टी ने रोहतक जिले में सदस्यता अभियान की शुरूआत पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के विधानसभा हलका किलोई से की। हरियाणा के पूर्वमन्त्री कृष्ण मूर्ति हुड्डा के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीणों ने किलोई गांव में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। गढ़ी सांपला किलोई विधानसभा के सदस्यता अभियान के प्रभारी प्रेमदत कौशिक ने ग्रामीणों को बताया कि सदस्यता कैसे ली जाती है। कृष्ण मूर्ति हुड्डा ने कहा कि गढ़ी सांपला किलोई में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के लिए बहुत लोग इच्छुक है। हम शीघ्र ही बाकी गांवों में पार्टी के सदस्य बनायेगें। उन्होनें हाल ही में भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा विधानसभा की जीत को ऐतिहासिक बताया और कहा कि ये जीत हरियाणा में रिकार्ड तोड़ जीत है। उन्होंने कहा कि मुख्य मंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में हरियाणा विधानसभा की जीत अपने आप में बेमिसाल है और इसका श्रेय हरियाणा

के मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री को जाता है। सदस्यता ग्रहण करने में लोगों का काफी उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर किलोई के प्रधान दलीप सिंह हुडडा, पिछड़ा वर्ग के नेता पवन रोहिल्ला, प. बसंत अत्री, पवन पुनिया, जगबीर बाल्मिकी, प. राम दिया, धर्मपाल बजाड़ आदि मौजूद रहे।

सीएम फ्लाइंग व कृषि विभाग ने मारा छापा, पंजीकृत जगह पर नहीं मिला गोदाम

एजेंसी

जींद,। कृषि विभाग तथा सीएम फ्लाइंग की संयुक्त टीम ने नरवाना में शनिवार को खाद तथा दवाइयों को स्टॉक रखने वाले गोदामों पर जांच की। छापेमारी के दौरान गोदाम पर स्टॉक का रिकार्ड तो दुरूस्त मिला लेकिन गोदाम की लोकेशन कृषि विभाग के रिकार्ड में नहीं मिला। जिस पर कृषि विभाग के क्वालिटी कंट्रोलर ने फर्म को नोटिस जारी करते हुए कृषि उपनिदेशक से कार्रवाई की सिफारिश की है। आगामी कार्रवाई कृषि विभाग द्वारा अमल मे लाई जाएगी। सीएम फ्लाइंग को सूचना मिली थी कि अग्रवाल ट्रेडिंग कंपनी नरवाना के पास अनाधिकृत खाद तथा दवाइयों का स्टॉक गोदाम में किया हुआ है। जिसके आधार पर सीएम फ्लाइंग के सब इंसपेक्टर पवन, सतपाल के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। जिसमें कृषि विभाग के एसडीओ बलजीत सिंह, क्वालिटी इंसपेक्टर नरेंद्रपाल, बालमुकंद को भी शामिल किया गया। टीम ने फर्म के माल गोदाम रोड स्थित गोदाम पर दस्तक दी। रिकार्ड जांचने पर यूरिया का रिकार्ड तथा बिल मशीन की एंट्री सही पाई गई लेकिन गोदाम कृषि

विभाग रिकार्ड में दर्ज नही पाया गया। जबकि गोदाम का रजिस्टर्ड होना और उसके लिए लाइसेंस होना जरूरी है। जिसका रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन कृषि विभाग की साईट पर होता है। गोदाम के लाइसेंस से संबंधित दस्तावेज मांगे जाने पर फर्म मालिक उन्हें दिखाने में नाकाम रहा। जिसमें कृषि विभाग के क्वालिटी कंट्रोलर ने फर्म मालिक को नोटस जारी कर कृषि विभाग के उपनिदेशक से कार्रवाई की सिफारिश की है। आगामी कार्रवाई कृषि विभाग द्वारा अमल में लाई जाएगी। कृषि विभाग के क्वालिटी इंसपेक्टर नरेंद्रपाल ने बताया कि फर्म का गोदाम रजिस्टर्ड नही पाया गया। जबकि गोदाम का रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है। विभाग द्वारा लाइसेंस जारी किया जाता है। विभाग के पास गोदाम की लोकेशन भी होती है। गोदाम विभाग के पास रजिस्ट्रड नही पाया। फर्म का नोटिस जारी कर कार्रवाई की सिफारिश विभाग से की गई है।

बुजुर्गों को समय अवश्य दें, बुजुर्गों से ही मिलेगा तजुर्बा व आशीर्वाद:मिड्ढा

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा विधानसभा के उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने नागरिकों को आह्वान किया कि वह बुजुर्गों को समय देकर प्रतिदिन उनसे विचार-विमर्श करें। बुजुर्गों से ही हमें जीवन का तजुर्बा एवं आशीर्वाद मिलेगा। मोबाइल फोन ने परिवार के सदस्य के रूप में जगह बना ली है। मोबाइल फोन को कुछ समय के लिए छोडक़र हर रोज अपने परिजनों से बातचीत अवश्य करें। बच्चों को धार्मिक संस्कार तथा संस्कृति के बारे में जागरूक करें। डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा शनिवार को जैड ग्लोबल स्कूल के वार्षिक उत्सव में बतौर मुख्यातिथि विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित करने के उपरांत सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने स्कूल की मैग्जीन एवं स्कूल द्वारा बनाए गए रोबोट का विमोचन किया। विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने अपने अनुभव सांझा करते हुए कहा कि उनके पिताजी स्वर्गीय डॉ. हरिचंद मिड्ढा ने उन्हें धार्मिक कार्यक्रमों में साथ ले जाकर धर्म व संस्कृति से अवगत करवाने का कार्य किया। विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। हर नागरिक प्रधानमंत्री के सपने का साकार करने में अपना

महत्वपूर्ण योगदान दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल तथा वर्तमान मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में गीता महोत्सव के माध्यम से घर-घर गीता के संदेश को पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी अभिभावक अपने बच्चों को धर्म की शिक्षा के साथ-साथ प्राचीन संस्कृति का भी ज्ञान दें। उन्होंने कहा कि जैड ग्लोबल स्कूल शिक्षा, खेल के अलावा अन्य क्षेत्रों में अग्रणी है। विद्यार्थियों के सम्पूर्ण विकास के लिए स्कूल द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा गीता के संदेश से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए, जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि जैड स्कूल समूह निरंतर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्प है। हमें बच्चों को धर्म संस्कृति सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ाना है। डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा ने शैक्षणिक व खेलों में उत्कृष्ट्ठ प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया।

नियमित प्रोफेशनल विकसित एप्रोच की जरूरत: कुलपति प्रो. राजबीर सिंह

एजेंसी

रोहतक । आधुनिक शिक्षा में इनोवेटिव टीचिंग और कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट एप्रोच की जरूरत है। इससे न केवल शिक्षक की व्यक्तिगत क्षमता बढ़ती है, बल्कि समग्र शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में भी सुधार होता है। यह उद्गार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने शनिवार को एमडीयू के एफडीसी-एमएमटीटीसी द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में व्यक्त किए। ब्रह्म कुमारीज के सहयोग से द आर्ट ऑफ टीचिंगरू ट्रांसफॉर्मिंग एजुकेशन इन वाउव एक्सपिरिएंस विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि बेहतर शिक्षण कार्य के

लिए शिक्षकों को नवीनतम शिक्षा रुझानों से अवगत रहना होगा। उन्होंने प्रभावी शिक्षण के लिए शिक्षा में प्रौद्योगिकी के समावेश की बात पर बल देने की बात कही। साथ शिक्षकों को व्यक्तिगत और पेशेवर विकास पर फोकस करने के लिए कुलपति ने प्रेरित किया। स्कोडा इंडिया प्रा. लि. के हेड ऑफ ट्रेनिंग एकेडमी डा. मुकुल बतौर मुख्य वक्ता इस कार्यक्रम में शिरकत की। डा. मुकुल ने अपने प्रभावी संबोधन में कहा कि उत्कृष्ट शिक्षण कार्य के लिए शिक्षक नवीनतम शिक्षण विधियां अपनाएं। उन्होंने प्रभावी शिक्षण कार्य के अहम टिप्स शिक्षकों के साथ साझा किए। एफडीसी, एमएमटीटीसी निदेशक प्रो. संदीप मलिक ने आभार प्रदर्शन किया। प्रो. संदीप मलिक ने कहा कि एमडीयू में प्रभावी टीचिंग-लर्निंग को बढ़ाने के लिए विशेष फोकस किया जा रहा है। इस अवसर पर डीन, रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट प्रो. अरूण नंदा, निदेशक सीडीओई एवं डीएलसी प्रो. नसीब सिंह गिल, ब्रह्मकुमारी सदस्यगण समेत एमडीयू के संकायों के प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

फसल अवशेषों में आग लगाने पर महिला खेत मालिक पर केस दर्ज

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर पुलिस ने फसल अवशेष जलाने के आरोप में महिला किसान के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने हरियाणा स्पेस एप्लिकेशन सेंटर के माध्यम से मिली जानकारी के आधार दर्ज किया है।कृषि विभाग क कृषि सुपरवाइजर सचिन ने थाना गन्नौर पुलिस को शिकायत दी कि उन्हें हरियाण स्पेस एप्लिकेशन सेंटर से मिली लोकेशन प्राप्त हुई कि बेगा गांव में एक खेत की पराली में आग लगाई गई है। जिस पर मौके का निरीक्षण किया तो वहां दो एकड़ में फसल अवशेष जले पाए गए। खेत का मालिकाना हक जगमती निवासी बेगा के पास है। उन्होंने महिला किसान पर नियमानुसार 2500 रूपये जुर्माना भी वसूल किया। पुलिस ने शिकायत पर महिला जगमती के खिलाफ केस दर्जकर जांच शुरू कर दी है।

हरियाणा चुनाव में हारे कांग्रेस उम्मीदवारों ने गिनाए हार के कारण

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में विधानसभा चुनाव हारने वाले कांग्रेस उम्मीदवारों ने दलाल कमेटी के समक्ष पेश होकर अपनी हार के कारण बताए। दिलचस्प बात यह रही कि इस बैठक से जहां सैलजा समर्थित उम्मीदवारों ने दूरी बनाए रखी वहीं हुड्डा गुट के भी कई हारे हुए उम्मीदवार नहीं आए। बैठक में शामिल होने के लिए कुल 53 उम्मीदवारों को बुलाया गया था लेकिन इस बैठक में केवल 39 उम्मीदवार ही पहुंचे। पूर्व मंत्री करण दलाल की अध्यक्षता वाली इस कमेटी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष उदयभान की अध्यक्षता में हुई। बैठक में नवनियुक्त सह प्रभारी जितेंद्र बघेल मौजूद रहे। बैठक में चुनाव हारने वाले सभी 53 उम्मीदवारों के अलावा लोकसभा चुनाव हारने वाले उम्मीदवारों को भी बुलाया गया था। बैठक में सिरसा से सांसद कुमारी सैलजा के समर्थक रामनिवास राड़ा और शमशेर सिंह गोगी नहीं पहुंचे। बैठक में पहुंचे कांग्रेस के उम्मीदवारों ने अपनी-अपनी हार के कारण गिनाए। कई उम्मीदवार बकायदा दस्तावेजी प्रमाण लेकर पहुंचे हुए थे,

जिसे उन्होंने दलाल कमेटी के समक्ष जमा करवाया। बैठक के बाद हरियाणा कांग्रेस के सह प्रभारी जितेंद्र बघेल ने कहा कि बैठक अच्छे तरीके से हुई है जिसमें लगभग सभी उम्मीदवार आए हैं। चुनाव में किस तरह की अनियमतताएं रहीं, इसको लेकर बातचीत की गई। उम्मीदवारों से सबूत लिए गए हैं। कुछ सबूत हम लेंगे, जिनके पास जो आधार है, वह मुहैया करवाएगा। आठ सदस्यों वाली कमेटी अलग मीटिंग करना चाहेगी तो कर सकती है। हम इस मीटिंग की रिपोर्ट हाईकमान को देंगे। मीटिंग के बाद कमेटी के चेयरमैन करण सिंह दलाल ने कहा कि एक-एक कर सभी नेताओं से हार के कारण पूछे गए हैं। मौजूदा सांसदों से भी राय मांगी गई। सभी हमारे संपर्क में हैं। दलाल ने कहा कि अब रिपोर्ट हाईकमान को दी जाएगी। इसके बाद कोर्ट जाएंगे।

भगवान श्रीकृष्ण के गौ प्रेम का प्रतीक है गोपाष्टमी का पर्व: श्यामदास महाराज

एजेंसी

सोनीपत। गन्नौर में श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर गौशाला सेवा समिति गढ़ी केसरी के द्वारा गोपाष्टमी के उपलक्ष्य में संगीतमय गौ कथा का आयोजन किया गया। मंदिर के प्रांगण से शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा के बाद श्री कृष्ण प्रणामी गौशाला के संस्थापक श्यामदास महाराज, प्रधान सतपाल शर्मा, गौ भक्तों, नंद बाबा व ग्वालों द्वारा गौमाता का पूजन किया गया। संगीतमय गौ कथा के दौरान श्यामदास महाराज ने कहा कि गोपाष्टमी ब्रज संस्कृति का एक प्रमुख पर्व है। इंद्र के प्रकोप से ब्रज के निवासियों और प्राणियों को बचाने के लिए श्री कृष्ण ने कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से अष्टमी तक गोवर्धन पर्वत को धारण किए रहे और अंत में इंद्र ने अपने अहंकार को त्याग कर भगवान श्री कृष्ण क्षमा प्रार्थना की। तब कामधेनु ने कृष्ण जी का अभिषेक किया और उसी दिन से उनका नाम गोविंद पड़ा। इस दिन गोवर्धन, गाय और बछड़े तथा गोपाल की पूजन का विधान है। शास्त्रों में कहा जाता है कि जो व्यक्ति इस दिन गायों को भोजन खिलाता है, उनकी सेवा करता है तथा सायं काल में गायों का पंचोपचार विधि से पूजन करता है तो उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है।

प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों में दूर होगी डॉक्टरों व कर्मचारियों की कमी: आरती राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री कुमारी आरती सिंह राव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को निरंतर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में चिकित्सा शिक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर पर जोर दे रही है। हमारा उद्देश्य सभी मेडिकल कॉलेजों में सुपरस्पेशलिटी सेवाओं का विस्तार करना और प्रत्येक सरकारी मेडिकल कॉलेज में क्रिटिकल केयर ब्लॉक की स्थापना की दिशा में कार्य करना है। साथ ही, मेडिकल कॉलेजों में विशेष ट्रॉमा केयर डिलीवरी सेंटर का विकास करना है, ताकि रेफरल में कमी आए। स्वास्थ्य मंत्री चंडीगढ़ में चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर रही थीं। आरती सिंह राव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रोगी देखभाल के लिए मानकीकृत संचालन प्रक्रियाएं तैयार की जाएं, ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों में विशेषज्ञ डॉक्टरों, अन्य कर्मचारियों और अस्पताल से संबंधित सेवाओं के रखरखाव के लिए मैनपावर की कमी को धीरे-धीरे पूरा किया जाएगा। इस दिशा में सार्थक कदम उठाए जा रहे हैं इसलिए हमारी सरकार ने हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज खोलने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करें कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र लाभार्थियों

को स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हों। बैठक में बताया गया कि 144 एकड़ क्षेत्र में पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कुटैल करनाल का सिविल कार्य पूरा हो चुका है। मेडिकल उपकरणों सहित अन्य कार्य अंतिम चरणों में है, जल्द ही यह जनता को समर्पित होगा। इस विश्वविद्यालय में 750 बिस्तरों के साथ सुपर स्पेशलिटी अस्पताल होगा, जहां तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा, पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, भिवानी तथा महर्षि च्यवन राजकीय मेडिकल कॉलेज, कोरियावास, नारनौल का कार्य भी 90 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

NAME CHANGE

It is for general information that I, MUNNI DEVI W/o Late GUGAN SINGH residing at Cheeta Dungra (37), Rewari, Haryana - 123102, declare that name of mine has been wrongly written as MUNI DEVI in my Husband's PPO No.- 240559504554. The actual name of mine is MUNNI DEVI, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I, SUBHASH CHANDER MADHOK S/o BISHAMBER NATH MADHOK residing at House No. - 36B, Professor Colony, Balsamand Road, Hisar, Haryana - 125001 declare that the name of mine and my Father have been wrongly written as SUBHASH CHANDER and BISHAMBER DASS in my PAN Card No. - AAKPC4047P. The actual name of mine and my Father are SUBHASH CHANDER MADHOK and BISHAMBER NATH MADHOK respectively which may be amended accordingly.

चुनाव हारे हैं, लड़ाई नहीं हारे, जनता की हितों की लड़ाई रहेगी जारी: हुड्डा

एजेंसी

रोहतक। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि चुनाव हारे है लड़ाई नहीं हारे है, जनता की हितों को लेकर उनकी लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस के 37 विधायक मजबूती से आवाज उठाएंगे। उन्होंने कहा कि आज डीएपी खाद को लेकर किसान परेशान है और जब थानों में खाद बंटने लग जाए तो इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि प्रदेश में किसानों की क्या स्थिति होगी है। पूर्व सीएम हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।पूर्व मुख्यमत्री ने कहा कि एक महीने में ही भाजपा के झूठे दावों की पोल जनता के सामने खुल चुकी है। मौजूदा सरकार ने अभी तक केवल दो ही काम किए हैं, किसानों को खाद मिलता नहीं और एमएसपी सरकार देती नहीं। हालात यह हो चुके हैं कि मांग का 50 प्रतिशत खाद भी जिलों में नहीं पहुंचा है। डीएपी को लेकर इतनी मारामारी है कि थानों में इसे बंटवाना पड़ रहा है। वहीं, धान की फसल एमएसपी से 300-400 रुपए कम में बिक रही है। कांग्रेस द्वारा आगामी विधानसभा सत्र में इन दोनों ही मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। पूर्व सीएम ने कहा कि भाजपा 10 वर्ष में भी खाद का उचित प्रबंधन नहीं कर पाई है। कृषिमंत्री बार-बार कह रहे हैं कि खाद की कोई किल्लत नहीं है। यदि किल्लत नहीं है तो फिर क्यों किसानों को पूरी-पूरी रात लाइन में लगना पड़ रहा है और थानों के अंदर खाद बंटवाई जा रही है। महिलाओं को घर-खेत छोड़कर खाद लेने के लिए आना पड़ रहा है। हुड्डा ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वायु प्रदूषण के लिए पूरी तरह से पराली जलाने को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाना चाहिए। किसानों का तो एक छोटा सा रोल है। छोटे किसानों के सामने पराली प्रबंधन बड़ी चुनौती है। सरकार का फर्ज बनता है कि फसल की तरह एमएसपी तय करके पराली खरीद की जाए और उससे खाद, बिजली या अन्य उत्पाद बनाए जाए। नेता प्रतिपक्ष के सवाल पर पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस के सभी विधायकों ने नाम तय करके हाईकमान को दिए हुए हैं। मुझे लगता है कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद पार्टी हाईकमान इस पर फैसला ले सकती है। यह हाईकमान के ऊपर निर्भर करता है। विधानसभा में कांग्रेस के 37 मजबूत विधायक हैं।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी

नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में में टिकाव रहा।इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में चीनी में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव स्थिर रहे।

अनाज:अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

एलन मस्क की कुल संपति में बड़ा इजाफा, तीन साल में पहली बार 300 बिलियन डॉलर के पार

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की कुल संपत्ति तीन साल में पहली बार 300 बिलियन डॉलर को पार कर गई। फोर्ब्स रियल-टाइम अरबपतियों की सूची के मुताबिक, मस्क की संपत्ति 300 बिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शानदार जीत के बीच मस्क की कंपनियों और उनकी खुद की संपत्ति में बढ़ोतरी देखी जा रही है। सीएफआरए रिसर्च के वरिष्ठ इक्विटी विश्लेषक गैरेट नेल्सन ने बताया कि टेस्ला और सीईओ एलन मस्क शायद चुनाव परिणाम से सबसे बड़े विजेता हैं। हमारा मानना है कि ट्रंप की जीत कंपनी को और आगे बढ़ाने की रफ्तार में तेजी लाने में मदद करेगी।

दिल्ली, मुंबई, लखनऊ में प्याज की कीमतें आसमान छू रहीं

नई दिल्ली। प्याज की कीमतों में उछाल के कारण दिल्ली, मुंबई और लखनऊ समेत देश के कई शहरों में लोगों की आंखें नम होने लगी है। इससे ग्राहक और विक्रेता दोनों परेशान हैं। थोक बाजारों में प्याज की कीमत 40-60 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 70-80 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। एएनआई से बात करते हुए, दिल्ली के एक बाजार में एक विक्रेता ने कहा, प्याज की कीमत 60 रुपये से बढ़कर 70 रुपये प्रति किलो हो गई है। हम इसे मंडी से खरीदते हैं, इसलिए वहां से हमें जो कीमतें मिलती हैं, वे उस कीमत को प्रभावित करती हैं, जिस पर हम इसे बेचते हैं। कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बिक्री में कमी आई है, लेकिन लोग इसे अभी भी खरीद रहे हैं क्योंकि यह यहां के खाने की आदतों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी पर एक खरीदार फैजा ने अपनी परेशानी साझा करते हुए कहा, प्याज की कीमत बढ़ गई है, जबकि मौसम के हिसाब से इसमें कमी आनी चाहिए थी। मैंने 70 रुपये प्रति किलो प्याज खरीदा। इसने घर में खाने-पीने की आदतों को प्रभावित किया है। मैं सरकार से अपील करता हूं कि कम से कम हर दिन खाई जाने वाली सब्जियों की कीमतें कम करें। 8 नवंबर 2024 तक दिल्ली में प्याज की कीमत लगभग 80 रुपये प्रति किलोग्राम रही।मुंबई के बाजारों समेत देश के कई राज्यों में प्याज की कीमत में उछाल आया है। मुंबई के एक खरीदार डॉ. खान ने एएनआई से कीमतों में उछाल के बारे में बात की और कहा, प्याज और लहसुन की कीमत कई गुना बढ़ गई है। यह दोगुनी हो गई है। इससे घर का बजट भी प्रभावित हुआ है। मैंने 360 रुपये में 5 किलो प्याज खरीदा।

पीयूष गोयल बोले- 21वीं सदी भारत की, 25 साल में 35 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा देश

नई दिल्ली। भारत की विकास गाथा देश की मौजूदा 3.5 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था को अगले 25 साल में 35 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचा देगी। 10 गुना की यह तेज बढ़ोतरी भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद के दम पर है।वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अमेजिंग गोवा ग्लोबल बिजनेस समिट-2024 के उद्घाटन सत्र में कहा, 21वीं सदी भारत की है और यह तीन साल में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी बनने की राह पर है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सही कहा है कि 21वीं सदी भारत की सदी है।?आज हम जो कर रहे हैं, वह सबसे बेहतर व सबसे व्यापक है। मंत्री ने कहा, हम 2047 तक भारत को विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए केंद्रित दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं।पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत सबसे कम जोखिम वाले देशों में से एक है। गोयल ने कहा, हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। कम महंगाई, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल की वजह से देश में पिछले 10 साल में उससे पिछले दशक की तुलना में दोगुना प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) आया है।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। बड़ी गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आया। आज की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,510 रुपये से लेकर 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72,900 रुपये से लेकर 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज तेजी आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 94,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900

रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,800 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,410 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज तेजी आने की वजह से सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में घटबढ़ के बीच घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा।वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.67 प्रतिशत लुढ़ककर 70.43 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत की बढ़त के साथ 73.90 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 100 मीट्रिक टन के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों से कोयले का उत्पादन 8 नवंबर, 2024 तक 100.08 मीट्रिक टन (एमटी) पर पहुंच गया। सालाना आधार पर कोयला के उत्पादन में ये 33 फीसदी की वृद्धि है। मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक देश के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला उत्पादन की हिस्सेदारी बढ़ी है।

कोयला मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों से देश का कोयला उत्पादन 100 मीट्रिक टन (एमटी) से अधिक रहा है, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण की दिशा में राष्ट्र की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह उपलब्धि बीते वि?त वर्ष 2023-24 की तुलना में लगभग 100 दिन पहले हासिल किया गया है, जिसे जनवरी 2024 में हासिल किया गया था। मंत्रालय के मुताबिक 1 अप्रैल से लेकर 8 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान कैप्टिव और कमर्शियल कोयला खदानों से उत्पादन 100.08 मीट्रिक टन है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में इसी अवधि के दौरान कुल कोयला उत्पादन 75.05 मीट्रिक टन रहा था, जो साल-दर-साल 33 फीसदी की वृद्धि है। इसी तरह 1 अप्रैल, से 8 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान कैप्टिव और कमर्शियल कोयला खदानों से कुल प्रेषण 107.81 मीट्रिक

टन है, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में इसी अवधि के दौरान कुल प्रेषण 80.23 मीट्रिक टन रहा था। कोयला मंत्रालय के मुताबिक उल्लेखनीय रूप से भारत के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है, जो कोयला क्षेत्र में सुधारों की सफलता को दर्शाता है। यह ऊर्जा संसाधनों में आत्मनिर्भरता की दिशा में राष्ट्र के मार्ग को मजबूत करता है। इसको देखते हुए कोयला मंत्रालय चालू वि?त वर्ष 2024-25 में कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला ब्लॉकों से 170 मीट्रिक टन से अधिक उत्पादन लक्ष्य तक पहुंचने के प्रति आशावादी है। उल्लेखनीय है कि कोयला मंत्रालय की यह उपलब्धि कोयला के क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमताओं को दर्शाती है। ऊर्जा स्वतंत्रता और आर्थिक विकास की दिशा में देश की प्रगति में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है, जो केंद्र सरकार के विकसित भारत 2047 लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से संरेखित है। कोयला मंत्रालय पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार खनन प्रथाओं को सुनिश्चित करते हुए इस वृद्धि को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखता है।

एफसीआई और राज्य एजेंसियों ने पंजाब में 120.67 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों ने पंजाब में 120.67 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है। खरीफ विपणन सीजन (केएमएस) 2024-25 में धान की खरीदारी से अब तक पंजाब में 6.58 लाख किसानों को लाभ मिला है, जिसका न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) 27995 करोड़ रुपये है। उपभोक्ता खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि 8 नवंबर, 2024 तक पंजाब की मंडियों में कुल 126.67 लाख मीट्रिक टन धान आ चुका है, जिसमें से 120.67 लाख मीट्रिक टन धान राज्य एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा खरीदा गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस बार ग्रेड 'ए' धान भारत सरकार द्वारा तय 2320 रुपये प्रति क्विंटल एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। चालू केएमएस 2024-25 में अब तक सरकार ने कुल 27995 करोड़ रुपये का धान खरीदा है, जिससे पंजाब में करीब 6.58 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। इसके अलावा, 4839 मिलर्स ने धान की

छिल्लाई के लिए आवेदन किया है, जबकि 4743 मिलर्स को पंजाब राज्य सरकार द्वारा पहले ही काम आवंटित किया जा चुका है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने बताया कि पंजाब में खरीफ विपणन सीजन 2024-25 के लिए धान की खरीदारी एक अक्टूबर, 2024 से शुरू हो गई है। पंजाब के किसानों से सुचारु खरीद के लिए पूरे राज्य में 2927 नामित मंडियां और अस्थायी यार्ड चालू हैं। केंद्र सरकार ने चालू खरीफ विपणन सीजन 2024-25 के लिए धान खरीद का अनुमानित लक्ष्य 185 लाख मीट्रिक टन तय किया है, जो 30 नवंबर, 2024 तक जारी रहेगा। मंत्रालय ने कहा कि मंडियों से धान का उठाव जोरों पर है और उठाया गया धान दैनिक आवक की मात्रा से अधिक है। ऐसे में धान की खरीद सुचारु रूप से चल रही है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने दक्षिणी क्षेत्र के 10 आरआरबी के प्रदर्शन की समीक्षा की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कर्नाटक के बेंगलुरु में दक्षिणी क्षेत्र के 10 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के प्रदर्शन की समीक्षा की। वित्त मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में बताया कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यहां आयोजित इस बैठक में एक प्रस्तुति के दौरान 2022 में नियमित समीक्षा शुरू होने के बाद से अपने वित्तीय प्रदर्शन और प्रौद्योगिकी उन्नयन में सुधार के लिए आरआरबी की सराहना की और ग्रामीण बैंकों से भविष्य में भी इस गति को जारी रखने का आग्रह किया।सीतारमण ने कर्नाटक के बेंगलुरु में दक्षिणी क्षेत्र के जिन 10 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के प्रदर्शन की समीक्षा की उनमें कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी शामिल हैं। आरआरबी के प्रदर्शन की समीक्षा बैठक में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री

पंकज चौधरी, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव, डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा संबंधित राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी, आरबीआई, सिडबी, नबार्ड ऑनलाइन के प्रतिनिधि, हितधारक आरआरबी के एमडी और प्रायोजक बैंकों के एमडी और सीईओ भी शामिल हुए।

एमएसएमई क्षेत्र के लिये नयी क्रेडिट गारंटी योजना का प्रस्ताव मंत्रिमडल के सामने शीघ्र : सीतारमण

जेंसी

बेंगलूरू। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि विनिर्माण उद्योग में लगी सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम क्षेत्र (एम एस एम ई) के लिये इस बार के बजट में घोषित 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी योजना प्रस्ताव जल्द ही मंत्रिमडल की स्वीकृति के लिए भेजा जायेगा। श्रीमती सीतारमण ने यहां इस क्षेत्र के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा कि इस बार के बजट में एमएमएमई क्षेत की मदद के लिये जो भी घोषणायें की गयी हैं, वे जरूर लागू होंगी।

उन्होंने कहा, उनमें से चार आज लागू हो गयी हैं, 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी वाली जो एक योजना बची है, उसका कागज (प्रस्ताव) मंत्रिमंडल के लिये शीघ्र जायेगा। बैंकिंग एवं वित्ती सेवा सचिव यहां उपस्थित है। प्रस्ताव को मंत्रिमडल की मंजूरी के बाद तुरंत लागू किया जायेगा। कार्यक्रम में एमएसएमई मंत्री जीतन राम माझी भी उपस्थित थे। यह गारंटी योजना एमएसएमई मंत्रालय के माध्यम से लागू की जायेगी। इसके लिये एक स्ववित्त पोषित गारंटी कोष बनाने का प्रस्ताव है। इस योजना के तहत एमएसएमई इकाइयों को दिये जाने वाले कर्ज की वसूली में जोखिमों को आपस में पूल कर कोष से आवेदक को 100 करोड़ रुपये तक की गारंटी दी जा सकेगी। इसके तहत आवेदक को शुरू में ही गारंटी शुल्क जमा करना होगा। उसके बाद बैंक कर्ज की घटी राशि के आधार पर वार्षिक गारंटी फीस लेंगे। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि कोविड के दौरान सरकार ने देश में एक एक एमएसएमई इकाई की सुध ली। बैंकों ने उनसे आपात कालीन नकदी के लिए सरकार की क्रेडिट गारंटी की उनकी जरूरत के लिए एसएमएस और फोन काल किया। सरकार ने यह सुनिश्चित किया था कि बैंक किसी इकाई को मना न कर सकें। वित्त मंत्री ने इस बार बजट में विनिर्माण उद्योग में लगी एमएसएमई इकाइयों के लिये बिना किसी रेहन या जमानतदार के लिए मशीन और उपकरण खरीदने का सावधिक ऋण की सुविधा, 100 करोड़ रुपये तक की क्रेडिट गारंटी, सरकारी बैंकों को एमएसएमई इकाइयों की वित्तीय साख के आकलन के लिए आंतरिक व्यवस्था कराने, असाधारण परिस्थित में कर्ज चुका पाने में समर्थ इकाइयों को कर्ज सुविधार जारी रखने की सुविधा, बिक्री माल के बिलों की डिस्काउंटिंग के लिये आनलाइन मंच टीआरईडीए पर अनिवार्य पंजीकरण के लिए कारोबार की सीमा को घटाकर 500 करोड़ रुपये से 250 करोड़ रुपये करने की घोषणा, एमएसएमई क्षेत्र में 50 विकिरण इकाइयों की स्थापना के लिये वित्तीय सहायता तथा सिडबी द्वारा एमएसएमई संकुलों में नयी शाखायें खेलने की घोषणा की थीं।

श्रीमती सीतारमण ने बेंगलूरू में कर्नाटक, आंध प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु ,केरल और संघ शासित प्रदेश पुडुचेरी के 10 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के काम की समीक्षा की। वित्त मंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अलग-अलग एमएसएमई संकुलों में सिडबी की छह नयी और एक पुनर्व्यवस्थित शाखाओं का उद्घाटन भी किया।

बड़े रेस्तरां चेन को फायदा देने के लिए स्विगी-जोमैटो ने तोड़े प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली। नियम ऑनलाइन फूड डिलीवरी मंच जोमैटो और स्विगी ने अपने-अपने प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध बड़े रेस्टोरेंट चेन को फायदा पहुंचाने के लिए प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की जांच में इसका खुलासा हुआ है। आयोग की ओर से तैयार गैर-सार्वजनिक दस्तावेजों के मुताबिक, जोमैटो ने कम कमीशन के बदले अपने मंच पर सूचीबद्ध रेस्टोरेंट्स के साथ विशिष्टता अनुबंध किए। वहीं, स्विगी ने कुछ रेस्टोरेंट्स को आश्वासन दिया कि अगर वे सिर्फ उसके प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होते हैं तो उनका कारोबार तेजी से बढ़ेगा।

वियतजेट की भारतीय यात्रियों के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं पेश

एजेंसी

नई दिल्ली। वियतनाम के नये जमाने की एयरलाइन वियतजेट ने भारतीय यात्रियों के लिए नवंबर माह में दो विशेष प्रोत्साहन योजनाएं पेश की है जिसमें 11 नवंबर को बुकिंग पर भारत और वियतनाम के बीच एक दिशा का इकॉनमी क्लास टिकट 5555 रुपये में देने की पेशकश भी है।

एयरलाइन की एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि उसकी वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर 11 नवंबर को रात 12:00 बजे से रात 11:59 बजे तक भारत और वियतनाम के बीच एक दिशा का इकॉनमी श्रेणी का टिकट 5555 रुपये (करों और शुल्कों समेत) से शुरू होगा। यात्री इस प्रोत्हान योजना का प्रोमो कोड वीजे11 आगमी एक जनवरी से 22 मई,

2025 के बीच की उड़ानों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। विज्ञप्ति में बताया गया है कि 13 से 19 नवंबर तक एयरलाइन अपने घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय सारे मार्गों (रूट्स) पर बिजनेस और स्?कायबॉस टिकटों पर 20 प्रतिशत तक छूट (करों और शुल्कों को छोड़कर) दे रही है। यह छूट एक मार्च से 22 मई, 2025 तक की यात्रा के लिये होगी और यात्री चेकआउट पर प्रोमो कोड लीडरनोव (एलईएडीईआरएनओवी) का इस्तेमाल कर इसका लाभ ले सकते हैं। इस छूट में इसमें कर एवं शुल्क शामिल नहीं हैं।यात्री इस खास पेशकश का फायदा उठाने के लिए वियतजेट की आधिकारिक वेबसाइट पर या फिर वियतजेट मोबाइल एप का इस्तेमाल कर सकते हैं।वियतजेट एशिया तथा ऑस्ट्रेलिया में 168 मार्गों पर उड़ानों का परिचालन करती है। वियतजेट ने वियतनाम और भारत के बीच सीधे कनेक्शन की पहल की है और यह बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिये लगातार अपने रूट्स बढ़ा रही है। मौजूदा समय में एयरलाइन दोनों देशों के बीच हफ्ते में 68 उड़ानें चला रही है। कंपनी ने भारत के महत्वपूर्ण शहरों, जैसे कि नई दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद और कोच्चि को वियतनाम के प्रमुख गंतव्यों जैसे कि हनोई, डा नांग और हो चि मिन्ह सिटी से जोड़ा है।

हर्षवर्धन अग्रवाल फिक्की के अध्यक्ष निर्वाचित, 21 नवंबर को संभालेंगे कार्यभार

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े उद्योग निकाय भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) ने हर्षवर्धन अग्रवाल को नया अध्यक्ष चुना है। उद्योग निकाय फिक्की की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति की बैठक (एनईसीएम) में हर्षवर्धन अग्रवाल अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किए गए। वे 21 नवंबर को 97वीं वार्षिक आम बैठक के समापन पर अपना कार्यभार संभालेंगे। वे वर्तमान में फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं।उद्योग संगठन ने बताया है कि इमामी लिमिटेड के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक हर्षवर्धन अग्रवाल को 2024-25 के लिए उद्योग मंडल फिक्की का अध्यक्ष चुना गया है। अग्रवाल 21 नवंबर को राजधानी नई दिल्ली में आयोजित होने वाली फिक्की की 97वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के समापन पर महिंद्रा एंड महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक और मौजूदा अध्यक्ष डॉ. अनीश शाह की जगह लेंगे। उल्लेखनीय है कि हर्षवर्धन अग्रवाल 3.1 अरब अमेरिकी डॉलर के विविध व्यवसाय समूह इमामी के दूसरी पीढ़ी के नेता हैं। उन्हें 2016 में द इकोनॉमिक टाइम्स और स्पेंसर स्टुअर्ट द्वारा प्रतिष्ठित 'अंडर 40' सूची में भारत के सबसे हॉट यंग बिजनेस लीडर के रूप में सम्मानित किया गया था। वे अपने व्यापक बहु-कार्यात्मक ज्ञान और अनुभव के साथ अग्रवाल समूह इमामी लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में

एफएमसीजी व्यवसाय का नेतृत्व करते हैं। हर्षवर्धन अग्रवाल, एक कुशल रणनीतिकार, विविध इमामी समूह के रणनीतिक थिंक-टैंक के एक प्रमुख सदस्य भी हैं, जो संगठन के विकास को आगे बढ़ाते हैं।

वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमत बढ़ने से महंगी हुई थाली

एजेंसी

नई दिल्ली खाद्य तेलों की कीमतों में आई तेजी के कारण अक्तूबर और उसके बाद भी वैश्विक बाजार में खाद्य कीमतों में 7.3 फीसदी का अच्छा-खासा उछाल देखने को मिला है। इस वजह से वैश्विक खाद्य सूचकांक पिछले 18 महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) ने एक रिपोर्ट में दी है। एफएओ का खाद्य मूल्य सूचकांक अंतराष्ट्रीय स्तर पर हर माह खाद्य कीमतों में हो रहे उतार-चढ़ाव को साझा करता है। रिपोर्ट के अनुसार अक्तूबर 2024 में खाद्य मूल्य सूचकांक सितंबर माह के मुकाबले दो फीसदी बढ़कर 127.4 तक पहुंच गया। अक्तूबर में खाद्य उत्पादों की कीमतों में भी खासा उछाल देखा गया। केवल मांस की कीमतों में ही गिरावट आई है। इस दौरान खाद्य तेल मूल्य सूचकांक औसतन 152.7 अंक तक पहुंच गया। यह पिछले साल अक्तूबर की तुलना में 5.5 फीसदी ज्यादा है। कीमतों में यह वृद्धि मुख्य रूप से पाम, सोया, सूरजमुखी और रेपसीड तेलों की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है। पाम तेल की कीमतों में लगातार पांचवें महीने वृद्धि हुई। पाम आयल की बढ़ती कीमतों का मुख्य कारण दक्षिण पूर्व एशिया में अपेक्षा से कम उत्पादन है। मलेशिया, इंडोनेशिया इसके मुख्य उत्पादक हैं।

डेयरी उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी

रिपोर्ट के अनुसार इस दौरान डेयरी मूल्य सूचकांक भी 139.1 अंक तक पहुंच गया, जो सितंबर की तुलना में 1.9 फीसदी की अधिक है। पिछले साल अक्टूबर के महीने से तुलना करें तो यह 21.4 फीसदी ज्यादा है। यह वृद्धि खासतौर पर

वैश्विक बाजार में पनीर और मक्खन की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। इसकी वजह यूरोपियन यूनियन में मौसमी रूप से दूध के उत्पादन में गिरावट है। मक्खन की कीमतों में लगातार 13वें महीने उछाल देखा गया है।

भारत की वजह से चावल मूल्य सूचकांक गिरा

भारत की वजह से चावल मूल्य सूचकांक में में 5.6 फीसदी की गिरावट आई है। इसका मुख्य कारण इंडिका चावल की कीमतों में गिरावट रही, क्योंकि भारत ने साबुत चावल के निर्यात पर प्रतिबंध हटा दिया। इसकी वजह से निर्यातकों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा बढ़ गई।

बढ़ता तनाव भी कीमतों में वृद्धि का कारण

गेहूं की कीमतों में लगातार दूसरे महीने बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके लिए यूरोपियन यूनियन, रूस और अमेरिका जैसे प्रमुख निर्यातक क्षेत्रों में का खराब मौसम जिम्मेदार है। इस दौरान मक्के की कीमतों में भी अच्छी खासी बढ़ोतरी हुई है। ब्राजील में मजबूत मांग और अमेजन नदी का घटता जलस्तर इसकी बड़ी वजह है। इसकी वजह से अनाज ट्रांसपोर्ट सम्बन्धी समस्याएं पैदा हो गई हैं। अर्जेंटीना में सूखे की स्थिति और यूक्रेन में मक्के की लगातार बढ़ती मांग की वजह से भी कीमतों में वृद्धि हुई है। इस दौरान जौ की कीमतों में तेजी और ज्वार की कीमतों में गिरावट आई है।

प्रोटीन का पावरहाउस हैं ये देसी बड़ियां, नॉनवेज भी इसके आगे फेल, डेली 100 ग्राम खाने से होंगे ये 5 जबरदस्त फायदे

सोयाबीन से बने प्रोडक्ट्स में सबसे ज्यादा लोग सोयाबीन बड़ी यानी सोया चंक्स खाना पसंद करते हैं. सोयाबीन चंक्स प्रोटीन का मुख्य स्रोत हैं. साथ ही इसमें फाइबर भी काफी होता है. हर दिन सोयाबीन चंक्स खाने से क्या फायदे होते हैं, जानिए यहां.

सोयाबीन से बनी चीजों का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है. सोयाबीन से कई प्रोडक्ट्स बनाये जाते हैं जैसे सोया मिल्क, सोया सॉस, सोयाबीन ऑयल, टोफू, सोया नट्स, सोया चंक्स, सोया आटा आदि. सोयाबीन से बने गोल-गोल छोटे-छोटे सोया चंक्स (Soya chunks), खाना भी काफी हेल्दी है. कुछ लोग या बच्चे तो सोया चंक्स को नॉनवेज समझकर खाते हैं. प्रोटीन और फाइबर का मुख्य सोर्स है सोया चंक्स. साथ ही इसमें पोटैशियम, मैग्नीशियम, फोलेट भी होते हैं. सोया चंक्स का इस्तेमाल सब्जी, पुलाव, फास्ट फूड आदि में खूब किया जाता है. चलिए जानते हैं किस तरह से सोया चंक्स का सेवन सेहत के लिए है फायदेमंद.

सोया चंक्स के फायदे (Soya badi khaane ke fayde)

1. न्यूट्रिशनिस्ट शांभवी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे बता रही हैं. प्रतिदिन आप 100 ग्राम सोया चंक्स खाते हैं तो आपको कई तरह के फायदे होते हैं. 100 ग्राम सोया चंक्स आपको लगभग 54 ग्राम प्रोटीन देगा. सोया चंक्स में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है. ऐसे में जो लोग मांसाहारी नहीं हैं, वे प्रोटीन की कमी दूर करने के लिए सोया चंक्स डेली खा सकते हैं. शांभवी वीडियो में आगे कहती हैं कि चूंकि सोया चंक्स में प्रोटीन होता है, जिसमें 9 तरह के अमीनो एसिड्स मौजूद होते हैं. ऐसा किसी भी वेजिटेरियन फूड में शायद ही देखा जाता है.

2. इसके साथ ही सोया चंक्स खाने से दिल को फायदा पहुंच सकता है. इसमें फाइबर के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं जो शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने का काम करते हैं. साथ ही इसमें अनसैचुरेटेड फैट भी होता है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को हाई नहीं होने देता है.

3. सर्दियों में आपको जोड़ों में दर्द रहता है या हड्डियों की समस्या शुरू हो जाती है तो आप सोयाबीन प्रोडक्ट्स को डाइट में शामिल करें. इसमें सोया मिल्क, सोया चंक्स का सेवन आप रेगुलर करें. कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर की पूर्ति होगी.

4. वजन कम करने के लिए भी आप सोया चंक्स खा सकते हैं. फाइबर होने के कारण ये पेट को देर तक भरा रखता है. कम भूख लगती है, जिससे आप कुछ भी उल्टा-सीधा खाने से बचे रहते हैं. वजन भी इस तरह से बढ़ता नहीं है.

5. चूंकि, इसमें फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को भी स्वस्थ रखता है. बाउल मूवमेंट सही रहता है और कब्ज की समस्या से बचाव होता है.

कैसे करें सोया चंक्स का सेवन

आप सोया चंक्स को पुलाव, वेज बिरयानी, आलू मटर की सब्जी, सलाद,, फास्ट फूड में डाल सकते हैं. इसके साथ ही दूध, पनीर, चीज, दही के साथ पेयर करके खा सकते हैं, ताकि प्रोटीन इनटेक और भी अधिक बढ़ जाए.

भाईचारा बढ़ाने वाली मड़ई मेलों की परंपरा

ऐसे मेलों का आयोजन प्रकृति की गोद में बसे पहाड़ों व जंगलों के आसपास, पेड़ों के नीचे, तालाब व नदियों के किनारे होता है। और इनसे यहां के बाशिन्दों का खास रिश्ता होता है, वे प्रकृति पूजक हैं। उनके देवी-देवता भी जंगल में ही हैं। वे जंगल से उतना ही लेते हैं, जितनी जरूरत है। इसलिए ऐसे मेलों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीने की प्रेरणा भी मिलती दिखाई देती है। ऐसे मेलों से प्राचीन संस्कृति व इतिहास में झांकने का भी एक मौका मिलता है।मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ दोनों ही सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध हैं। दोनों ही अविभाज्य मध्यप्रदेश में एक थे। कुछ साल पूर्व ही अलग हुए हैं। लेकिन इनकी सांस्कृतिक परंपराएं कुछ हद तक मिलती हैं। मेलों व तीज-त्योहारों में इस सांस्कृतिक विविधता की झलक मिलती है। दीपावली के बाद मध्यप्रदेश के सतपुड़ा अंचल में मड़ई मेलों का सिलसिला चलता है, हरेक गांव में मड़ई मेला होता है। ऐसी परंपराओं से प्राचीन संस्कृति की झलक तो मिलती ही है, गांवों के जीवन में उत्साह का संचार भी होता है। आज इस कॉलम में इस पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे इन तीज-त्योहारों व मेलों के माध्यम से आपस में भाईचारा बढ़ाने वाली व जोड़ने वाली परंपराओं को समझा जा सके।छुटपन से मैं मड़ई मेलों में जाता रहा हूं। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के गांवों में मुझे मड़ई में जाने का मौका मिला है। मड़ई यानी मंडप होता है। मेला यानी मिलना, देखना, मेल-मिलाप करना। मेल-मिलाप का प्रयोजन कई प्रकार का होता है। मेलों में काफी भीड़ उमड़ती है। यहां देवी-देवताओं का मिलन भी होता है, इसे देव मिलन भी कह सकते हैं। मड़ई पर लोग अपने गांव की ढाल भी लेकर आते हैं, यह बांस के एक सिरे पर मोर पंख से छतरीनुमा बनाई जाती है, इसे देवी का रूप माना जाता है। इन्हें लोग समूह बनाकर, नाचते-गाते मंडई में लेकर आते हैं और विधि विधान से पूजा-अर्चना करते हैं।मड़ई एक छोटे बाजार की तरह होती है। यह मेले नदियों के किनारे, पेड़ों के नीचे, मैदानों में होते हैं। इस प्रकार, खेती-किसानी, प्रकृति और पर्यावरण से तीज-त्योहारों से निकट का संबंध होता है। ऐसे मौकों पर आपसी भाईचारा भी देखने को मिलता है। ऐसे मेले, प्राचीन जमाने के दिनों की याद दिलाते हैं, जब न तो टेलिविजन होते थे, और न ही आने जाने के लिए कोई साधन। पूर्व में मेला ही मिलने-जुलने और एक दूसरे से जुड़ने का माध्यम होते थे। वर्तमान में तो यह साधन उपलब्ध हैं। इसके अलावा, इसमें धार्मिक, सांस्कृतिक, व्यापारिक और लोककला का प्रचार-प्रसार भी होता है।मेले में कई तरह की दुकानें होती हैं। भोजन की, मिठाईयों की और खिलौने की दुकानें होती हैं। मनोरंजन के लिए झूले होते हैं। यहां लोग घरेलू व रसोई में काम आने वाली चीजें भी खरीदते हैं, पशु और साज-सज्जा के सामान भी बिकते हैं। मेले में तरह-तरह की मिठाईयां मिलती हैं। चाट व गोलगप्पे भी होते हैं। रेवड़ी, और मोतीचूर व खोवा के लड्डू। भुने चने, मूंगफली, सिंघाड़े, अमरूद इत्यादि कई चीजें मिलती हैं। बच्चों के लिए तरह-तरह के खिलौने व रंग-बिरंगे गुब्बारे आकर्षित करते हैं। सभी को अपनी रूचि का सामान मेलों में मिल जाता है।मेलों में कई तरह के नृत्य देखने को मिलते हैं। इसी प्रकार ढोल व टिमकी की थाप पर लोक गीतों को यहां सुना जा सकता है। युवा रंग-बिरंगी पोशाकों में नाचते गाते देखे जा सकते हैं। देवी देवताओं की विधि विधान से पूजा-अर्चना भी होती है।इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ में दीपावली के मौके पर राउत नाचा बहुत ही प्रसिद्ध है। यह पारंपरिक नृत्य है। इसमें विशेष वेशभूषा में लोग टोलियों में नाचते गाते हैं। और गांव व इलाके में घर-घर जाकर उनके समृद्धि व खुशहाली की कामना की जाती है।मुझे एक गांव के ग्रामीण ने बताया कि वह भुने चने व मूंगफली बेचने के लिए कई मेलों में जाता है। चाय भी बनाकर बेचता है। यानी मेले कई छोटे दुकानदार व फुटपाथ पर सामान बेचने वालों, खोमचे व चाट बेचने वालों के रोजगार का भी माध्यम होता है। कई लोगों को इससे आजीविका भी मिलती है।सतपुड़ा अंचल में मेले के आयोजन में सक्रिय एक ग्रामीण ने बतलाया कि पुराने समय में जब बीमारियां ज्यादा बढ़ने लगीं, तब बंगाल से गांगो (देवी) को लेकर आए। वह जादूगरनी थी। उसने बीमारियों से रक्षा की, ऐसा माना जाता है, तभी से यह मंडई की परंपरा पुरखों से चल रही है। कई तरह के विधि विधान से इसकी पूजा की जाती है। होम, धूप, गुड़, नारियल, नींबू जैसी कई चीजें पूजा में लगती हैं।एक अन्य ग्रामीण ने बताया कि यह त्योहार पशुओं (गाय-बैल) से जुड़ा है। इस मौके पर उन्हें नहलाते-धुलाते हैं। उन्हें सजाते हैं। खीर व अनाज खिलाते हैं। गोवर्धन पूजा के दिन गाय-बैलों की पूजा करते हैं। लेकिन इन दिनों मवेशी मारे-मारे फिर रहे हैं।

देसी बीजों के संरक्षण में लगे बाबूलाल दाहिया बताते हैं कि हमारे सभी त्योहार खेती से जुड़े हैं। दीवाली भी इनमें से एक है। इसी समय खरीफ की फसलें पककर आने लगती हैं। खुशी व उल्लास का मौका होता है। किसानों से ही अन्य जातियां जुड़ी हैं। इन सबको इनके काम, सामान व सेवाओं के बदले अनाज दिया जता है, जिससे इनके घर में खुशियां आती हैं।वे आगे बताते हैं कि इस मौके पर गाय-बैल को सजाया जाता है। उनकी पूजा की जाती है। हल-बक्खर जैसे कृषि-औजारों की पूजा की जाती है। यह वह समय होता है जब किसान के घर में खरीफ की फसल पककर घर आ जाती है- ज्वार, मक्का, चावल और उड़द जैसी दालें। अरहर की फसल को छोड़कर, वह बाद में आती है, सब फसलें आ जाती हैं।वे आगे बताते हैं कि पहले स्कूलों में लंबी छुट्टी (24 दिन की) हुआ करती थी, जिसे फसली छुट्टी भी कहते थे। इस दौरान बच्चे उनके मां-बाप के साथ खेतों के काम में मदद करते थे। खेती के तौर-तरीकों सीखते थे, आसपास के पर्यावरण से परिचित होते थे। ज़मीनी हकीकत से जुड़ते थे। रिश्तेदारों के घर जाते थे। अब यह छुट्टी कम हो गई है।बाबूलाल दाहिया कहते हैं कि च्च् अब गांव, खेती, अनाज, लोक कला, संस्कृति पीछे होते जा रहे हैं। औद्योगिक सभ्यता आगे बढ़ रही है। एक दिवाली भागती हुई सभ्यता की प्रतीक बन गई है तो दूसरी दिवाली कृषि सभ्यता में ठहर गई है। एक दिवाली में गगनचुंबी इमारतों में होने वाली दिवाली की पार्टियों का शोर है तो दूसरी दिवाली अब गांवों में उजड़ती दिख रही है, खेती और गांव उजड़ती हुई सभ्यता के प्रतीक बन रहे हैं।

सतपुड़ा अंचल के साहित्यकार कश्मीर उप्पल बताते हैं कि मेला कला, संस्कृति व सामाजिकता के संगम हुआ करते थे। जैसे संगम में कई नदियां एकत्रित होती हैं, उसी तरह मेलों में कई तरह की सीख होती थी। यहां हाथ से बनी चीजें होती थीं, मिट्टी से बने खिलौने होते थे, उनमें सुघड़ता व कारीगरी होती थी। छोटी-छोटी दुकानें होती थी, जहां लोग उनके उत्पाद बेचते थे। लेकिन अब इन सबकी जगह रेडीमेड सामान ले रहे हैं। इससे गांव और अभावग्रस्त होते जा रहे हैं।कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है कि मेले से ग्रामीण जीवन की धीमी गति में उत्साह, उल्लास व जोश पैदा होता है। सामाजिक एकरसता व तनाव से मुक्ति दिलाते हैं। गांव- समाज में नई ऊर्जा का संचार करते हैं। प्रकृति से मेलों व त्योहारों का रिश्ता होता है। ऐसे मेले प्रकृति को बचाने, सामूहिकता का भाव पैदा करने, पारस्परिक सौहार्द, एक दूसरे से सहयोग करने की परंपरा की याद दिलाते हैं। इनसे आपसी सूझबूझ का विकास भी होता है।चूंकि ऐसे मेलों का आयोजन प्रकृति की गोद में बसे पहाड़ों व जंगलों के आसपास, पेड़ों के नीचे, तालाब व नदियों के किनारे होता है। और इनसे यहां के बाशिन्दों का खास रिश्ता होता है, वे प्रकृति पूजक हैं। उनके देवी-देवता भी जंगल में ही हैं। वे जंगल से उतना ही लेते हैं, जितनी जरूरत है। इसलिए ऐसे मेलों से प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीने की प्रेरणा भी मिलती दिखाई देती है। ऐसे मेलों से प्राचीन संस्कृति व इतिहास में झांकने का भी एक मौका मिलता है।मेलों की संस्कृति व परंपराएं सदियों से विकसित हुई हैं। यह आपस में जोड़ती हैं, एक दूसरे की मदद करने की परंपराएं सिखाती हैं। इससे हमें खेती व छोटे व लघु कुटीर उद्योगों की ओर बढ़ने की दिशा भी मिलती है। ऐसे कामों से गांव-समाज को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनाने में मदद मिल सकती है। लेकिन क्या हम इस दिशा में आगे बढ़ना चाहेंगे?

संपादकीय

हरियाणा की विफलता

अतीत में भी हरियाणा का लिंग अनुपात असंतुलन राज्य के लिये असहज करने वाली स्थिति ही रही है। कालांतर सरकार के प्रयासों व जन जागरूकता के चलते स्थिति में कुछ सुधार आया था। लेकिन एक बार फिर परेशान करने वाली हकीकत सामने आई है। दरअसल, वर्ष 2023 की तुलना में इस साल के दस महीनों की अवधि यानी जनवरी से अक्तूबर के बीच जन्म के समय लिंग अनुपात में ग्यारह अंकों की गिरावट दर्ज की गई है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि जिस राज्य को लगभग एक दशक पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रमुख रूप से 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना शुरू करने के लिये चुना, वहां जन्म के समय लिंग अनुपात में फिर गिरावट दर्ज की गई है। लंबे समय से लिंग असंतुलन से जूझ रहे इस राज्य को एक बार फिर चिंताजनक स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में जब इस साल के सिर्फ दो महीने की बाकी हैं, स्थिति में अधिक बदलाव की उम्मीद करना बेमाने ही होगा। जैसे कि हालात हैं इतने कम समय में बड़ा बदलाव संभव नहीं है। तो इसे पिछले आठ वर्षों की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में देखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में जन्म के समय का लिंगानुपात वर्ष 2015 में 876 से बढ़ने पर आशातीत परिवर्तन की शुरूआत हुई थी। इसी साल 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत भी की गई थी। कालांतर सरकारी प्रयास और जन भागीदारी से इस दिशा में आशातीत परिणाम सामने आए। जिसके चलते वर्ष 2019 में लिंगानुपात 923 के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक जा पहुंचा था। लेकिन हाल के वर्षों में इसमें फिर गिरावट देखी जा रही है। जो तंत्र को आत्ममंथन को बाध्य करती है कि इस गिरावट के तात्कालिक कारण क्या हो सकते हैं। यह भी एक हकीकत है कि सकारात्मक बदलाव सिर्फ सरकारी प्रयासों से ही संभव नहीं। इसके लिये समाज में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाना नितांत जरूरी हो गया है।यह भी एक हकीकत है कि हरियाणा में लिंग अनुपात में आई गिरावट कहीं न कहीं सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में शिथिलता की ओर इशारा करती है। ऐसे कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिये जरूरी है कि बालिकाओं के जन्म को लेकर समाज में प्रगति की सोच विकसित की जाए। जिसका मकसद हो कि समाज में बालिकाओं के जन्म और अधिकारों को लेकर व्यावहारिक परिवर्तन लाया जाए। लोग बेटियों को लेकर किसी तरह की असुरक्षा महसूस न करें। मौजूदा स्थितियों को देखकत तो ऐसा लगता है कि हमारा तंत्र कन्या भ्रूण हत्या संकट खत्म करने के लक्ष्यों से अभी भी काफी दूर है। वहीं दूसरी ओर लिंग निर्धारण परीक्षणों में शामिल लोगों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों की संख्या में इस साल आई चिंताजनक गिरावट कानून प्रवर्तन और स्वास्थ्य एजेंसियों की कार्यशैली पर एक सवालिया निशान भी है। निस्संदेह, भ्रूण हत्या जैसे कृत्य करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने से किसी भी स्तर पर चूक नहीं की जानी चाहिए। एक और बड़ी चुनौती समाज में गहरी जड़ें जमा चुकी पितृसत्तात्मक मानसिकता को बदलने की भी है। इस बात में कोई दो राय नहीं हो सकती कि लिंगानुपात में विषमता उस राज्य के लिये शर्मिंदगी की ही बात है, जिसकी तमाम महिला खिलाड़ी, विशेष रूप से महिला पहलवान, महिला निशानेबाज और महिला मुक्केबाज अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में धूम मचा रही हैं। ऐसे वक्त में जब हाल ही में डबल इंजन सरकार को राज्य के लोगों ने लगातार तीसरी बार सकारात्मक परिवर्तन के लिये चुना है, उसका भी दायित्व बनता है कि तंत्र की कारगुजारियां समाज में बदलाव की वाहक बनें। इन हालात में हरियाणा को हमेशा लैंगिक समता के क्षेत्र में पिछड़ने के बजाय बेटियों का जश्न मनाने में अग्रणी रहना चाहिए। तभी हम एक ऐसे समाज की स्थापना करने में सक्षम हो सकते हैं जहां बेटे व बेटी में किसी भी स्तर का भेदभाव न हो। जन जागरण इसमें रचनात्मक भूमिका का निर्वाह कर सकता है।

प्रजा के हित में प्रजातंत्र

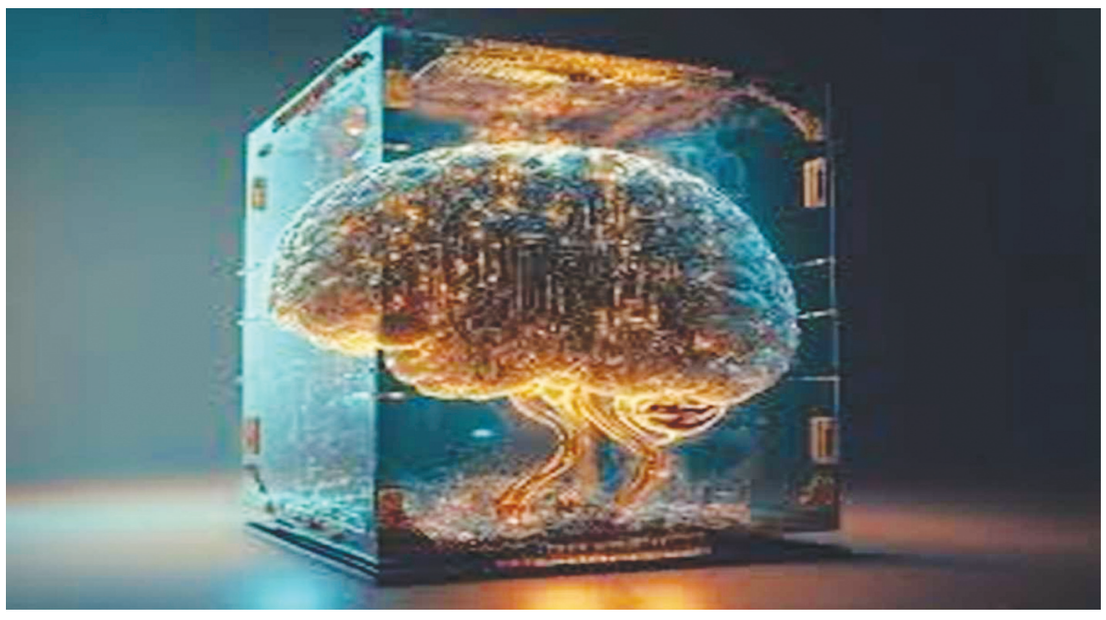

एक समय तक मनुष्य को यह समझ आ गया कि शक्ति हाथ में आ जाने के निजी लाभ भी हैं, इसलिए शासन को शक्ति द्वारा हथियाने के प्रयास शुरू हुए। छोटे-छोटे रजवाड़े और बाद में बड़े-बड़े साम्राज्य खड़े होते गए। जैसे-जैसे साम्राज्यों का विस्तार होता गया वैसे-वैसे शासन द्वारा आंतरिक और बाह्य स्तर पर लूट-खसोट के अवसर भी बढ़ते गए। आधुनिकता के साथ-साथ उद्योग और व्यापार में बढ़ोतरी हुई।

प्रजातंत्र अब तक मानव मस्तिष्क द्वारा खोजे गए शासन के तरीकों में से बेहतरीन तरीका साबित हुआ है। आखिर शासन की जरूरत क्यों पड़ी होगी? जब मनुष्य कबीलों में रहता था तो भोजन, आवास की बुनियादी सुविधाओं को जुटाने के लिए आपस में मिल-जुलकर कार्य करने की जरूरत पड़ी होगी जिसके लिए कुछ नियम बने होंगे। मानव सहज वृतियों के चलते टालमटोल करके मेहनत से बचने का प्रयास कर सकता है, कोई अपनी जरूरत से ज्यादा झपटने का प्रयास कर सकता है, इसलिए कबीले के भीतर मुखिया जैसी व्यवस्था खड़ी हुई होगी। फिर दूसरे कबीले एक-दूसरे के संसाधनों पर कब्जा करने के लिए हमलावर हो सकते थे, उनसे सुरक्षा की जरूरत थी। तीसरी जरूरत आंधी, तूफ़ान, ठंड, गर्मी, बाढ़ जैसे प्राकृतिक प्रकोपों से मिलजुल कर बचाव के लिए समूह की थी। धीरे-धीरे आपस में न्याय, दूसरों से सुरक्षा और प्रकृति से सुरक्षा के लिए ढांचागत निर्माण, वनोपज और शिकार के हथियारों आदि के लिए धीरे-धीरे कुछ नियमों द्वारा समाज के संचालन की शुरुआत हुई और इसी से शासन पद्धतियों का विकास हुआ।

एक समय तक मनुष्य को यह समझ आ गया कि शक्ति हाथ में आ जाने के निजी लाभ भी हैं, इसलिए शासन को शक्ति द्वारा हथियाने के प्रयास शुरू हुए। छोटे-छोटे रजवाड़े और बाद में बड़े-बड़े साम्राज्य खड़े होते गए। जैसे-जैसे साम्राज्यों का विस्तार होता गया वैसे-वैसे शासन द्वारा आंतरिक और बाह्य स्तर पर लूट-खसोट के अवसर भी बढ़ते गए। आधुनिकता के साथ-साथ उद्योग और व्यापार में बढ़ोतरी हुई। अब समाज अपने जीवन-यापन योग्य उत्पादों को पैदा करके आत्मनिर्भरता तक सीमित न रहकर, जरूरत से ज्यादा वस्तुओं का उत्पादन करके उनका व्यापार करके अतिरिक्त आय सृजन के अवसर तलाशने लगा। ऐशो-आराम के साधन जुटाने के साथ बड़ी-बड़ी सेनाएं भी रखने लगा। बड़ी सेनाओं के बूते दूसरे देशों के संसाधनों को कब्जा करने, अपनी धार्मिक मान्यताओं को जबरदस्ती दूसरे लोगों पर थोपने का क्रम आरंभ हुआ।

इससे आन्तरिक और बाह्य दोनों तरह का अन्याय बढ़ता गया। इसी कष्ट से मुक्ति के प्रयास के फलस्वरूप प्रजातंत्र का उदय हुआ। इसके पीछे मूल भावना यह थी कि कोई एक राजा नहीं होगा जो जब चाहे तब तक, मनमाने फैसले करके जनता और विश्व-समाज का शोषण करता रहे। इसकी बजाय समाज सामूहिक रूप से अपने लिए स्वयं निर्णय करके निश्चित अवधि के लिए सरकार चुने। भारत में इस तरह के प्रयोग स्वतंत्र जनपदों के माध्यम से हुए जिन्हें संघ या गण कहा जाता था। यूरोप में वर्तमान प्रजातंत्र का उदय हुआ। यूनान के एथेंस को वर्तमान प्रजातंत्र का जनक माना जाता है। लंबे समय तक कई बदलावों और संघर्षों के बाद ब्रिटेन में पहली पार्लियामेंट 1707 ईस्वी में बनी। हालांकि तब तक प्रजातंत्र का स्वरूप सीमित अभिजात्य वर्ग तक ही उपलब्ध था। अमेरिका ने सीमित प्रजातंत्र की अवधारणा को अमान्य करके 1776 में अमेरिकन स्वतंत्रता की उद्घोषणा में कहा कि सभी मनुष्य समान बनाए गए हैं, उन्हें पैदा करने वाले ने कुछ अधिकार दिए हैं जिनका उल्लंघन नहीं किया जा सकता, जिनमें से जीवन, स्वतंत्रता और प्रसन्नता प्राप्त करने के प्रयास करने का अधिकार मुख्य हैं।

कालांतर में अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने प्रजातंत्र को लोगों की, लोगों के द्वारा और लोगों के लिए सरकार के रूप में परिभाषित किया। मानवाधिकारों की रक्षा करते हुए व्यक्तिगत और सामाजिक रूप से विकास करने का वातावरण बनाते हुए लोग स्वयं अपने लिए जब शासन व्यवस्था का संचालन कानून के अनुसार करते हैं तब प्रजातंत्र फलीभूत होता है। प्रजातंत्र का आधार मौलिक अधिकार हैं और समानता को चरितार्थ करने के लिए क़ानून का शासन मुख्य उपकरण है। क़ानून का सर्वोच्च प्रकार संविधान है जिसके दायरे में रहकर बाकी क़ानून बनाए जाते हैं। कोई क़ानून ठीक नहीं है तो उसको संशोधित करने की व्यवस्था होती है, किन्तु जब तक है तब तक उसको मानना पड़ता है। सब पर बराबर लागू होने को क़ानून का शासन कहा जाता है।

शासन के मुख्य काम न्याय करना, क़ानून बनाना, प्रशासन संभालना और विकास की नीतियों और कार्यों को लागू करना होते हैं। यदि एक ही व्यक्ति क़ानून बनाएगा, न्याय करेगा और प्रशासन चलाएगा तो वह तानाशाह बन सकता है, इसीलिए इन तीनों शक्तियों को अलग-अलग संस्थाओं के हाथ में रखा जाता है जिसे हम शक्तियों के पृथक्करण का सिद्धांत कहते हैं।

मोटे तौर पर प्रजातांत्रिक प्रणालियां कई प्रकार की हैं जिनमें प्रत्यक्ष प्रजातंत्र,अप्रत्यक्ष प्रजातंत्र, संसदीय प्रणाली और संघीय प्रणाली मुख्य हैं। स्विट्जरलैंड में प्रत्यक्ष प्रणाली है, तो भारत और ब्रिटेन संसदीय प्रणाली के और अमेरिका संघीय प्रणाली से शासित हैं। छोटे देशों में प्रत्यक्ष प्रजातंत्र संभव है, जहां समय-समय पर लोग इकट्ठा होकर फैसले ले सकते हैं, किन्तु बड़े देशों में चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा शासन चलाया जाता है। चुने हुए प्रतिनिधि कई बार समाज से कट जाते हैं या निजी स्वार्थवश जनहित की अनदेखी कर सकते हैं इसलिए जीवंत प्रजातंत्रों में सरकारों को समय-समय पर चेताने और जमीनी समस्याओं की जानकारी देने का काम स्वतंत्र मीडिया करता है। इसके साथ ही हर वर्ग को अपने-अपने हितों की रक्षा के लिए आवाज उठाने की छूट रहती है। इससे सरकारों को जमीनी स्तर पर हर पक्ष की बात जानने का मौका रहता है। कई बार सरकारें सामाजिक संगठनों द्वारा आवाज उठाने को सरकारों का विरोध मानकर दबाने का प्रयास करने लगती हैं जिससे मुद्दों पर सर्वांगीण विचार और बहस के मौके समाप्त हो जाते हैं। व्यापक जनहित में ही सरकारें काम करती हैं, किन्तु बहुत सी बातें सरकारों के ध्यान में नहीं भी आ सकतीं। ऐसी स्थिति में सामाजिक संगठन उस कमी को पूरा करते हैं और प्रजातंत्र को मजबूत और सर्वसमावेशी बनाते हैं। यदि ये सामाजिक संगठन वैज्ञानिक समझ और शोध के आधार पर अपनी बात रखें तो सरकार को भी अपने कर्तव्य निर्वहन में मदद मिलती है।

प्रजातंत्र की मजबूती के लिए सरकारों को इन सभी स्तंभों को पुष्ट करते रहना और उचित व्यवस्था बनाते रहना चाहिए। जहां भी मतभेद हों वहां चर्चा करके मार्ग निकालना चाहिए। मीडिया और सामाजिक संगठनों का भी दायित्व है कि वे निष्पक्षता से काम करें। किसी दलगत सोच के पक्षधर होने से वे अपनी भूमिका से हट जाते हैं। आचार्य विनोबा भावे ने सामाजिक संगठनों की इसी भूमिका को इंगित करते हुए %आचार्यकुल% संस्था की स्थापना की थी। इसका मुख्य कार्य समाज का मुद्दा आधारित निष्पक्ष मार्गदर्शन करना था। अपनी निष्पक्षता को असंदिग्ध और दृढ रखने के लिए इसके सदस्यों से दलगत गतिविधियों से दूर रहने, यहां तक कि वोट भी न डालने की अपेक्षा की गई थी। सामाजिक संगठन इस भूमिका में आकर निस्संदेह प्रजातंत्र को ज्यादा निष्पक्ष, न्यायपूर्ण और जीवन्त बनाने में भूमिका निभा सकते हैं। यही बात मीडिया पर भी लागू होती है।

टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है गले में खराश का कारण

क्या आपके गले में हमेशा खराश बनी रहती है? मौसम का बदलाव या सर्द-गर्म की वजह से इसे सामान्य समस्या न समझो। इस खराश का कारण टॉन्सिल्स या गले का संक्रमण भी हो सकता है।

गले में खराश होना आम बात होती है। इसमें गले में कांटे जैसी चुभन, खिचखिच और बोलने में तकलीफ जैसी समस्याएं आती हैं। ऐसा बैक्टीरिया और वायरस के कारण होता है। कई बार एलर्जी और धूम्रपान के कारण भी गले में खराश की समस्या होती है। गले के कुछ संक्रमण तो खुद-ब-खुद ही ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में इलाज की जरूरत पड़ती ही है। आमतौर पर लोग गले की खराश को आम बात समझ कर अक्सर अनदेखा करते रहते हैं। लेकिन गले की किसी भी परेशानी को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ये गंभीर बीमारी का रूप भी ले सकती है। गले का संक्रमण आमतौर पर वायरस और बैक्टीरिया के कारण होता है। इसके अलावा फंगल इंफेक्शन भी होता है, जिसे ओरल थ्रश कहते हैं। किसी खाने की वस्तु, पेय पदार्थ या दवाइयों के विपरीत प्रभाव के कारण भी गले में संक्रमण हो सकता है। इसके अलावा गले में खराश की समस्या अनुवांशिक भी हो सकती है। खान-पान में त्रुटियां जैसे ठंडे, खट्टे, तले हुए एवं प्रिजर्वेटिव खाद्य पदार्थ इसका कारण बन सकते हैं। मुंह व दांतों की साफ-सफाई न रखने के कारण भी संक्रमण की आशंकाएं बढ़ जाती हैं।

टॉन्सिल्स

गले में खराश या ग्रसनीशोथ गले का इंफेक्शन है, जिसमें गले से कर्कश आवाज, हल्की खांसी, बुखार, सिरदर्द, थकान और खासकर कुछ निगलते वक्त गले में दर्द होता है। हमारे गले में दोनों तरफ टॉन्सिल्स होते हैं, जो कीटाणुओं, बैक्टीरिया और वायरस को हमारे गले में जाने से रोकते हैं, लेकिन कई बार जब ये टॉन्सिल्स खुद ही संक्रमित हो जाते हैं, तो इन्हें टॉन्सिलाइटिस कहते हैं। इसमें गले के अंदर दोनों तरफ के टॉन्सिल्स गुलाबी व लाल रंग के दिखाई पड़ते हैं। ये थोड़े बढ़े हुए होते हैं और ज्यादा लाल होते हैं। कई बार इन पर सफेद चकते या पस भी दिखाई देता है। वैसे तो टॉन्सिलाइटिस का संक्रमण उचित देखभाल और एंटीबायोटिक से ठीक हो जाता है। लेकिन इसका खतरा तब अधिक बढ़ जाता है, जब ये संक्रमण स्ट्रेप्टोकॉकस हिमोलिटीकस नामक बैक्टीरिया से होता है। तब ये संक्रमण हृदय एवं गुर्दे में फैलकर खतरनाक बीमारी को जन्म दे सकता है।

एडीनॉयड

एडीनॉयड अर्थात् नाक के पीछे होने वाला टॉन्सिल्स। एंडीनॉयड में संक्रमण होने पर बुखार, सर्दी, नाक एवं गले से कफ आना, खांसी हो सकती है। ऐसे में रात में सांस लेने में तकलीफ होती है। इसमें मुंह खुला रहता है और कई बार खर्राटे भी आने लगते हैं। एडीनॉयड संक्रमण होने पर कान की बीमारियां हो जाती हैं।

लक्षण

- गले में दर्द रहना और सूजन आना बुखार आना
- गले के अंदर टॉन्सिल्स लाल होना व सूजन आना
- बोलने में परेशानी होना
- टॉन्सिल्स पर पीले या सफेद दाग होना
- खांसी और सांस में बदबू

सावधानी व अन्य उपचार

गले की खराश के उपचार के बारे में कहते हैं- आमतौर पर गले की खराश कोल्ड और फ्लू के वायरस के कारण ही होती है। गले के छोटे संक्रमण तो कई बार खुद ही दूर हो जाते हैं, लेकिन स्ट्रेन्टोकॉकस जैसे संक्रमण के लिए एंटीबायोटिक्स और दर्द निवारक दवाएं लेना बहुत जरूरी होता है। इसके अलावा बैक्टीरिया या वायरस आदि को बढ़ने से रोकने के लिए कुछ उपचार हैं। **इनमें निम्न उपचार प्रमुख है :**

- गले की नमी बनाए रखने के लिए पानी और जूस जैसे तरल पदार्थों का सेवन करते रहें।
- नर्म चीजें खाएं, जैसे हलवा, जई (ओट्स) और सूप।
- डॉक्टर द्वारा बताए गए निर्धारित समय पर पेरासिटामोल या आई ब्रुफिन लेते रहें।
- नमक युक्त गुनगुने पानी से गरारे करें। इससे आराम मिलेगा।
- जब गले में खराश फंगस की वजह से हो या ओरल थ्रश हो, तभी डॉक्टर एंटी-फंगल दवाएं देते हैं।
- अदरक, कैमोमाइल या कुठरा की चाय गले में आराम भी देती है और इसमें जीवाणुरोधक गुण भी हैं।
- धूम्रपान न करें और मिर्च-मसाले का भोजन न लें।

फेफड़े शरीर के सबसे सक्रिय, महत्वपूर्ण और नाजुक अंगों में से एक है। पर, दिल की तरह उन्हें सेलिब्रिटी का दर्जा प्राप्त नहीं है। जबकि, दिल से ज्यादा मौतें फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों की वजह से होती हैं। भारत में मृत्यु के दस प्रमुख कारणों में चार कारण फेफड़े व श्वसन रोगों से जुड़े हैं। क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) लोवर रेस्पिरेटरी इंफेक्शन, कैंसर (फेफड़ों का कैंसर दूसरे स्थान पर है) और ट्युबरक्लोसिस। बढ़ता वायु प्रदूषण इस समस्या की गंभीरता को और बढ़ा देता है।

बढ़ता वायु प्रदूषण बन रहा है फेफड़ों के लिए समस्या

दो दशक पहले तक फेफड़ों के कैंसर और सीओपीडी को धूम्रपान करने वालों की बीमारी माना जाता था, क्योंकि 90 प्रतिशत मामले धूम्रपान करने वालों के ही होते थे। पर, अब यह समस्याएं ज्यादातर सभी लोगों को अपना शिकार बना रही है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में वायु प्रदूषण की वजह से भारत में 16.7 लाख लोगों की मौत हुई। यह आंकड़ा 2020 में देश में कोरोना महामारी से हुई कुल मौतों से करीब 12 गुना ज्यादा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वायु प्रदूषण फेफड़ों से जुड़ी 40 प्रतिशत बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। नेचर जेनेटिक्स में प्रकाशित शोध के अनुसार, वायु प्रदूषण से सभी तरह की नॉन कम्युनिकेबल डिसीज़ेज जैसे कार्डियो वॉस्क्युलर, ऑटो इम्युन डिसीज़ेज, डायबिटीज़, अर्थराइटिस आदि का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। हम दिन भर में करीब 25,000 बार सांस लेते और छोड़ते हैं। प्रदूषित हवा के बीच लगातार रहना कई तरह से सेहत पर असर डालता है। खासकर, ठंड में वायु प्रदूषण का बढ़ना फेफड़ों की समस्या से जूझ रहे लोगों की दिक्कत बढ़ा देता है।

कैसे डालते हैं प्रदूषक सेहत पर असर

सेहत पर सबसे अधिक बुरा असर पार्टिकुलेट मैटर (पीएम), ओजोन, नाइट्रोजन डाय ऑक्साइड और सल्फर डाईऑक्साइड का पड़ता है। ईंधन के जलने, बिजली के उपकरण व औद्योगिक प्रक्रियाओं से सल्फर डाई ऑक्साइड निकलती है। जिसके कारण सांस फूलना, लगातार नाक से पानी निकलने लगता है। 10 और 2.5 माइक्रॉन से कम व्यास वाले पीएम सेहत के लिए बहुत हानिकारक होते हैं। ये सांस से फेफड़ों में प्रवेश करते हैं और रक्त के प्रवाह में मिल जाते हैं।

ऐसे रहेंगे फेफड़े स्वस्थ और मजबूत

- नीम प्रदूषकों को अवशोषित करके शरीर से वायु प्रदूषण के असर को कम करने में मदद करता है। इसके लिए त्वचा व बालों को नीम की पत्तियों के उबले हुए पानी से धोने से त्वचा व म्युकोसल मैम्ब्रेन में फंसे पोषक तत्व बाहर निकलते हैं। सप्ताह में दो बार नीम की 3-4 पत्तियां चबाने से भी लाभ मिलता है।
- तुलसी प्रदूषक तत्वों को सोखती है। इसका काढ़ा श्वसन रोगों में राहत देता है।
- हल्दी एक एंटीऑक्सीडेंट है। इसे घी के साथ मिलाकर लेना कफ में आराम देता है और अस्थमा अटैक में सहायता करता है।
- रोज 2-3 चम्मच देसी घी खाएं, ये लेड व पारे जैसे हानिकारक तत्वों को शरीर में जमा नहीं होने देता।
- त्रिफला पॉउडर वात, पित्त और कफ दोषों के असंतुलन को संतुलित करके इम्यूनिटी बढ़ाता है। रात में एक चम्मच शहद के साथ लें।
- श्वसन क्रियाएं प्राणायाम, कपालभाति व जलनेति करें।
- यूनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैंड मेडिकल सेंटर के अनुसार, पोषक तत्वों जैसे विटामिन ए, सी, ई और मिनरल्स जैसे जिंक, पोटेशियम, सेलेनियम और मैग्नीशियम की कमी फेफड़ों के रोगों का खतरा बढ़ाती है। रंग-बिरंगी सब्जियां, साबुत अनाज खाएं।

वायु प्रदूषण का असर

- सिरदर्द
- नाक, गला और आंखों में दर्द, सूजन और जलन
- खांसी और सांस लेने में दर्द
- निमोनिया, ब्रोन्काइटिस
- स्किन इरिटेशन
- दीर्घकालिक असर
- सेंटर नर्वस सिस्टम पर असर (सिरदर्द, बेचैनी)
- कार्डियोवैस्कुलर रोग
- श्वसन तंत्र से जुड़े रोग
- (अस्थमा, कैंसर)

वायु प्रदूषण का खतरा किन लोगों को है ज्यादा

- फेफड़े, हृदय व मधुमेह से जूझ रहे लोग
- बच्चे व बुजुर्ग
- गर्भवती महिलाएं
- बहुत अधिक समय प्रदूषित वातावरण में बिताने वाले लोग

ठंड में रहें सावधान

सर्दियों में श्वसन तंत्र से जुड़ी समस्याओं के बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं; पहला, जब तापमान में तेज गिरावट आती है तब श्वास नलिकाएं थोड़ी सिकुड़ जाती हैं जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। दूसरा, ठंडी और सूखी हवा बीमार फेफड़ों को ही नहीं स्वस्थ्य फेफड़ों को भी नुकसान पहुंचाती है। तीसरा सर्दियों में स्मोग (स्मोक+फॉग) के कारण प्रदूषण का स्तर अधिक होता है। प्रदूषित वायु श्वास नलिकाओं और फेफड़ों के साधे संपर्क में आने से ऊतकों की कोशिकाओं के डीएनए को नुकसान पहुंचता है जिससे वो क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। ऐसे में चेहरे व नाक को ढक कर रखें, जब तापमान बहुत कम हो तो खुले में व्यायाम न करें, मुंह के बजाय नाक से सांस लें, ताकि फेफड़े ठंडी हवा के सीधे संपर्क में न आएं। दमा या सांस के रोगी एन 95 मास्क पहनकर ही बाहर निकलें। गहरी सांस लें डीप ब्रीदिंग से फेफड़े साफ होते हैं। अधिक मात्रा में ऑक्सीजन अंदर जाती है और कार्बन डाईऑक्साइड बाहर निकल जाती है। डीप ब्रीदिंग का सही तरीका है, नाक से सांस अंदर लो और मन ही मन 1-2-3-4 तक गिनो, फिर मुंह से सांस छोड़ो और 1-2-3-4-5-6-7-8 तक गिनो। गहरी सांस छाती से नहीं पेट से लेनी चाहिए।

फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण

प्रदूषित वायु में सांस लेने से फेफड़ों की क्षमता और कार्यप्रणाली प्रभावित होती है और वो समय से पहले बूढ़े होने लगते हैं। लगातार टॉक्सिन्स और प्रदूषकों के संपर्क में रहने से फेफड़े क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। डब्ल्यूएचओ की इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर (आईएआरसी) के अनुसार, वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर के प्रमुख कारणों में से एक है। वायु प्रदूषण का असर बड़ों की तुलना में बच्चों पर अधिक होता है। बच्चों की श्वसन दर वयस्कों से अधिक होती है, इस कारण बच्चे सांस के जरिए अधिक मात्रा में प्रदूषक भी अंदर ले लेते हैं। बच्चों की लंबाई और आदतों के कारण वो उन प्रदूषकों के अधिक संपर्क में रहते हैं जो वायु से भारी होते हैं और उनके ब्रीदिंग जोन में केंद्रित हो जाते हैं। बच्चों का एअरवेज भी संकरा होता है और उनके फेफड़े अभी भी विकसित हो रहे हैं इसलिए थोड़ा सा भी प्रदूषण बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। जिन लोगों को धूल, मिट्टी की एलर्जी से अचानक ही दौरा पड़ने की स्थिति आती है, उन्हें इमरजेंसी दवाएं घर में रखनी चाहिए।

इनडोर प्रदूषण से भी बचें

- घरों और ऑफिसों के भीतर की हवा भी शुद्ध रखें। एअर फेशनर का उपयोग न करें, बल्कि एयर प्यूरीफिकेशन सिस्टम लगवाएं। हमेशा खिड़कियां और दरवाजे बंद करके न रहें, दिन में कुछ समय ताजी हवा अंदर आने दें। -घर के अंदर धूम्रपान न करें।
- ठहाके लगाएं ठहाका लगाकर हंसते समय बासी हवा बाहर निकल जाती है और फेफड़े ताजी हवा से भर जाते हैं।
- मसूड़े रखें स्वस्थ स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूयार्क में हुए शोध के अनुसार बीमार मसूड़ों की वजह से व्यक्ति के फेफड़े ठीक से कार्य नहीं कर पाते हैं।
- व्यायाम के समय फेफड़ों की क्षमता बढ़ जाती है। अध्ययनों के अनुसार सामान्य स्थिति में स्वस्थ व्यक्ति एक मिनट में 15 बार सांस लेता है, पर व्यायाम के दौरान यह बढ़कर 40-50 प्रति मिनट हो जाता है।
- पानी और दूसरे तरल पदार्थ अधिक लें। इससे फेफड़ों की म्युकोसल लाइनिंग पतली रहती है, जिससे फेफड़े बेहतर काम कर पाते हैं।
- संक्रमित होने से बचें। बार-बार संक्रमण फेफड़ों को नुकसान पहुंचाता है। जब जरूरी हो हाथों को साबुन और पानी से धोएं। सर्दियों में गुनगुना पानी पिएं। बार-बार चेहरे को छूने से बचें।
- रीढ़ को सीधा करके बैठें, ताकि फेफड़ों को पर्याप्त स्थान मिल सके। जो लोग दिनभर ऑफिस में कुर्सी पर बैठे-बैठे काम करते हैं, उन्हें चाहिए कि हर दो घंटे में पांच मिनट के लिये कुर्सी पर थोड़ा पीछे की ओर झुक जाएं, छाती को थोड़ा-सा ऊपर उठा दें और गहरी सांस लें।

सेहत को बिगाड़ सकता है इन चीजों का रात के समय खाना

अगर आप भी रात में इन चीजों में से कोई एक भी खाते हैं तो जरा संभल जाए। इन चीजों को रात के समय खाना आपकी सेहत को बिगाड़ सकता है। हो सके तो इन 8 चीजों को रात के समय यानी कि डिनर के भोजन में खाने से बचें।

स्नैक्स

रात के वक्त कुछ चीजें खाने से आप तौबा ही करें तो बेहतर होगा। इनमें स्नैक्स या चिप्स जैसी चीजें भी शामिल है। हालांकि इनका सेवन दिन के वक्त भी नुकसानदेह ही होता है। दरअसल इनमें अत्यधिक मात्रा में मोनोसोडियम ग्लूटामेट होता है, जो आपको नींद संबंधी समस्याएं देने के साथ ही, अन्य स्वास्थ्य परेशानियां भी दे सकता है।

एल्कोहल

रात को सोने से ठीक पहले किसी भी प्रकार का नशा या अल्कोहल का सेवन आपके लिए बेहद हानिकारक हो सकता है। यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। खास तौर से वाइन नींद की गुणवत्ता को खराब करती है नींद के समय को कम कर देती है। इसमें कैलोरी भी बहुत अधिक मात्रा में होती है।

पिज्जा

अक्सर रात के वक्त पार्टी या बाहर जाकर खाने में लोग पिज्जा पसंद करते हैं। लेकिन इसे पचाने में आपके पाचन तंत्र को काफी मेहनत करनी पड़ती है। इसके अलावा पिज्जा में चिकनाई बहुत अधिक होती है और इसमें जो सॉस व अन्य मसाले प्रयोग किए जाते हैं, वे आपके लिए हार्टबर्न का खतरा बढ़ा देते हैं। इसलिए कोशिश करें कि रात के वक्त इसका प्रयोग बिल्कुल न करें।

बर्गर

सोने से पहले बर्गर खाना भी सेहत के लिए हानिकारक होता है। बर्गर में चीज व सॉस का प्रयोग कर हम इसे भले ही इसका स्वाद बढ़ा लेते हैं, लेकिन यही चीजें पेट में प्राकृतिक एसिड के उत्पादन को बढ़ाती हैं, जिससे हार्टबर्न की समस्या हो सकती है। इसलिए कोशिश करें की चीज और सॉस से युक्त बर्गर का सेवन न ही करें।

रेड मीट

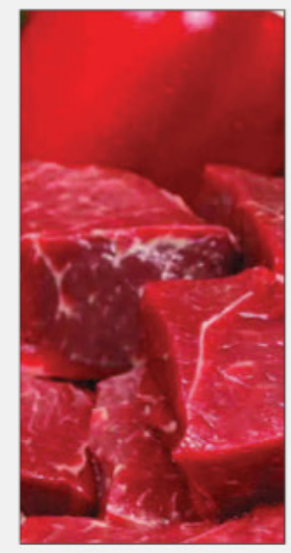

रेड मीट प्रोटीन और आयरन का स्रोत है। लेकिन इसका अधिक सेवन करने से आपको बेचैनी हो सकती है और यह आपकी नींद को भी प्रभावित कर सकता है। तो अगर आप शांति से गहरी नींद लेना चाहते हैं, तो रात में रेड मीड को नजरअंदाज करें।

पास्ता

पास्ता कैलोरी से भरपूर होता है, और इसमें सबसे अधिक कैलोरी होती है। इसमें अधिक मात्रा में कार्बोहाइड्रेट होता है जो वसा में बदल जाता है। इसके अलावा इसे चीज और अन्य फैटी चीजों के साथ बनाया जाता है जिससे इसका ग्लासिमिक सूचकांक बहुत अधिक होता है। रात के समय इसका प्रयोग हृदय और पाचन तंत्र के लिए हानिकारक होता है।

ऐसी सब्जियां

कुछ सब्जियों में अघुलनशील फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो लंबे समय तक आपका पेट भरा रखती है, और पाचन तंत्र धीमी गति से कार्य करने लगता है। ऐसे में आपको गैस या पाचन संबंधी अन्य समस्याएं हो सकती है। ऐसी सब्जियों को रात के वक्त खाने से बचना चाहिए। प्याज, ब्रोकोली, पत्तागोभी आदि सब्जियां इनमें शामिल है।

डॉर्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट में बहुत अधिक मात्रा में कैफीन व अन्य उत्तेजक पदार्थ होते हैं, जो हृदय को आराम देने के बजाए कार्यशील रखते हैं तथा मस्तिष्क को केंद्रित रखते हैं। इससे आपकी नींद बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक

रिसर्च से ये बात सामने आई है कि प्लास्टिक के बोतल और कंटेनर के इस्तेमाल से कैंसर हो सकता है। हवाई के कैंसर हॉस्पिटल के डॉक्टर एडवर्ड फुजीमोटो ने प्लास्टिक और कैंसर पर काफी शोध किया है। उनका कहना है कि प्लास्टिक के बर्तन में खाना गर्म करना और कार में रखे बोतल का पानी कैंसर की वजह हो सकते हैं। फुजीमोटो के मुताबिक कार में रखी प्लास्टिक की बोतल जब धूप या ज्यादा तापमान की वजह से गर्म होती है तो प्लास्टिक में मौजूद नुकसानदेह कैमिकल डाइऑक्सिन का रिसाव शुरू हो जाता है। ये डाईऑक्सिन पानी में घुलकर हमारे शरीर में पहुंचता है। जानकारों का कहना है कि डाइऑक्सिन हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं पर बुरा असर डालता है। इसकी वजह से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। प्लास्टिक का ज्यादा इस्तेमाल खतरनाक है। कई जानकार प्लास्टिक से कैंसर होने की बात को गलत ठहराते हैं। उनका कहना है कि अभी तक इस विषय पर आधिकारिक रिसर्च की कमी है। इसलिए कैंसर जैसी बीमारी के लिए प्लास्टिक को दोषी ठहराना गलत होगा। जानकारों का कहना है कि अगर खरीदते वक्त ही अच्छी क्वालिटी का प्लास्टिक लिया जाए तो कैंसर का खतरा टाला जा सकता है। वैसे जानकारों की सलाह है कि जहां तक हो सके खाने-पीने के लिए स्टील और कांच के बर्तनों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। प्लास्टिक की क्वालिटी को लेकर सरकार भी काफी सख्त है। प्लास्टिक के प्रोडक्ट्स के लिए बाकायदा दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं ताकि कंपनियां लोगों की आंखों में धूल न झोंक पाएं। फिर भी लोग हल्की क्वालिटी के प्लास्टिक के टिफिन और बोतल खरीदकर उन्हें इस्तेमाल करते हैं जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं।

प्रदूषण की वजह से न छोड़े Exercise

घर में ही कर सकते हैं ये 5 आसान वर्कआउट

बढ़ते प्रदूषण ने कहीं न कहीं हर किसी की सेहत पर असर डाला है। ऐसे में सभी की यही कोशिश रहती है कि बाहर नहीं निकलना पड़े। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जो मॉर्निंग वॉक भी छोड़ रहे हैं, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप भी प्रदूषण की वजह से अपना वर्कआउट छोड़ बैठे हैं, तो ऐसी गलती बिल्कुल न करें, हम आपको कुछ ऐसे इनडोर वर्कआउट बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप बिना बाहर गए भी कर सकते हैं-

डांस करें

पॉल्यूशन में घर से बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं तो आप इनडोर वर्कआट्स जैसे योगा और जुंबा ट्राई कर सकते हैं। जुंबा के अलावा आप कोई भी डांस कर सकती हैं। इससे आप फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस करेंगी।

योग और सूर्यनमस्कार

अगर आपको योग नहीं आता, तो बेसिक योगासन जैसे सूर्य नमस्कार से शुरुआत कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार से बॉडी की मसल्स स्ट्रेच होती हैं और आप पूरे दिन फ्रेश फील करेंगे। आप इंटरनेट पर ये आसन देख सकते हैं।

प्राणायाम करें

इसके अलावा प्राणायाम करना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें डीप ब्रीदिंग करनी होती है, जो कि आपके रिस्पिरेटरी सिस्टम को दुरुस्त रखता है।

ऐक्रोयोगा

घर के अंदर आप ऐक्रोयोगा भी ट्राई कर सकते हैं। यह ऐक्रोबेटिक्स और योग का मिलाजुला रूप है। मसल स्ट्रेंथ के लिए आप अपना बॉडी वेट, किताबें वगैरह यूज कर सकते हैं।

वॉल पुशअप्स

वॉल पुशअप्स, स्क्वैट्स, क्रंचेज वगैरह कुछ ऐसी एक्सर्साइज हैं, जो 15-20 मिनट में हो जाती हैं।

इन 5 चीजों से तेजी से कर सकते हैं अपना वजन कम

रोजमेरी

ज्यादातर लोगों को लगता है कि रोजमेरी सिर्फ ब्यूटी फेस पैक में ही इस्तेमाल होता है, लेकिन आपको बता दें कि खाने में रोजमेरी के नियमित इस्तेमाल से आपके पेट पर चर्बी नहीं आती।

अजवाइन

आपने सुना होगा कि पेट खराब होने पर अजवाइन का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन बहुत से लोग नहीं जानते कि खाने में अजवाइन डालने से न सिर्फ खाना आसानी से पच जाता है, बल्कि इससे फैट भी जमा नहीं होता।

ओर्गेनो

आपने पिज्जा और सैंडविच में ओर्गेनो का स्वाद चखा होगा। ओर्गेनो के इस्तेमाल से किसी भी डिश का जायका बढ़ जाता है, वहीं ओर्गेनो सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि इसमें वजन कम करने के फैक्टर भी होते हैं।

पुदीना

पुदीना की चटनी और शिंकजी में इसका इस्तेमाल बहुत ही अच्छा माना जाता है। पुदीना खाने को पचाने में भी बहुत असरदायक है। आप अगर पेट पर चर्बी जमा नहीं होने देना चाहते, तो पुदीने का इस्तेमाल आज ही शुरू कर दें।

नीबू

आप अगर वजन कम करना चाहते हैं, तो नीबू पानी का इस्तेमाल आज से ही शुरू कर दीजिए। रोजाना सुबह पानी में नीबू डालकर पीने से आप न सिर्फ मोटापे को कम कर सकते हैं, बल्कि इससे आपकी पेट की कई बीमारियां भी दूर हो जाएगी।

रेसिपी

वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- **आलू:** 3 (उबले और मैश किए हुए)
- **गाजर:** 1/2 कप (बारीक कटे हुए)
- **मेथी:** 1/4 कप
- **बीन्स:** 3-4 कप (बारीक कटा)
- **नमक:** स्वाद के अनुसार
- **काली मिर्च:** स्वाद के अनुसार
- **ब्रेड क्रम्स:** 1 कप
- **तेल:** तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार है वेजिटेबल फिंगर्स।

तवा पुलाव

सामग्री

- **चावल:** 1/2 कप
- **तेल या मक्खन:** 1 चम्मच
- **जीरा:** 1/2 चम्मच
- **प्याज बारीक काटा:** 1/4 कप
- **अदरक-लहसुन पेस्ट:** 1 चम्मच
- **टमाटर:** 1/3 कप बारीक कटे
- **पावभाजी मसाला:** 1 बड़ा चम्मच
- **लाल मिर्च पाउडर:** 1/2 चम्मच
- **शिमला मिर्च:** 1/4 कप बारीक कटी
- सीजनल सब्जियां आलू
- गाजर, बीन्स, मटर- 3/4 कप
- **हरी धनिया:** बारीक कटी
- **नमक:** स्वाद के अनुसार

विधि

चावल को धोकर अच्छे से पका लें। सारी सब्जियों को काटकर हल्का उबाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालकर तड़काएं। अब इसमें प्याज डालें और उसे सुनहरा भूरा करें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भूनेंगे। फिर टमाटर और नमक डालकर नरम होने तक पकाएं। अब इसमें सभी उबली हुई सब्जियों को डाल दें। ऊपर से पावभाजी मसाला डालें और पानी डालकर थोड़ी देर और पकाएं। पानी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो। अब इसमे चावल डालेंगे और ऊपर से बारीक कटी हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2643

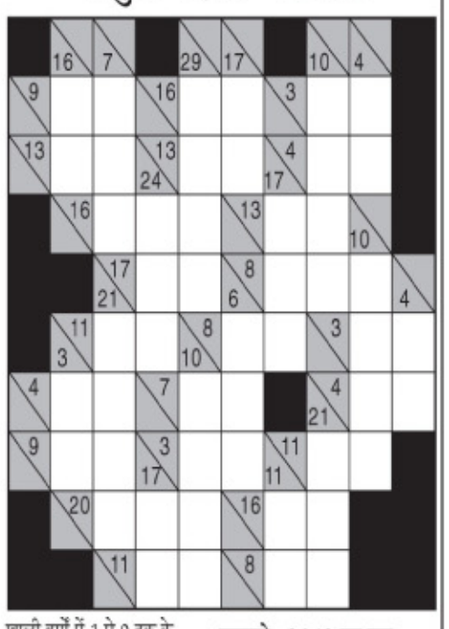

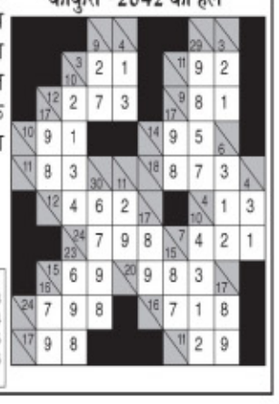

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

काकुरो -2642 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा- ''नाखुश हो गए ?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला- ''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2643

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजबाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्वाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2642

सूडोकु -2643

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2642 का हल

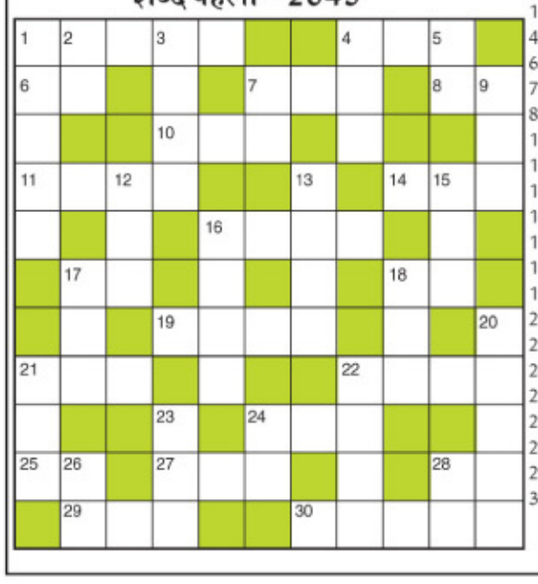

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 2643

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -2642 का हल

नॉर्वे में होने वाली छह दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में शामिल होंगी मप्र की शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह

एजेंसी

अनूपपुर। नॉर्वे में संयुक्त राष्ट्र संघ के महिलाओं संबंधी विभाग और नॉर्वे की संसद तथा विदेश मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 17 नवंबर से छह दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह को भी आमंत्रित किया गया है। इस संबंध में सांसद के एक कर्मचारी ने आधिकारिक तौर पर बताया कि शहडोल सांसद हिमाद्री सिंह को 17 से 22 नवंबर तक ओस्लो में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में सर्कुलर इकॉनमी, जलवायु परिवर्तन, लैंगिक समानता और महिलाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया है। सम्मेलन में भाग लेने वे 16 नवंबर को दिल्ली से ओस्लो के लिए रवाना होंगी, जहां पर वह छह दिनों तक चलने वाले सम्मेलन में महिलाओं से संबंधित मामलों को प्रमुखता से रखेंगी।

हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड के पलामू में हेमंत सरकार पर साधा निशाना

पलामू। असम के मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता हिमंता बिस्वा सरमा ने झारखंड के चैनपुर के किन्नी में डालटनगंज-भंडरिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार आलोक चौरसिया के पक्ष में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधा। हिमंता ने कहा कि वोट बैंक के लिए राज्य में सरहद पार से घुसपैठ कराई जा रही है और यहां के युवाओं की नौकरी खतरे में डाली जा रही है। भाजपा की सरकार बना दें, घुसपैठ तो दूर की बात है सरहद के पार से परिंदा भी पर नहीं फैला सकेगा। उन्होंने कहा कि बीजेपी राज्य में किसी घुसपैठिए को टिकने नहीं देगी। आज सरकार के समर्थन से घुसपैठिये आदिवासी युवतियों से शादी कर रहे हैं और दान पत्र से भूमि हड़प रहे हैं। उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। इस घुसपैठ को रोकने का दम केवल बीजेपी में है। झारखंड में रोटी, माटी और बेटी तीनों की सुरक्षा बीजेपी करेगी। उन्होंने कहा कि बीजेपी अपने घोषणा पत्र को पूरा करना जानती है। 50 प्रतिशत वादे पूरा कर चुकी है। झारखंड में सरकार बनते ही खाली पड़े तीन लाख पदों पर बहाली करेगी। बालू को फ्री किया जाएगा। आलोक चौरसिया ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र पार्टी है जो विकास के मुद्दों को लेकर प्रतिबद्ध है। क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था करना हमारी प्राथमिकता है। 13 नवंबर को भाजपा को अपना कीमती वोट देकर क्षेत्र के विकास में सहयोग दें।

झारखंड विधानसभा चुनाव में विचारधारा की लड़ाई : राहुल गांधी

पूर्वी सिंहभूम। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में लड़ाई विचारधारा की है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन तो दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस। एक तरफ मोहब्बत, एकता, भाईचारा, इज्जत दूसरी तरफ नफरत, हिंसा और अहंकार। हम कहते हैं कि संविधान को बचाना है। संविधान हिंदुस्तान का है और संविधान जनता की रक्षा करता है जबकि भाजपा चाहती है कि संविधान को खत्म किया जाए और जैसे पहले हुआ करता था वैसे एक बार फिर हिंदुस्तान को चलाया जाए राहुल पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के गांधी मैदान में सभा को संबोधित कर रह थे। उन्होंने कहा कि हमने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक यात्रा निकाली थी। एक ही मैसेज था कि हिंदुस्तान को जोड़ना है और सबको एक साथ आगे लेकर चलना है। हमने नारा दिया था, नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोलेंगे जबकि नरेन्द्र मोदी हिंदुस्तान को बांटते हैं। एक धर्म को दूसरे धर्म से लड़ाते हैं। एक जात को दूसरे जात से लड़ाते हैं। एक भाषा को दूसरी भाषा से लड़ाते हैं। राहुल ने कहा कि हिंदुस्तान में बेरोजगारी फैल गई है। नरेन्द्र मोदी की पॉलिसी ने हिंदुस्तान में सबसे ज्यादा बेरोजगारी लाई है। नोटबंदी और जीएसटी पॉलिसी नहीं हैं। ये गरीबों को, किसानों को और मजदूरों को मारने के हथियार हैं। उन्होंने सवाल किया कि नरेन्द्र मोदी ने आपका कितना कर्जा माफ किया है।

रायगढ़ जिले में निजी बस-ट्रक की भीषण टक्कर में, 18 यात्री घायल

मुंबई। रायगढ़ जिले में स्थित खोपोली में मुंबई-पुणे हाइवे पर एक निजी बस और ट्रक की टक्कर में 18 यात्री घायल हो गए। इनमें से 8 यात्रियों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है। सभी घायलों का कामोठे के एमजीएम अस्पताल में इलाज जारी है। मामले की गहन छानबीन खोपोली पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। पुलिस के अनुसार मुंबई-पुणे हाइवे पर खोपोली में बोरघाट के पास एक ट्रक खड़ा था। इसी दौरान बालूमामा कंपनी की निजी बस के चालक का अचानक नियंत्रण बिगड़ गया और चालक ने पहले से खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। निजी बस में कुल 38 यात्री सवार थे। इनमें से 18 यात्री मामूली रूप से घायल हो गए। इनमें से 8 यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल यात्रियों में मनीषा भोसले, सुनीता तराल, बालाजी सूर्यवंशी, संकेत घरे, अभिजीत डिंडे, सरिता शिंदे, संदीप मोगे और सोनाक्षी कांबले शामिल हैं।

कांग्रेस ने तोड़े धोखाधड़ी के सारे रिकॉर्ड: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

एजेंसी

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में एक चुनावी जनसभा में कहा कि कांग्रेस ने धोखाधड़ी के अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। कांग्रेस नेता संविधान के नाम पर जो लाल किताब बांट रहे हैं, वह कोरा कागज है, उसमें कुछ लिखा ही नहीं है। कांग्रेस की धोखाधड़ी अब संविधान तक पहुंच गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 साल से देश में एक ओबीसी प्रधानमंत्री काम कर रहा है। सबको साथ लेकर चलने वाले को कांग्रेस बर्दाश्त नहीं कर सकती। इसलिए कांग्रेस ओबीसी की पहचान को खत्म कर उन्हें अलग-अलग जातियों में बांटने का खेल खेल रही है। पंडित नेहरू से लेकर राजीव गांधी तक सभी ने यह कोशिश की। अब कांग्रेस के युवराज वही काम, वही चालें चलकर देश की जनता की

आंखों में धूल झोंक रहे हैं। इसलिए मैं देशवासियों से कहता हूं, समाज को तोड़ने वाली प्रवृत्तियों से सावधान रहें। हम एकजुट रहेंगे तभी सुरक्षित रहेंगे। अगर आप अलग-अलग जातियों में बंट गए तो आपकी संख्या कम हो जाएगी, फिर कांग्रेसी आपसे आपका आरक्षण छीन लेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि विकसित भारत तभी संभव है, जब महाराष्ट्र का विकास होगा। महाराष्ट्र का हर परिवार समृद्ध होगा। केंद्र और राज्य की महागठबंधन सरकारें आपके सपनों को साकार करने के लिए काम कर रही हैं। मोदी ने कहा, आज मैं डबल ड्यूटी कर रहा हूं। किसी भी तरह से मैं मोदी के लिए मदद भी मांग रहा हूं और इसके अलावा महाराष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी आशीर्वाद मांग रहा हूं। नांदेड़ लोकसभा क्षेत्र के लोगों को दो बार मतदान करना पड़ेगा। हरियाणा चुनाव में भाजपा ने पहली बार से ज्यादा सीटें जीती हैं। अब वही इतिहास महाराष्ट्र की जनता भी रचने जा रही है। पिछले दो दिनों में मैं जहां भी गया, लोगों से मुझे लगा कि लोकसभा में जो कमी रह गयी है, वह विधानसभा में पूरी हो जाएगी। मोदी ने कहा कि लोगों का कहना है कि विकसित महाराष्ट्र के लिए हमें एनडीए गठबंधन सरकार की जरूरत है।

कसारा में नंदीग्राम एक्सप्रेस में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी, यात्री सुरक्षित

एजेंसी

मुंबई। कसारा के पास नंदीग्राम एक्सप्रेस की एक बोगी में आग लगने से अफरा तफरी मच गई। इसकी सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड के

जवान तत्काल मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू किया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, सभी यात्री सुरक्षित हैं। जानकारी के अनुसार, आज शाम को कसारा स्टेशन के पास नंदीग्राम एक्सप्रेस के कंप्रेसर में अचानक आग लग गई। धीरे-धीरे आग ने नंदीग्राम एक्सप्रेस की एक बोगी को अपने घेरे में ले लिया। इसकी भनक लगते ही चालक ने तत्काल ट्रेन को कसारा के पास सिग्नल पर रोक दिया। ट्रेन रुकते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन सभी यात्रियों को सुरक्षित जलती बोगी से बाहर निकाल लिया गया है। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम आग बुझाने का प्रयास कर रही है।

घोटालेबाज हेमंत सरकार को हटाकर डबल इंजन की सरकार बनाएं: जेपी नड्डा

एजेंसी

पलामू। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि झारखंड संस्कृति और समर्पण की भूमि है। यहां के जनजाति समूह के वीरों ने संस्कृति और सम्मान के लिये बलिदान दिया है। इतिहास गवाह है कि इस धरती ने अन्याय के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ी है। आगे भी यह धरती इतिहास रचेगी और निकम्मी हेमंत सरकार को सता से उखाड़ फेंकेगी। घोटालेबाज हेमंत सरकार को हटाकर डबल इंजन की सरकार बनायें, ताकि देश के साथ झारखंड को भी विकसित किया जा सके।

नड्डा पलामू जिले के विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की आयोजित विजय संकल्प सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बेल पर हैं और उनके कुछ मंत्री जेल में हैं। इस सरकार ने वोट की खातिर बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरण दी है। भाजपा की सरकार बनते ही उन्हें चुन-चुनकर खदेड़ा जायेगा। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा कर रही है। देश के सभी लोगों को विकास से सीधा जोड़ रही है। भाजपा झारखंड के लोगों को विकास से जोड़ना चाहती है। इसके

लिये सबों को कमल के निशान पर बटन दबाना होगा। नड्डा ने कहा कि आपका सही जगह बटन दबा तो राज्य का विकास होगा और गलत जगह बटन दबा तो विनाश होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विश्रामपुर में 123 करोड़ की लागत से पेयजलापूर्ति योजना स्वीकृत दी थी लेकिन हेमंत सरकार ने पांच साल तक उसे रोक कर रखा। सिर्फ इसलिए कि इस योजना का नाम अटल जी के नाम पर था। नड्डा ने कहा कि मोदी सरकार ने भारत की छवि विश्व में बदली है। हर देश के शासनाध्यक्ष और राष्ट्राध्यक्ष प्रधानमंत्री मोदी को अपना दोस्त बोलते हैं। विश्व में शांति स्थापना के लिये लोग मोदी से अपील करते हैं। भारत के इस बदलती तस्वीर देशवासियों को गौरवान्वित करती है। उन्होंने कहा कि देश के 80 करोड़ लोगों के लिये कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं, देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर हो गये हैं। दस करोड़ से ज्यादा बहनों को गैस सिलेंडर देकर धुंआ से मुक्ति दिलाया, ग्यारह हजार करोड़ लोगों को शौचालय दिया।

वोटों के लिए महात्मा गांधी के सरनेम का फायदा ले रहे नकली गांधी : डॉ. मोहन यादव

एजेंसी

सीहोर (भोपाल)। कांग्रेस के लोग अगर आएं, तो उनसे 55 सालों का हिसाब पूछिए। भाजपा की सरकार ने 20 सालों में ऐसा विकास किया है, जो कांग्रेस 55 सालों में नहीं कर पाई। लेकिन कांग्रेस लोगों को अंधे कुएं में डालकर बस अपनी राजनीति की रोटियां सेंकती रही। उसे विकास से कोई लेना-देना नहीं था। वास्तव में आज कांग्रेस और राहुल गांधी, वोटों के लिए महात्मा गांधी के सरनेम का फायदा ले रहे हैं, ये नकली गांधी हैं। प्रदेश में विकास के इस सिलसिले को जारी रखना है और रिकॉर्ड वोटों से भाजपा को जिताना है। उक?त बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधनी विधानसभा के सतराना और लाड़कुई में जनसभाओं को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान पार्टी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव ने भी जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बुधनी और यहां की जनता हमारे लिए इतनी भाग्यशाली है कि बुधनी सीट से हमें प्रदेश के मुखिया मिले, जिन्होंने सिर्फ बुधनी ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में जबर्दस्त विकास किया। हालांकि कांग्रेस के 55 सालों की तुलना में

हमें सिर्फ 20 साल ही मिले हैं, लेकिन इन 20 सालों में भाजपा सरकार ने बुधनी और प्रदेश की सूरत बदल दी है। 20 साल पहले जो लोग बुधनी आए होंगे, वो आज की बुधनी को पहचानेंगे नहीं। प्रदेश का विकास कितनी तेजी से हुआ है, इसका अंदाज आप इस तथ्य से लगा सकते हैं कि 2003 में प्रदेश में प्रति व्यक्ति सालाना आय, 7500 रुपये हुआ करती थी। लेकिन आज इतने पैसे में गांवों में मजदूर भी नहीं मिलते। प्रदेश में ये अनुकूलता भारतीय जनता पार्टी ने बनाई है। प्रदेश में आज पर्याप्त मात्रा में बिजली उपलब्ध है और सिर्फ बुधनी ही नहीं, बल्कि दिल्ली की मेट्रो ट्रेन भी मध्य प्रदेश की बिजली से चल रही है। किसानों के लिए भाजपा सरकार ने जो काम किए हैं, वो भूतो न भविष्यति हैं। पहले एक फसल मुश्किल से होती थी,आज तीन-तीन फसलें हो रही हैं। पहले खेतों में धूल उड़ती थी, आज हर तरफ हरियाली है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार ने किसानों को 6 हजार रुपये किसान सम्मान निधि देना चालू किया, तो 6 हजार रुपये मध्य प्रदेश सरकार भी दे रही है।

कांग्रेस और जेएमएम देशवासियों में फूट डालकर शासन करना चाहती हैं : शिवराज

एजेंसी

रांची। केन्द्रीय कृषि मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के झारखंड विधानसभा चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने झारखंड की चार विधानसभा सीटों पर भाजपा के प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। चौहान ने बड़कागांव से भाजपा उम्मीदवार रोशन लाल चौधरी, बरकट्ठा विधानसभा से अमित कुमार यादव, कांके विधानसभा से डॉ. जीतुचरण राम और रांची विधानसभा से भाजपा उम्मीदवार सीपी सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि गठबंधन की सरकार ने झारखंड जैसे सुंदर प्रदेश को लूटकर तबाह और बर्बाद कर दिया है। झारखंड की धरती पर माटी, बेटी और रोटी सुरक्षित नहीं है। इन्होंने जल संपदा, वन संपदा और खनिज संपदा से भरपूर प्रदेश को विनाश की कगार

पर लाकर खड़ा कर दिया है। यही वजह है कि झारखंड की जनता में जेएमएम सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है और जनता इस चुनाव में सोरेन सरकार को सबक सिखाकर माटी, बेटी, रोटी की रक्षा के लिए भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाएगी। चौहान ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी धान की बात करते हैं, जिन्हे ये तक नहीं पता है कि धान की बाली सीधी लगती है या उल्टी। जो आलू से सोना बनाते हैं वो धान की बात कर रहे हैं। राहुल गांधी ने मोहब्बत की नहीं, बल्कि नफरत की दुकान खोल रखी है। ये देश बांटने की कोशिश करते हैं। ये विदेशों में जाकर भारत का अपमान करते हैं। विदेशों में जाकर कहते हैं कि मौका मिलते ही हम आरक्षण समाप्त कर देंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि ये कांग्रेस और जेएमएम देशवासियों में फूट डालकर शासन करना चाहती हैं। इनसे सावधान रहने की जरूरत है। ये अंग्रेजों की नीति अपनाते हैं। इसलिए हम सबको बंटना नहीं है। क्योंकि, जुड़ेगे तो जितोगे। शिवराज सिंह चौहान ने जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड की धरती पर लगातार बांग्लादेशी घुसपैठिए आ रहे हैं और वोटों की लालच में जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार विदेशी घुसपैठियों का लाल कालीन बिछाकर स्वागत करते हैं। उनके वोटर लिस्ट में नाम जोड़े जा रहे हैं, उनके आधार कार्ड, राशन कार्ड तक बनवाए जा रहे हैं।

बारामुला के सोपोर में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, एक आतंकवादी ढेर

एजेंसी

बारामुला। बारामुला जिले के सोपोर इलाके में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच जारी मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया है। यह मुठभेड़ क्षेत्र में चलाए गए तलाशी अभियान अभियान के दौरान शुरू हुई।

एक अधिकारी ने बताया कि बारामुला के रामपोरा सोपोर इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विशेष इनपुट के बाद पुलिस, सेना की 22 आरआर और सीआरपीएफ की 179 बटालियन ने एक संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया गया। तलाशी अभियान के दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों को पास आते देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने कहा कि चल रहे अभियान में एक आतंकवादी मारा गया है।

आकांक्षी नगरों में उच्च गुणवत्ता वाले कार्य सुनिश्चित करने पर जोर दे रही योगी सरकार

एजेंसी

लखनऊ। स्थानीय नगरीय निदेशालय, लखनऊ में आकांक्षी नगर योजना के अंतर्गत सी.एम. अर्बन फेलोज और अधिशासी अधिकारियों के लिए एक कार्यशाला एवं समीक्षा बैठक का सफल आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य आकांक्षी नगर योजना के तहत चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करना और नगर विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के साथ समन्वय स्थापित करना था। इस कार्यशाला में आकांक्षी नगरों में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता को बढ़ाने, कन्वर्जेंस योजनाओं के साथ समन्वय करने और आकांक्षी नगर योजना डैशबोर्ड के डेटा प्रबंधन की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए सभी आकांक्षी नगरों में उच्च गुणवत्ता वाले कार्य सुनिश्चित करने पर

बल दिया। उन्होंने सी.एम. अर्बन फेलोज और अधिशासी अधिकारियों को प्रेरित किया कि वे शहरी क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार और जनसेवाओं की गुणवत्ता में वृद्धि के लिए ठोस प्रयास करेंबैठक में प्रमुख सचिव, निदेशक, अपर निदेशक, और उप निदेशक की उपस्थिति में शहरी विकास विभाग की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की गई। इसमें विशेष रूप से आकांक्षी नगर योजना के प्रभावी कार्यान्वयन, डैशबोर्ड के उपयोग, और टेंडर प्रक्रिया से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी शामिल थी। इस कार्यशाला में नॉलेज पार्टनर्स द्वारा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आवश्यक मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। प्रमुख सचिव ने अपने संबोधन में कहा कि हर अधिशासी अधिकारी और सीएम फेलो को नगर पंचायतों में योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि शहरी क्षेत्रों में विकास और जनसेवाओं की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित किया जा सके। यह कार्यशाला उत्तर प्रदेश के आकांक्षी नगरों में बदलाव लाने की दिशा में नगर विकास विभाग की प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें शहरी सेवा वितरण और सतत विकास के लिए स्पष्ट रूप से एक रोडमैप निर्धारित किया गया है।

हेमंत सोरेन में झारखंड को भ्रष्टाचार के दलदल में धकेला : राजनाथ

एजेंसी

चतरा,। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने झारखंड के चतरा स्थित हंटरगंज हाई स्कूल ग्राउंड में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस, जेएमएम एवं राजद समर्थित सरकार को उखाड़ फेकने का आह्वान किया। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि 5 सालों में हेमंत सरकार ने सिर्फ झारखंड को लूटने का काम किया है। हेमंत सोरेन के राज में झारखंड में भ्रष्टाचार का बोलबाला बढ़ गया। अधिकारी से लेकर के साधारण कर्मचारी तक बेलगाम हो गए। इस सरकार ने राज्य को भ्रष्टाचार की दलदल में धकेल दिया। राजनाथ ने कहा कि हेमंत सोरेन सत्ता लोभी हैं। हेमंत ने चंपाई सोरेन को दो माह तक और मुख्यमंत्री बने रहने का भी

समय नहीं दिया। राजनाथ ने कहा कि झारखंड को विकास के मार्ग पर आगे बढ़ाना है तो सिंगल इंजन नहीं डबल इंजन की सरकार बनानी होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार का सोच है कि केंद्र से जो भी पैसा भेजा जाय वह सीधे गरीबों के खाते में जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना के तहत प्रत्येक वर्ष 6000 रुपये सरकार सीधे किसानों के खाते में दे रही है। राजनाथ ने कहा कि झारखंड में सरकार बनी तो गैस सिलेंडर का दाम 500 रुपये होगा एवं साल में दो बार गैस मुफ्त में दिया जाएगा।

इसके अलावा गोगो दीदी के तहत 2100 रुपये प्रति माह महिलाओं के खाते में दिए जाएंगे। नौजवानों को नौकरी दी जाएगी और जब तक नौकरी नहीं मिलेगा तो बेरोजगारों को 2000 रुपये प्रत्येक माह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। इस दौरान राजनाथ ने एनडीए समर्थित लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान के पक्ष में वोट भी मांगे। सभा को जमुई के सांसद अरुण भारती सहित अन्य लोगों ने भी संबोधित किया।

भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यकों, निर्दोषों को परेशान किया जाता है: दिग्विजय सिंह

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में अल्पसंख्यक समूहों और मासूमों को परेशान किया जा रहा है। कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में दिग्विजय सिंह ने कहा कि साल 2014 के बाद से देश में जहां-जहां भाजपा की सरकार रही है, अल्पसंख्यकों को सताया गया है व निर्दोष लोगों को झूठे मामलों में फंसाकर जेल भेजा गया है। इस साल सितंबर में रतलाम में हुई एक घटना को याद करते हुए दिग्विजय ने कहा कि मध्य प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में इस तरह की कई घटनाएं हुई हैं। सिंह ने आरोप लगाया कि उच्चतम न्यायालय के

नियमों और दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए केन्द्र सरकार कई ईमानदार पुलिस अधिकारियों को परेशान किया जा रहा है कांग्रेस नेता ने यह भी आरोप लगाया कि कानूनों और दिशानिर्देशों का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है और निर्दोष लोगों को परेशान किया जा रहा है और उनके घरों को ध्वस्त किया जा रहा है और दूसरी तरफ अपराधियों को बचाया जा रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि उन्होंने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा दो पुलिस अधिकारियों के साथ किए गए इलाज के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी पत्र लिखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जो अधिकारी समर्पित रूप से कर्तव्य निभाते हैं और सांप्रदायिक हिंसा को रोकते हैं, उन्हें दंडित किया जाता है और सांप्रदायिक हिंसा फैलाने वालों को प्रोत्साहित किया जाता है।

रेखापल्ली-कोमठपल्ली मुठभेड़ में आठ लाख रुपये का इनामी नक्सली कमांडर जोगा माड़वी सहित तीन नक्सली मारे गये : सुंदरराज पी

एजेंसी

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के रेखापल्ली-कोमठपल्ली जंगल में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने तीन वर्दीधारी नक्सलियों को ढेर कर दिया था। इनमें से रेखापल्ली-कोमठपल्ली मुठभेड़ में मारे गए एक नक्सली की पहचान आठ लाख रुपये के इनामी नक्सली कमांडर जोगा माड़वी के रूप में की गई है जबकि दो अन्य नक्सलियों की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। इन तीनों के शव बरामद कर सुरक्षा बल के जवानों के सुरक्षित लौटने के बाद आज शनिवार को बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बीजापुर

में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि रेखापल्ली-कोमठपल्ली मुठभेड़ में जवानों को बड़ी सफलता मिली है। इसमें 8 लाख रुपये का डीव्हीसीएम रैंक का इनामी नक्सली प्लाटून नंबर 10 का कमांडर जोगा माड़वी मारा गया है। जबकि मारे गये दो अन्य नक्सलियों की शिनाख्त की जा रही है। उन्होंने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान में नक्सलियों के बड़े कैडर्स मुठभेड़ में मारे जा रहे हैं, इससे नक्सली संगठन की कमर टूटी चुकी है। बस्तर रेंज के आईजी ने बताया कि रेंज के सातों जिलो में पिछले 11 महीने में कल तक 192 नक्सली मारे गए हैं, जिनके शवों को जवानों ने बरामद किया है। इसके साथ ही 782 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 783 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि बीते 11 महीने में कुल 78 हथियार बरामद किये गये हैं। इसमें तीन एलएमजी, राइफल नौ एके-47 राइफल, 10 एसएलआर राइफल, आठ इंसास राइफल, 13 नग 303 राइफल, चार कार्बाइन, 10 नग 9 एमएम पिस्टल, 22 नग बीजीएल राइफल बरामद किये गये हैं। स्पष्ट रूप से एक रोडमैप निर्धारित किया गया है।

क्वींसटाउन

दुनिया की रोमांच राजधानी

उस शहर जाने की कल्पना ही रोमांचक हो सकती है जिसे दुनिया की एडवेंचर कैपिटल के रूप में शोहरत हासिल हो। जिन्हें हम एक्सट्रीम एडवेंचर की संज्ञा देते हैं, वे सभी यहां हैं। हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड के क्वींसटाउन शहर की। कहा जाता है कि उन्नीसवीं सदी के मध्य में जब क्वींसटाउन में शॉटओवर नदी में सोना मिलने की खबर फैली तो लोग यहां उमड़ने शुरू हो गए थे। आखिरकार जब सोना खत्म हो गया तो यहां पहुंचे लोगों का ध्यान यहां के पहाड़ों और नदियों की खूबसूरती पर गया और तब उन्होंने यही बसने का फैसला कर लिया। रोमांच में यहां शुरुआत पिछली सदी के मध्य में स्कीइंग से हुई।

1970 के दौरान जेट बोटिंग की शुरुआत हुई। यह एक तरह से विशुद्ध रूप से रोमांच की दुनिया को क्वींसटाउन की देन थी। शॉटओवर नदी की गहरी कंदराओं में से जेटबोट की राइड का रोमांच ही अलग है। कुछ ही समय बाद रिवर राफ्टिंग भी क्वींसटाउन की नदियों में शुरू हो गई। 1988 में ऐ जे हैकट ने यहां बंजी जंपिंग की शुरुआत की। क्वींसटाउन को बंजी जंपिंग का जनक माना जाता है। आज यहां बंजी जंपिंग की कई साइट हैं। एक समय तो हैकट एंड कंपनी 450 मीटर की ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से बंजी जंपिंग करा रहे थे। हालांकि सरकारी नीतियां बदलने से बाद में उसे रोकना पड़ा।

क्वींसटाउन ही टेंडम पैरापेंटिंग व कमर्शियल स्काइडाइविंग का भी मुख्य अड्डा है। इसके अलावा यहां टेंडम हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग व एब्सेलिंग जैसी गतिविधियां भी होती हैं। सैलानी क्वींसटाउन केवल एडवेंचर के लिए जाते हैं, जबकि वहां की प्राकृतिक खूबसूरती भी किसी जगह से कम नहीं।

कैसे जाएं- न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित क्वींसटाउन में हालांकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, लेकिन यहां की सारी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आस्ट्रेलिया के विभिन्न शहरों से होकर हैं।

खतलिंग

ग्लेशियर का नजारा

उत्तराखंड में एक वक्त 7,941 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बर्फ से ढका रहता था, जो यहाँ के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 15 प्रतिशत क्षेत्र है। यमुना, गंगा और काली नदी समेत उनकी कई सहस्त्रधाराएँ इसी क्षेत्र में जन्म लेती हैं, लेकिन यह क्षेत्र लगातार सिमट रहा है। यहाँ के तमाम ग्लेशियर पिघल रहे हैं।

चार धामों की यात्रा के अलावा साहसिक पर्यटन के प्रेमियों में खतलिंग ग्लेशियर के दर्शन को पाँचवाँ धाम दर्शन माना जाता है। यहीं से केदारनाथ तक पैदल यात्रा क्षेत्र भी है। पिछले हफ्ते इसी यात्रा मार्ग पर ट्रैकिंग के लिए कुछ पर्यटकों का दल भारी बर्फबारी में फँसने से राज्य में हड़कंप मच चुका है। बमुश्किल इस यात्री दल के तीन पर्यटकों को हेलिकॉप्टरों से निकाला गया तो छः अन्य लोगों को दो दिन बाद त्रियुगी नारायण क्षेत्र में आईटीबीपी एवं पुलिस की गठित टीमों ने पैदल रास्ते से जाकर ढूँढ निकाला।

यही है कस्तूरी मृगों का क्षेत्र :

पाँचवें धाम खतलिंग को जाने वाले मार्ग पर फँसे इन पर्यटकों ने वन विभाग से यहाँ जाने की अनुमति नहीं ली थी। इस क्षेत्र में कस्तूरी मृग क्षेत्र होने से यहाँ जाने की पूर्वानुमति आवश्यक है। 3,700 मीटर की ऊँचाई पर खतलिंग ग्लेशियर पहुँचने के रास्ते में चौकी बुग्याल रुद्रागंगा, हिमानी गुफा, दुमलिया ताल भी दर्शनीय हैं। यहाँ से सात किलोमीटर की दूरी तय कर गंगोत्री पहुँचा जा सकता है। यहाँ से साढ़े छः हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित सतलिंग तेज चमकता है।

स्फटिक लिंग जो ग्रेनाइट धातु से बना है, पर बर्फ नहीं टिकती और भगवान शिव का आत्मलिंग का खिताब इसे प्राप्त है । 6,460 मीटर जोगिन चोटी, मयाली टॉप के रास्ते वासुकीताल होते हुए 14 किलोमीटर दूरी तय कर केदारनाथ धाम पहुँचना संभव है । मयाली टॉप की चोटी से तिब्बत का इलाका दिखाई देता है।

पिघल रहे ग्लेशियर :

हिमालय में तैंतीस हजार वर्ग किलोमीटर में ग्लेशियर फैले हैं जो पूरे हिमालय क्षेत्र के 17 प्रतिशत रहे हैं। गोमुख, मिलम, पिंडारी, खतलिंग व नामिक जैसे उत्तराखंड के हजारों ग्लेशियर पानी की मीनारों का काम करते हैं। हजारों साल पहले गौमुख ग्लेशियर गंगोत्री से मिलता था, लेकिन आज गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी 19 किलोमीटर है।

पिछले दो सौ वर्षों में गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी ही नहीं बढ़ी। ग्लेशियर का स्नाउट भी खिसकता जा रहा है। मिलम ग्लेशियर 1828 में मिलम गाँव से दो किलोमीटर पर बताया गया जो अब छः किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर है। खतलिंग ग्लेशियर का मुख जो चौकी ताल पर था, अब सात किलोमीटर दूर है। पिंडारी ग्लेशियर भी काफी पीछे चला गया।

बढ़ते लोग, बढ़ता ताप :

सन 1808 तक गंगोत्री क्षेत्र में गंगा की मूर्ति के पूजन की परंपरा थी, लेकिन यहाँ दस-पंद्रह लोग ही रहते थे। गंगा की मूर्ति के साथ ये लोग भी अपने गाँवों में वापस चले जाते थे। 1981 की जनगणना में गंगोत्री की स्थाई आबादी लगभग 125 के आसपास थी जो आज हजारों तक पहुँच चुकी है। साधु-संन्यासी ही काफी पहले पहुँचे थे। चार धामों में से बद्रीनाथ में ही यह संख्या श्रद्धालुओं के हिसाब से लाख तक पहुँचती थी। अब यहाँ एक हफ्ते में लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं।

पूर्ण कुंभकाल के वक्त ही बद्रीनाथ से ज्यादा श्रद्धालु आते थे। 1808 के पूर्ण कुंभ में 45 हजार श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुँचे थे, जबकि 2010 के पूर्ण कुंभ के बाद दो दिन में यह संख्या पार कर ली गई। 1808 में केदारनाथ की यात्रा विषम थी। उस साल केदारनाथ गए कई यात्री मारे भी गए थे। अब तमाम साधन, बढ़ते गाड़ियों व रेल नेटवर्क बढ़ने से तीर्थयात्रियों की संख्या में असाधारण वृद्धि हुई है। इसी तरह इस क्षेत्र के ग्लेशियरों में भी ट्रैक कर जाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

प्रकृति छेड़छाड़ ने पैदा किया संकट :

इसी तीर्थ क्षेत्र के आसपास बुग्यालों, ग्लेशियरों एवं तमाम खूबसूरत घाटियों व नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ से भी यहाँ के माहौल में बदलाव आया है। स्वयं चिपको नेता चंडीप्रसाद भट्ट ने भी इस तरह की गतिविधियों को विश्व धरोहर पार्कों के आसपास हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना समेत तमाम क्षेत्रों की परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के विरुद्ध बताया है।

इस बाबत उन्होंने केंद्र को पत्र भी भेजकर इस संवेदनशील क्षेत्र में इस गतिविधि को लगाम लगाने की माँग की है। विश्व धरोहर फूलों की घाटी से सात किलोमीटर की दूरी पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना भी इस सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध जारी है। इस आदेश के अनुसार विश्व धरोहर से 10 किलोमीटर की परिधि में इस तरह की परियोजनाएँ प्रतिबंधित हैं। तथापि यहाँ इस तरह की परियोजनाओं का बेरोकटोक निर्माण इस क्षेत्र में प्रकृति प्रेमियों के रोष का कारण बन रहा है।

कला-शिल्प का अद्भुत संगम

खजुराहो

खजुराहो के मंदिर भारतीय कला का एक उत्कृष्ट नमूना है। इन मंदिरों की दीवारों पर उकरी देवी-देवताओं की विभिन्न मुद्राओं की मनोहारी प्रतिमा अपने आप में दुलर्भ है, जिसके समान कोई ओर नहीं है। मध्यप्रदेश में स्थित खजुराहो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

हर साल लाखों की संख्या में देशी व विदेशी पर्यटक खजुराहों आते हैं व यहाँ की खूबसूरती को अपनी स्मृति में कैद करके ले जाते हैं। यहाँ शाम के वक्त होने वाले लाइट शो में खजुराहो के मंदिरों की खूबसूरती का चरम देखने को मिलता है, जो एक यादगार व अविस्मरणीय अनुभव होता है।

भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान आदि स्थल है। खजुराहो को प्यार का प्रतीक भी कहा जाता है। यहाँ काम मुद्रा में मग्न देवताओं की भी मूर्तियाँ है, जो अश्लीलता नहीं बल्कि सौंदर्य और प्यार की प्रतीक हैं। प्यार के साक्षी इन्हीं मंदिरों में प्रतिवर्ष कई जोड़े परिणय सूत्र में बँधकर अपने दांपत्य जीवन की शुरुआत करते हैं।

खजुराहो एक पर्यटक स्थल होने के साथ-साथ मंदिरों के गाँव के रूप में भी विख्यात है। यहाँ के मंदिर लगभग 1000 सालों से भी अधिक पुराने हैं, जिन्हें मध्यभारत के चंदेल राजपूत राजाओं ने बनवाया था।

वर्तमान में प्राचीन 85 मंदिरों में से मात्र 22 मंदिर ही सुरक्षित बचे हैं। शेष मंदिर आज खंडहर के रूप में तब्दील होकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर पूर्वी, पश्चिमी व दक्षिणी आदि तीन भागों में विभाजित हैं।

पश्चिमी भाग के मंदिर :- खजुराहो में पश्चिमी भाग के मंदिरों में प्रमुख मंदिर कंडरिया महादेव मंदिर, चौंसठ योगिनी मंदिर (ग्रेनाइट से बना सुंदर मंदिर), काली माँ का मंदिर, देवी जगदंबा मंदिर आदि प्रमुख हैं। इन मंदिरों के उत्तर में चित्रगुप्त मंदिर (सूर्य देवता का मंदिर), विश्वनाथन मंदिर (तीन मुखी ब्रह्मा की प्रतिमा तथा 6 फीट ऊँची नंदी प्रतिमा), मटंगेश्वर मंदिर (8 फीट ऊँचा शिवलिंग) आदि स्थित है।

मंदिरों में स्थित प्रतिमाओं की जर्जर स्थिति को देखते हुए इनमें से कई मंदिरों में पूजा करना प्रतिबंधित है। इनमें से केवल ममटंगेश्वर मंदिर में ही अब तक पूजा करना जारी है।

पूर्वी भाग के मंदिर :

इस भाग में हिंदू व जैन दोनों के देवी-देवताओं की दुर्लभ प्रतिमाएँ स्थित हैं। मंदिरों का यह भाग खजुराहो गाँव के समीप स्थित है। पूर्वी भाग का सबसे बड़ा मंदिर जैन तीर्थंकर 'भगवान पार्श्वनाथ जी का मंदिर' है। इसके बाद दूसरा जैन मंदिर 'घाटी मंदिर' है। इस मंदिर के उत्तर में 'आदिनाथ मंदिर' हैं। मंदिरों के इस समूह में ब्रह्मा, वामन आदि हिंदू देवताओं के मंदिर भी शोभायमान है।

दक्षिणी भाग के मंदिर :

मंदिरों का यह समूह खजुराहो गाँव से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इनमें सबसे अच्छा मंदिर 'चित्रभुज मंदिर' है। इस भाग के मंदिरों से कुछ दूरी पर सड़क के उस पार जैन मंदिरों का एक समूह है, जिनमें कई जैन तीर्थंकरों के सुंदर व आकर्षक मंदिर है।

खजुराहो के आसपास: भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (34 किमी दूर) आदि रमणीय स्थल हैं।

भारत की इस विरासत को देखना मात्र ही अपने आप में भारतीय कला से रूबरू होना है, जो अपने आप में अनूठी है, प्राचीन है व गौरवशाली है। आप भी मंदिरों के इस गाँव की सुंदरता को निहारने एक बार अवश्य खजुराहों जाएँ।

उत्तराखण्ड के खिलाफ कार्तिक शर्मा का राजस्थान रणजी टीम में चयन

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की चयन समिति ने उत्तराखण्ड के विरुद्ध 13 से 16 नवम्बर तक देहरादून में खेले जाने वाले रणजी मैच के लिये अंडर-19 में कूच बिहार ट्राफी और वीनू मांकड़ ट्राफी में शानदार प्रदर्शन करने वाले भरतपुर के कार्तिक शर्मा का राजस्थान क्रिकेट टीम में चयन किया है। आरसीए के प्रवक्ता मनीष शर्मा ने बताया कि अपने पदार्पण रणजी मैच में शानदार शतकीय पारी खेलने वाले शुभम गढ़वाल को चोट के कारण अगले रणजी मैच से आराम दिया गया है। टीम इस प्रकार है। दीपक हुड्डा (कप्तान) दीपक चाहर (उपकप्तान) महिपाल लोमरोर, भारत शर्मा, अभिजीत तोमर, राम मोहन चौहान, कन्हैया लाल स्वामी, अजय सिंह कुकना, आराफात खान, अनिकेत चौधरी, जुबेर अली, राजेश बिश्नोई (जूनियर), कार्तिक शर्मा, साहिल दीवान, राजकुमार सैनी और राजवीर सिंह राठौर।

सपोर्ट स्टाफ - हेड कोच राजेश बिश्नोई, कोच पुनीत यादव, कोच निशांत सिंह, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच सुनील शेरोन, फिजियो फरीद अहमद, मैनेजर गौरव शर्मा और भारत सिंह वीडियो एनालिस्ट होंगे।

नए युग के लिए उत्साहित है बटलर

लंदन। जोस बटलर का कहना है कि इस साल कप्तानी छीन लिए जाने के डर के बाद वह इंग्लैंड की सफेद गेंद वाली टीमों का 'अगले युग' में नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड द्वारा सीमित ओवरों के किसी भी विश्व कप का बचाव करने में विफल रहने के बाद मैथ्यू मॉट को जुलाई में सफेद गेंद के मुख्य कोच के पद से बर्खास्त कर दिया गया था। टेस्ट मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम जनवरी से सफेद गेंद की कमान संभालेंगे और 34 वर्षीय बटलर कप्तान होंगे। पिंडली की चोट के बाद वेस्टइंडीज में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए इंग्लैंड के साथ जुड़ने वाले बटलर ने कहा कि उन्हें लगता है कि पुरुष क्रिकेट के प्रबंध निदेशक रॉब उन्हें कप्तानी से बर्खास्त कर सकते थे। उन्होंने कहा, ÷लेकिन कीसी को विश्वास था कि मैं टीम को आगे ले जा सकता हूं और भविष्य में कप्तानी कर सकता हूं। मेरी उनसे कुछ अच्छी बातचीत हुई और मैंने कहा कि मैं ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि मैं ऐसा करने वाला एकमात्र व्यक्ति हूं, मैं ऐसा करना चाहता हूं क्योंकि मैं ऐसा करने के लिए सही व्यक्ति हूं।' इंग्लैंड पांच टी20 मैचों में वेस्टइंडीज से भिड़ेगा, जिसके पहले दो मैच शनिवार और रविवार को बारबाडोस में होंगे, इसके बाद सीरीज सेंट लूसिया में खेली जाएगी।

जैन जेलेजनी होंगे नीरज चोपड़ा के नये कोच

मुंबई। भारत के भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने 2025 एथलेटिक्स सत्र से पहले चेकिया के दिग्गज जैन जेलेजनी को अपना नया कोच नियुक्त किया है। तीन बार के ओलंपिक और विश्व चैंपियन और मौजूदा भाला फेंक विश्व रिकॉर्ड धारक जेलेजनी लंबे समय से चोपड़ा के आदर्श रहे हैं। वह इस महीने के अंत में पोटचेफस्ट्रूम में 31 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान दक्षिण अफ्रीका में नीरज चोपड़ा से जुड़ेंगे। घोषणा के बाद नीरज चोपड़ा ने कहा, बड़े होते हुए, मैं जैन की तकनीक और सटीकता की प्रशंसा करता था और उनके सभी वीडियो देखता था। जेलेजनी को आधुनिक युग का सबसे प्रसिद्ध भाला फेंकने वाला माना जाता है। उन्होंने बार्सिलोना 1992, अटलांटा 1996 और सिडनी 2000 ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीते। उनका वर्तमान रिकॉर्ड 98.48 मीटर है जो उन्होंने 1996 में जर्मनी में बनाया था। चोपड़ा ने कहा, वह (जेलेजनी) इतने सालों तक खेल में सर्वश्रेष्ठ थे और मेरा मानना है कि उनके साथ काम करना अमूल्य होगा क्योंकि हमारी थ्रो करने की शैली समान है और उनके पास इससे जुड़ी बहुत जानकारी है। 58 वर्षीय जैन जेलेजनी चेकिया के टोक्यो 2020 रजत पदक विजेता जैकब वाजलेज्च और कांस्य विजेता विटेजस्लाव वेस्ली के पूर्व कोच हैं। उन्होंने दो बार की ओलंपिक और तीन बार की विश्व चैंपियन बारबोरा स्पोटाकोवा को भी कोचिंग दी है।

पाकिस्तान नहीं जायेगी भारतीय टीम

मुंबई । अगले साल फरवरी में प्रस्तावित चैंपियंस ट्राफी के लिये भारतीय टीम पड़ोसी देश पाकिस्तान नहीं जायेगी। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुये विदेश मंत्रालय ने भारतीय टीम को पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने की सलाह दी है हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। आठ देशों का यह टूर्नामेंट अगले साल 19 फ़रवरी से 9 मार्च के बीच पाकिस्तान में होना निर्धारित है। अब

इस टूर्नामेंट के लिए पिछले साल की एशिया कप की तरह हाइब्रिड मॉडल अपनाना पड़ सकता है। हाइब्रिड मॉडल के अनुसार यह चैंपियनशिप पाकिस्तान के अलावा यूएई अथवा श्रीलंका में खेली जा सकती है। गौरतलब है कि 2012-13 के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच कोई भी द्विपक्षीय सीरीज़ नहीं हुई है। दोनों देशों के बीच आख़िरी टेस्ट 2007 में हुआ था।

पीकेएल : यूपी योद्धाज, यू मुंबा नोएडा में सीजन 11 के दूसरे चरण की करेंगे शुरुआत

एजेंसी

नोएडा। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 11 के दूसरे चरण की शुरुआत रविवार, 10 नवंबर को नोएडा इंडोर स्टेडियम में करने जा रही है। नोएडा चरण के रोमांचक उद्घाटन मुकाबले में घरेलू टीम यूपी योद्धा का सामना यू मुंबा से होगा। नोएडा चरण से पहले नोएडा के रेडिसन होटल में एक भव्य लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पीकेएल लीग कमिश्नर और मशाल स्पोर्ट्स में स्पोर्ट्स लीग के प्रमुख अनुपम गोस्वामी, टीम के कप्तान सुरेंदर गिल (यूपी योद्धाज) और सुनील कुमार (यू मुंबा), मुख्य कोच जसवीर सिंह (यूपी योद्धाज) और घोलमरेज़ा माज़दरानी (यू मुंबा) मौजूद थे। नोएडा में शुरू हो रहे सीजन 11 की प्रतिस्पर्धात्मक नेचर पर अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम उम्मीद कर सकते हैं कि यह चरण बहुत प्रतिस्पर्धी होगा, जैसा कि हमने हैदराबाद चरण में देखा था, जहाँ 42 में से 25 मैच सात अंकों से कम अंतर से तय किए गए थे। यह नोएडा के लिए एक प्रभावशाली बेंचमार्क स्थापित करता है, और हम उम्मीद

कर सकते हैं कि यह आगे भी बढ़ता रहेगा। सभी टीमें समान रूप से कुशल हैं, और इस तरह की प्रतिस्पर्धा के साथ, हमें विश्वास है कि नोएडा चरण प्रशंसकों द्वारा अच्छी तरह से प्राप्त किया जाएगा। यूपी योद्धाज के कप्तान सुरेंदर गिल ने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के बारे में अपनी उत्तेजना साझा करते हुए कहा, घरेलू दर्शकों के सामने खेलने का लाभ किसी भी टीम के प्रदर्शन को महत्वपूर्ण बढ़ावा देता है, और हमने पीकेएल में लगातार ऐसा देखा है। हमारे समर्थकों से हमें जो अतिरिक्त प्रेरणा मिलती है, वह अविश्वसनीय है, खासकर जब हम कम समय में कई मैचों का सामना कर रहे हैं, लेकिन हमारी टीम अच्छी तरह से तैयार है। हम अपने घरेलू दर्शकों के सामने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, और हम हर मैच को महत्वपूर्ण बनाना सुनिश्चित करेंगे। इस बीच, यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने कहा, टीम अभी अच्छा प्रदर्शन कर रही है, और मैं इस बात से प्रभावित हूं कि हमारे युवा खिलाड़ी किस तरह से शानदार प्रतिबद्धता दिखा रहे हैं, क्योंकि उनमें से अधिकांश इस सीजन में ही पीकेएल में पदार्पण कर रहे हैं। हमारी प्राथमिक योजना पूरे टूर्नामेंट में इस गति और मानसिकता को बनाए रखना है। जिस तरह से हम प्रदर्शन कर रहे हैं, मुझे सेमीफाइनल और फाइनल में पहुंचने की हमारी संभावनाओं पर पूरा भरोसा है। यू मुंबा ने आखिरी बार 2015 में पीकेएल सीजन 2 में खिताब जीता था, और अब प्रशंसकों के लिए ट्रॉफी घर लाने का समय आ गया है।

अध्यापिका पूनम गुप्ता ने फिर जीता तीन स्वर्ण पदक

एजेंसी

प्रयागराज। वेटरेंस एथलेटिक्स इंडिया की तरफ से राष्ट्रीय वेटरेंस एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2024 में प्रयागराज की गोल्डन गर्ल के नाम से मशहूर अध्यापिका पूनम गुप्ता ने फिर

तीन स्वर्ण पदक जीत कर विभाग और प्रदेश का नाम रौशन किया है। पूनम ने जानकारी देते हुए बताया कि उक्त प्रतियोगिता उत्तर प्रदेश के अमेठी में 8-9 नवम्बर को आयोजित किया गया। जिसमे बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत अध्यापिका पूनम गुप्ता को उत्तर प्रदेश के लिए चयन किया गया था। पूनम ने 100 मी0 रेस (13.01) में स्वर्ण पदक, 110 मी0 हैडल (17.40) में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। पूनम ने पहली बार डिस्कस थ्रो में प्रतिभाग किया और (19.07) दूरी फेंक कर स्वर्ण पदक जीता। पूनम ने बताया कि वह कैल्केनियल स्पर की दर्दनाक बीमारी से जूझ रही हैं। जिसमे पैर जमीन पर रखने से दबाव पड़ने पर एड़ी में असहनीय दर्द होता है। उसके बावजूद आखिरी समय में उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने का निर्णय लिया और उनका यह निर्णय सार्थक भी हुआ। उन्होंने अपने तीनो इवेंट में स्वर्ण पदक जीता। अब वह अपनी बीमारी से उबरने पर पूरा ध्यान देंगी और 2025 कर्नाटक में साउथ एशिया मास्टर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में और दिल्ली में प्रतिभाग करेंगी।

हनुमान कप हाकी टूर्नामेंट : स्पोर्ट्स हास्टल को हराकर लखनऊ हास्टल ने जीता खिताब

एजेंसी

लखनऊ। नितिश भारद्वाज, फहाद खान और सिद्वांत सिंह की स्टिक से निकले दो-दो गोलों के दम पर लखनऊ हॉस्टल ने राज्य स्तरीय हनुमान कप हॉकी टूर्नामेंट जीत लिया। फाइनल में स्पोर्ट्स कॉलेज लखनऊ को 7-1 गोल से मात दी। वीर शिवाजी हॉकी अकादमी की तरफ से हुए टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला विजयंतखंड स्थित मोहम्मद शाहिद स्टेडियम पर खेला गया। विजेता को 50 हजार रुपये नकद और उपविजेता को 30 हजार की राशि के अलावा हर मैच के प्लेयर ऑफ द मैच को एक हजार रुपये दिए गए।

खेल की शुरुआत से ही लखनऊ हॉस्टल ने आक्रामक रुख अपना लिया था। छठवे मिनट में नितिश ने फील्ड गोल कर टीम का खाता खोला। लखनऊ हॉस्टल को दसवें मिनट में मिले पेनाल्टी कॉर्नर को सिद्वांत सिंह ने गोल में बदला। नितिश ने 25वें मिनट में एक दफा फिर गोल करने की कमान संभाली और फील्ड गोल कर स्कोर 3-0 कर

दिया। इसके बाद 29वें मिनट में सिद्वांत ने तो 35वें मिनट में फहाद खान ने गोल कर लखनऊ हॉस्टल को 5-0 की बढ़त दिला दी। हालांकि, एक मिनट बाद 36वें मिनट में स्पोर्ट्स कॉलेज के लिए एकलौता गोल मो. दानिश ने किया। लखनऊ हॉस्टल से फिर पलटवार करते हुए 37वें मिनट में फहाद खान ने और 43वें मिनट में केतन कुशवाहा ने गोल कर टीम का स्कोर 7-1 पहुंचा। इसी स्कोर पर मुकाबला खत्म हुआ।

इस दौरान सिद्दपीठ हनुमत निवास पीठाधीश्वर आचार्य मिथिलेशनन्दिनीशरण महाराज, खादी ग्रामोद्योग के सीईओ उज्जवल कुमार और गेल इंडिया के स्वतंत्र निदेशक चौधरी शेर सिंह ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। वीर शिवाजी हॉकी अकैडमी के अध्यक्ष गौरव अवस्थी की निगरानी में टूर्नामेंट हुआ।

रणजी ट्रॉफी : विर्दभ ने हिमाचल को पारी और 88 रनों से दी शिकस्त

एजेंसी

धर्मशाला। नागपुर के विर्दभ क्रिकेट एसोसिएशन के मैदान में हिमाचल और विर्दभ के के बीच खेले गए रणजी मैच में मेजबान विर्दभ की टीम ने हिमाचल को पारी और 88 रनों से शिकस्त दी है। ट्रॉफी के इलीट ग्रुप बी मैच में विर्दभ की पहली पारी में 575 रनों के बड़े स्कोर के चलते हिमाचल की बल्लेबाजी खासकर दूसरी पारी में फलाप रही और पूरी टीम 180 के स्कोर पर आउट हो गई। हालांकि पहली पारी में हिमाचल ने 307 रन बनाए थे लेकिन जबाव में बल्लेबाजी के लिए उतरी विर्दभ की टीम में ओपनर ध्रुव शोरे (125) और यश राठोड (128) के शतकों की बदौलत विर्दभ ने 575 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया।उधर 268 रनों से पीछे चल रहे हिमाचल की दूसरी पारी में बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई और पूरी टीम 180 पर आलआउट हो गई। जिसके चलते उसे पारी और 88 रनों से हार का मुंह देखना पड़ा। दूसरी पारी में हिमाचल के मुकुल नेगी के 40 और आकाश वशिष्ट के 34 रनों के

अलावा कोई भी बल्लेबाज खास नही कर पाए।

विर्दभ के हर्ष दुबे ने दो पारियों में लिए 11 विकेट

उधर विर्दभ की ओर से गेंदबाज हर्ष दुबे ने दो पारियों में सबसे अधिक 11 विकेट अपने नाम किए जबकि हिमाचल की ओर से दिवेश शर्मा ने पहली पारी में विर्दभ के चार खिलाड़ियों का आउट किया।

रणजी ट्रॉफी के इलीट ग्रुप बी में विर्दभ सभी चार मैच जीतकर टेबल प्वांइट पर पहले स्थान पर बना हुआ है। इस जीत के बाद विर्दभ के 25 अंक हो गए हैं। गुजरात ने भी दो मैच जीते हैं जबकि उसके 18 अंक हैं और वह ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। जबकि हिमाचल चार में से दो मैच जीतकर 14 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

मप्र ने दर्ज की उप्र पर 297 रन से जीत

एजेंसी

बरेली । मध्य प्रदेश की टीम ने उ.प्र. को 297 रन से हरा कर श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित कूच बेहार ट्राफी का मैच अपने नाम किया। खेल के चौथे और अंतिम दिन जीत के लिए दिए लक्ष्य 475 रन बनाने उतरे उ.प्र. के बल्लेबाज कल के स्कोर 139 रन को 177 रन तक पहुंचा पाए। नतीजा म.प्र. ने उ.प्र. पर 297 रन से जीत दर्ज कर मैच अपने नाम किया। 15 चौकों की मदद से 145 गेंदों पर मैच का एकमात्र शतक लगाने वाले म.प्र. के रुद्रांश सिंह को मैन आफ द मैच चुना गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य और एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति जी दोनों टीमों को अच्छे खेल की बधाई और शुभकामनाएं देने के साथ रुद्रांश को मैन आफ द मैच की ट्राफी प्रदान की। उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यू.पी.सी.ए.) के तत्वावधान में बरेली

क्रिकेट एसोसिएशन (बी.सी.ए.) की ओर से दूसरी बार श्रीराम मूर्ति स्मारक क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित कूच बेहार ट्राफी के मैच के चौथे व अंतिम दिन खेल की शुरूआत अक्षु बाजवा और किशन कुमार सिंह ने की। दोनों ने कमजोर गेंदों को तेज तर्रार शाट खेले। चौथे दिन के छठवें ओवर में अक्षु बाजवा को रोहित सिंह ने अपनी ही गेंद पर कैच लेकर आउट किया। आउट होने से पहले अक्षु ने नाजुक मौके पर शानदार पांच छक्के और दो चौकों के साथ 58 गेंदों पर आकर्षक 44 रन बनाए। नौ विकेट गिरने के बाद किशन कुमार ने अंकुर शर्मा के साथ मोर्चा संभाला। लेकिन 11वें और दूसरी इनिंग के 55वे मैच में आयाम सरदाना की गेंद पर मनोज चौहान ने किशन कुमार का कैच लेकर उ.प्र. की अंतिम उम्मीद भी खत्म कर दी। आकर्षक मैच में दूसरी पारी में 15 चौकों की मदद से 145 गेंदों पर शतक लगाने वाले रुद्रांश और 68 रन बनाने वाले यशोवर्धन और 88 रन बनाने वाले अंश की बदौलत म.प्र. ने उ.प्र. को पहाड़ सा लक्ष्य देने में कामयाबी हासिल की।मैच के समापन समारोह में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए बरेली के एसएसपी अनुराग आर्य, मैच रैफरी सतीश राजगोपाल, आब्जर्वर गोपाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के कप्तान मुहम्मद अमान, मध्य प्रदेश के कप्तान सोहम पटवर्धन और शतक बनाने वाले रुद्रांश सिंह ने पिच, मैदान और श्रीराम मूर्ति स्मारक स्टेडियम की तारीफ की।

टेनिस : उप्र के अनिरुद्ध ने दिल्ली के दक्ष को दी मात

एजेंसी

लखनऊ । आइटा मेन्स एक लाख इनामी टेनिस टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग का पहले राउंड के 15 मुकाबले हुए। उन्नाद टेनिस एकेडमी में हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने जमकर पसीने बहाये। उप्र के अनिरुद्ध कुमार ने दिल्ली के दक्ष गुप्ता को सीधे मुकाबले में मात दे दी। वहीं तेलंगाना के आठवें वरियता प्राप्त श्रीवांत मुम्मडी ने हरियाणा के आर्यन जाली को हराया। टेनिस एकेडमी में दोपहर से शुरू हुए मुकाबले में उप्र के अनुरुद्ध कुमार ने दिल्ली के दक्ष गुप्ता को सीधे मुकाबले में 6-3, 6-1 से हरा दिया। वहीं दिल्ली के द्वितीय वरियता प्राप्त सार्थक सुडेनबिना थके घंटों सेक्स करें और बीवी को अत्यधिक सुख का आनंद दें ने उप्र के अक्षत माल को 6-3, 6-2 से हरा दिया। वहीं बिहार के अभिषेक सिंह ने उप्र के शौर्य सिंह को 7-6, 6-2 से हरा दिया। उप्र के ध्रुव शर्मा ने मध्य प्रदेश के चौथे वरियता प्राप्त उत्कर्ष मिश्रा को सीधे मुकाबले में 6-1, 6-1 से मात दे दी। वहीं उप्र के पांचवें वरियता प्राप्त सौरभ कुमार सिंह ने उप्र के अभिषेक यादव को 6-1, 6-1 से हराया। किनडूविला ने उप्र के शोभित टंडन को सीधे मुकाबले में 6-2, 6-2 से हराकर अगले राउंड के लिए जगह बना ली। उप्र के वंशराज जलोटा ने आंध्र प्रदेश के छठें वरियता प्राप्त राहुल कृष्णा को 7-5, 6-3 से हरा दिया। तेलंगाना के राजेश्वर पटोला ने उप्र के अनुज कुमार को सीधे मुकाबले में 6-3, 6-0 से मात दे दी।

मयूर की गेंदबाजी के साथ ही बल्ला भी चमका, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पहुंचा फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। इकाना मीडिया टी-20 कप टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ को दो विकेट से हराकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में इलक्ट्रॉनिक मीडिया के आल राउंडर मयूर शुक्ला ने शानदार गेंदबाजी के साथ ही धुआंधार बल्लेबाजी की।

मान्यता प्राप्त पत्रकार संघ की पूरी टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर से पहले ही 103 रन बनाकर पवेलियन वापस लौट गयी। सलामी बल्लेबाज वैभव ने 29 रन का योगदान दिया। वहीं रतिश शून्य पर ही पवेलियन लौट गये। टीम के कप्तान राघवेन्द्र प्रताप ने 14 रन बनाये। वहीं विद्याशंकर राय ने 22 रन का योगदान दिया। वहीं इलेक्ट्रानिक मीडिया ने आठ विकेट खोकर 104 रन बना लिये और मैच को

दो विकेट से जीत लिया। सलामी बल्लेबाज मार्तंड ने एक रन का योगदान दिया,वहीं मयूर शुक्ला ने धुआंधार बल्लबाजी करते हुए आठ चौका और एक छक्का की मदद से 40 बाल पर 58 रन बनाये। मयूर ने गेंदबाजी करते हुए भी चार विकेट झटके।

वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता : अमेरिका के ऑस्टिन कॉक्स और पोलैंड की जोना कोकट बने विजेता

एजेंसी

धर्मशाला। कांगड़ा जिला की विश्वविख्यात बीड़-बिलिंग घाटी में आयोजित पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप सम्पन्न हो गया। वर्ल्ड कप के ओवरऑल वर्ग में अमेरिकी पायलट ऑस्टिन कोक्स और महिला वर्ग में पोलैंड की जोना कोकेट विजेता बनी है। पुरुषों के वर्ग में भारत के स्थानीय पायलट रणजीत सिंह दूसरे जबकि पोलैंड के डामर कैपिटा तीसरे स्थान पर रहे हैं। गौर हो कि इस बार वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता के विजेता बने ऑस्टिन पिछली बार आयोजित प्री पैराग्लाइडिंग वर्ल्ड कप के भी विजेता रहे थे। उधर महिला वर्ग में पोलैंड की जोना कोकोट पहले ही दिन से प्रथम स्थान और बनी हुई थी और उन्होंने अंतिम दिन तक उस स्थान को बरकरार रखते हुए यह प्रतियोगिता अपने नाम की। वहीं जर्मनी की डरिया अल्टीकवा दूसरे स्थान पर रही। विजेताओं को मुख्यमंत्री का दौरा रद्द होने के चलते तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी

ने पुरस्कृत किया। गौरतलब है कि बीड़ बिलिंग में वर्ल्ड पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता का आयोजन 2 नवंबर से 9 नवंबर तक किया गया। इस बार सात दिनों के टास्क में दो दिन मौसम खराब रहने के चलते टास्क रद्द करने पड़े। बाबजूद इसके इज प्रतियोगिता आज सम्पन्न हो गई।

बंगाल वॉरियर्स ने बेंगलुरु बुल्स को 40-29 से हराया

एजेंसी

हैदराबाद । नितिन कुमार और मनिंदर सिंह की बदौलत बंगाल वॉरियर्स ने यहां गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन के 44वें मैच में बेंगलुरु बुल्स को 40-29 से हरा दिया। 11वें सीजन में हैदराबाद में यह आखिरी मुकाबला था। इस सीजन का दूसरा लेग अब 10 नवंबर से एक दिसंबर तक उत्तर प्रदेश के नोएडा शहर में खेला जाएगा।

बंगाल वॉरियर्स की सात मैचों में यह तीसरी जीत है और टीम अब 23 अंक लेकर पांचवें पायदान पर पहुंच गई है। बंगाल के लिए नितिन कुमार ने 14 और मनिंदर सिंह ने 10 प्वॉइंट लिए। बेंगलुरु बुल्स की आठ मैचों में यह छठी हार है। बेंगलुरु के लिए अक्षित ने 11 और अजिंक्य पवार ने 8 प्वॉइंट अपने नाम किए। परदीप नरवाल बनाम मनिंदर सिंह के बीच वॉर ऑफ स्टार्स के इस मुकाबले में शुरुआती मिनटों में बंगाल की टीम 7-3 के साथ बेंगलुरु पर भारी रही। पांच रेड में लगातार पांच प्वॉइंट लेने के बाद मनिंदर फिर टैकल कर लिए गए और बेंगलुरु ने वापसी की कोशिश करनी शुरू कर दी। लेकिन इसके बावजूद पहले 10 मिनट के खेल में बंगाल 9-6 से आगे थी।नंबर-1 और नंबर-2 की लड़ाई में मनिंदर परदीप की टीम पर लगातार हावी होते जा रहे थे। माइटी मनिंदर लगभग हर रेड में टीम के लिए प्वॉइंट लेकर आ रहे थे। इसी के चलते वॉरियर्स की टीम अपनी लीड को लगातार कायम रखे हुई थी। बेंगलुरु बुल्स के अक्षित और अजिंक्य ही चल रहे थे। लेकिन इसके बावजूद बेंगलुरु

बुल्स हाफ टाइम तक बंगाल को नहीं पकड़ पाई और वॉरियर्स ने अपनी बढ़त को बरकरार रखते हुए पहले 20 मिनट के खेल में खुद को 15-12 से आगे रखा। दूसरे हाफ के शुरू होने के बाद मनिंदर ने सुपर रेड लगाकर बेंगलुरु को ऑलआउट कर दिया और अपने स्कोर को 20-14 का कर दिया। मनिंदर ने इसी के साथ अपना सुपर-10 भी पूरा कर लिया। ऑलआउट होने के बाद आगे के खेल में बेंगलुरु धीरे-धीरे वापसी करने लगी।

तेलुगू टाइटंस की घर से विजयी विदाई, अंतिम सेकेंड तक चले रोमांचक मैच में पुणेरी पलटन को एक अंक से हराया

एजेंसी

हैदराबाद। विजय मलिक और पवन सहरावत के दम पर तेलुगू टाइटंस ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 11वें सीजन में अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज कर ली है। अपने घर में आखिरी मैच खेलने उतरी तेलुगू टाइटंस ने गाचीबोवली के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 43वें मैच में मौजूदा चैंपियन पुणेरी पलटन को 34-33 से हरा दिया। तेलुगू टाइटंस की आठ मैचों में यह पांचवीं और लगातार चौथी जीत है। टीम अब 26 अंक लेकर अंकतालिका में दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। तेलुगू के लिए विजय मलिक ने 13 और पवन ने 12 अंक लिए। डिफेंडिंग चैंपियन पुणेरी की आठ मैचों में यह दूसरी हार है। टीम 30 अंक लेकर अभी भी पहले नंबर पर है। पुणेरी के लिए आज पंकज मोहिते ने नौ अंक जुटाए।घर में अपना आखिरी मैच खेलने उतरी मेजबान तेलुगू टाइटंस के लिए पवन सहरावत ने शानदार शुरुआत की और टीम को 6-1 की लीड दिला दी। पुणेरी पलटन ऑलआउट की कगार पर थी लेकिन पंकज मोहिते ने सुपर रेड लगाकर टीम को रिवाइव करा दिया। पुणेरी ने फिर सुपर टैकल करके पहले छह मिनट के खेल में ही स्कोर को 6-6 की बराबरी पर ला दिया। मौजूदा चैंपियन ने अगले चार मिनट के अंदर तेलुगू टाइटंस को ऑलआउट कर दिया और स्कोर शुरुआती 10 मिनटों के खेल में खुद को 14-10 से आगे कर लिया। हालांकि तेलुगू को उस समय मैच में वापसी करने का मौका मिल गया जब पुणेरी के कप्तान असलम इनामदार चोटिल होकर मैट से बाहर चले गए। मेजबान टाइटंस के कप्तान पवन सहरावत ने इसका फायदा उठाते हुए सुपर रेड लगाकर इस सीजन का अपना छठा सुपर-10 भी लगा दिया। इसी के साथ तेलुगू 16-15 की लीड में आ गई।तेलुगू ने अगली ही रेड में पुणेरी को ऑलआउट कर दिया और स्कोर को 19-16 का कर दिया। अंतिम मिनटों में तेलुगू ने हालांकि अपनी लीड गंवा दी पहले हाफ की समाप्ति तक स्कोर 20-20 की बराबरी पर आ गया। दूसरे हाफ के शुरू होने के बाद भी असलम मैट पर नहीं लौटे। इसके बावजूद दोनों टीमें 25वें मिनट तक के खेल में 22-22 की बराबरी पर थी। टाइटंस ने यहां से अपने डिफेंस के दम पर पवन को रिवाइव करा लिया। पवन ने मैट पर आते ही तेलुगू को लीड दिला दी। पुणेरी के लिए आज सिर्फ पंकज और मोहिते ही चल पा रहे थे। इसी की बदौलत खेल के 30वें मिनट तक वो तेलुगू को 24-24 की बराबरी पर रोके हुई थी। मैच के अंतिम 10 मिनट के खेल में भी दोनों टीमों के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिली। 34वें मिनट में पुणेरी के अजित कुमार ने सुपर रेड लगाकर टीम को फिर से लीड दिला दी।

लेकिन तभी विजय मलिक ने बोनस प्लस टच प्वॉइंट लेकर तेलुगू को लीड में ला दिया। अंतिम पांच मिनटों के खेल में पुणेरी और तेलुगू के बीच मैच काफी रोमांचक रहा। हालांकि विजय मलिक अगली रेड में आउट हो गए और तेलुगू की टीम ऑलआउट हो गई। पुणेरी के पास अब 33-32 की लीड थी। उधर पवन मैट पर लौट चुके थे और अंतिम मिनट में मुकाबला फिर 33-33 की बराबरी पर आ चुका था। अगली रेड में अजित कुमार डू ऑर डाई में बाहर कर दिए गए और तेलुगू टाइटंस लीड में आ गई। आखिरी रेड में विजय मलिक ने समय निकालकर तेलुगू टाइटंस को 34-33 के स्कोर के साथ 1 अंक से रोमांचक जीत दिला दी।

सुबह पुष्पा 2, रात में सिकंदर, एक साथ कई फिल्मों की शूटिंग कर रहीं

रश्मिका मंदाना

रश्मिका मंदाना साउथ की सबसे बेहतरीन एक्ट्रेस के तौर पर जानी जाती हैं, उन्होंने कई सारी हिट फिल्में दी हैं. अब एक्ट्रेस बॉलीवुड इंडस्ट्री में भी अपनी जगह बनाने के लिए मशक्कत कर रही हैं. फिलहाल वो अपनी अपकमिंग फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं. रश्मिका जल्द ही अल्लू अर्जुन की तेलुगु फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' में नजर आने वाली है, इसके साथ ही एक्ट्रेस बॉलीवुड की दो फिल्मों में भी शामिल हैं, जो कि बड़े बजट की फिल्म है.रश्मिका मंदाना सलमान खान के साथ 'सिकंदर' और विकी कौशल के साथ 'छावा' में काम कर रही हैं. हालांकि, एक साथ बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा होने के लिए एक्ट्रेस को डबल मेहनत करनी पड़ रही है. इस वक्त रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन स्टारर 'पुष्पा 2: द रूल' अपने आखिरी स्टेज पर है. ये फिल्म 5 दिसंबर 2024 को रिलीज होने वाली है. इस फिल्म का पहला पार्ट काफी ज्यादा हिट रहा है, जिसके बाद फिल्म के इस पार्ट से लोगों को बहुत उम्मीदें हैं.

दो शिफ्ट में कर रही काम

'सिकंदर' और 'पुष्पा 2: द रूल' की शूटिंग के लिए रश्मिका को डबल शिफ्ट में काम करना पड़ रहा है. पिंकविला की आई एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक्ट्रेस एक सेट से काम खत्म कर दूसरे पर पहुंचती हैं. उन्होंने खुद भी अपने बिजी शेड्यूल के बारे में लोगों को बताया. रश्मिका ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर एक डायरी शेयर की, जिसमें उनके पूरे दिन के शेड्यूल के बारे में बताया था. आने वाली भी फिल्मों में एक्ट्रेस अहम किरदार निभा रही हैं.

'थामा' के लिए भरी हामी

हालांकि, इतना व्यस्त होने के बाद भी एक्ट्रेस अपने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैन्स के साथ जुड़ी रहती हैं. इन सभी फिल्मों के साथ ही साथ रश्मिका साल 2025 के लिए भी अपने प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी है. बताया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना आगे आयुष्मान खुराना के साथ नजर आएंगी. उन्होंने आयुष्मान खुराना के साथ 'थामा' फिल्म के लिए साइन कर दिया है. ये फिल्म अगले साल दिवाली के मौके पर रिलीज होगी.

खाप पंचायत करा रही

सपना चौधरी

और वीर साहू के बेटे का नामकरण, 30 हजार लोग पहुंचेंगे, CM और कई मंत्री हो सकते हैं शामिल

हरियाणा की मशहूर डांसर सपना चौधरी और सिंगर वीर साहू दूसरी बार माता-पिता बने हैं. 11 नवंबर को उनके बेटे का नामकरण समारोह है. खास बात ये है कि इस आयोजन का जिम्मा खाप पंचयात ने उठाया है. दरअसल, सपना और वीर के दूसरी बार माता-पिता बनने की खुशी में खाप पंचायत के लोग उनसे मिलने पहुंचे और नामकरण संस्कार को महाआयोजन का स्वरूप देने का आग्रह किया.इस आयोजन का जिम्मा खाप पंचायत और गांव के लोगों ने अपने कंधों पर ले लिया. वहीं इसे बड़े पैमाने में करने की तैयारी है. ये आयोजन हरियाणा के सिंघवा, मदनहेड़ी गांव में है. खबर है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वर उनके बेटे का नामकरण करेंगे.

30 हजार लोगों के भोज की तैयारी

नामकरण संस्करण के मौके पर 25 से 30 हजार लोगों के भोज की भी तैयारी है. इस आयोजन में मजदूर से लेकर बड़े मंत्री तक ढेरों लोगों की मौजूदगी रहने वाली है. इतना ही नहीं हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के भी आने की संभावना है.

बब्बू मान करेंगे परफॉर्म

इतना ही नहीं इस दौरान सांस्कृतिक आयोजन भी होगा, जिसमें सिंगर और सॉन्ग राइटर बब्बू मान परफॉर्म करेंगे. साथ ही पंजाब-हरियाणा के और भी कई नामी कलाकार शिरकत करने वाले हैं. खाप ने सिंधवा-मदनहेड़ी गांव में इस आयोजन को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करके जानकारी दी है.एक वीडियो भी सामने आया है, जिसके जरिए ये जानकारी दी गई है कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वर द्वारा सपना चौधरी और वीर साहू के बेटे का नामकरण होने वाला है. 11 नवंबर की सुबह 11 बजे पादुका पूजन है. 11:30 बजे नामकरण समारोह है. दोपहर 12 बजे भोज का आयोजन है और फिर 2 बजे से कलाकारों की प्रस्तुति है. शाम 4 बजे से 6 बजे तक बब्बू मान परफॉर्म करेंगे. सपना चौधरी और वीर साहू न सिर्फ हरियाणा में बल्कि देशभर में पॉपुलर हैं. दोनों के लाखों चाहने वाले हैं.

अनुराग कश्यप ने डेटिंग एप पर प्रोफाइल बनाकर फिर डिलीट क्यों कर दी?

'ब्लैक फ्राइडे' और 'देव-डी' जैसी शानदार फिल्मे देने वाले निर्देशक अनुराग कश्यप अक्सर अपने बयानों और अपने अलग नजरिये को लेकर चर्चा में रहते हैं. अनुराग को कई बार काफी ब्लंट्ली चीजें कहने के लिए जाना जाता है. उनकी संजय लीला भंसाली की अवॉर्ड विनिंग फिल्म 'ब्लैक' को लेकर कहीं गई बात को लेकर तो भंसाली उनसे नाराज भी हो गए थे, लेकिन फिर भी अनुराग अपने बातों और बयानों को लेकर अडिग रहते हैं.अनुराग अपने इसी बेबाक रवैये को लेकर विवादों में आ जाते हैं, हालांकि एक अच्छी बात ये भी है कि वो अपने ओपिनियन को काफी प्रमुखता से रखते हैं और कभी घबराते नहीं, फिर चाहें सवाल उनकी प्रोफेशनल लाइफ से हो या फिर पर्सनल लाइफ से. हाल ही में अनुराग में अपने तलाक, बेटी और रिलेशनशिप को लेकर बात की.

काफी खराब था डिवोर्स वाला फेज

'अनफिल्टर्ड विद समदीश' में जर्नलिस्ट समदीश भाटिया से बातचीत में 'नो स्मोकिंग' निर्देशक ने अपनी जिंदगी के कई पहलुओं पर बातचीत की. अनुराग ने बताया कि उनका डिवोर्स वाला फेस काफी खराब था. तलाक या किसी रिश्ते का टूटना आप में क्या बदल देता है? इस सवाल के जवाब में अनुराग ने कहा कि तलाक आप में काफी कुछ बदल देता है. उन्होंने कहा कि जब किसी का तलाक होता है तो अक्सर इंसान जहनी तौर पर काफी कमजोर हो जाता है और उसके नीचे से जमीन निकल जाती है. अनुराग ने बताया कि वो एक हेवी ड्रिंकर थे इसलिए सेपरेशन के बाद उनकी एक्स पत्नी आरती ने उनको बेटी से मिलने से मना कर दिया था.

डेटिंग एप पर क्यों डिलीट कर दी प्रोफाइल

अनुराग की शादी 1997 में फिल्म एडिटर आरती बजाज से हुई थी और साल 2009 में दोनों अलग हो गए थे. इसके बाद साल 2011 में अनुराग ने एक्ट्रेस कल्कि केकलां से शादी की थी लेकिन वो शादी भी ज्यादा सक्सेसफुल नहीं हुई और साल 2015 में दोनों के रास्ते अलग हो गए. अनुराग अक्सर अपनी शादी, तलाक और रिलेशनशिप को लेकर काफी ओपन्ली बात करते हैं. अनुराग की प्रोफाइल डेटिंग एप पर होने के सवाल पर उन्होंने बताया कि उन्होंने एक बार डेटिंग एप टिंडर डाउनलोड किया था. उन्होंने अपने नाम से ही अकाउंट बनाया था लेकिन उनको पहले उसपर अपने मैनेजर का प्रोफाइल दिखा और उसके बाद फिल्म प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा का जिसके बाद उन्होंने अपना प्रोफाइल डिलीट कर दिया.

इधर होल्ड पर गई कार्तिक आर्यन की ये फिल्म, तो रूह बाबा ने भी मार दिया मौके पर चौका!

कार्तिक आर्यन इस वक्त 'भूल भुलैया 3' को लेकर काफी चर्चा हैं. कार्तिक के साथ-साथ फिल्म में तृप्ति डिमरी, माधुरी दीक्षित और विद्या बालन भी लीड रोल में हैं. फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. वहीं कमाई के मामले में भी 'भूल भुलैया 3' अजय देवगन की सिंघम अगेन से बेहतर कलेक्शन कर रही है. वहीं अब कार्तिक आर्यन अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर सुर्खियों में हैं. कार्तिक आर्यन फिल्ममेकर अनुराग बसु नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने वाले थे. लेकिन अभी वो होल्ड पर चला गया है.अनुराग बसु और कार्तिक आर्यन के प्रोजेक्ट के होल्ड पर जाने की बड़ी वजह फिल्ममेकर की दूसरी फिल्म है. दरअसल फिल्ममेकर की अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो...इन डिनो' है. ये फिल्म साल 2007 में आई 'लाइफ इन ए मेट्रो' का सीक्वल है. फिल्म में आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, कोंकणा सेनशर्मा, पंकज त्रिपाठी, अली फज़ल, फातिमा सना शेख, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे स्टार्स शामिल हैं. इस फिल्म की शूटिंग सितंबर में पूरी हो चुकी है.

फिल्म के कुछ सीन्स से खुश नहीं है अनुराग बसु

लेकिन फिल्म के कुछ सीन्स को देखने के बाद अनुराग बसु को वो रास नहीं आए. उन्हें कुछ सीन्स से सेटिस्फेक्शन नहीं मिली है. ऐसे में उन्होंने फिर से फिल्म के कुछ सीन्स को शूट करने का फैसला लिया है. इसका सीधा असर कार्तिक के साथ उनके अगले प्रोजेक्ट पर पड़ा है. मिड डे की एक रिपोर्ट की मानें तो अनुराग फिल्म के कुछ सीन्स देखने के बाद संतुष्ट नहीं है. कहानी को बेहतर करने के लिए उन्होंने फिर से उन सीन्स को शूट करने का फैसला किया है.

अगले महीने से शुरू होगी 'पति पत्नी और वो 2' की शूटिंग

अब जब कार्तिक का प्रोजेक्ट थोड़े वक्त के लिए होल्ड पर चला गया है, तो वो अब मुदस्सर अजीज के डायरेक्शन में बन रही 'पति पत्नी और वो 2' पर काम शुरू करने के लिए करने की प्लानिंग कर रहे हैं. वह दिसंबर की शुरुआत में 'पति पत्नी और वो 2' की शूटिंग शुरू करेंगे. इस फिल्म में कार्तिक आर्यन के साथ भूमि पेडनेकर लीड रोल में होंगी. वहीं इस बार अनन्या पांडे की जगह साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला नजर आएंगी.